gradeup

मासिक करंट अफेयर्स

यूपीएससी और पीसीएस परीक्षाओं के लिए

मार्च 2019

www.gradeup.co

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

01.03.2019

1. **प्रधानमंत्री JI-VAN योजना**

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने लिग्नोसेलुलोसिक बायोमास और अन्य नवीकरणीय फीडस्टॉक का उपयोग करके एकीकृत बायोएथेनॉल परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए "प्रधानमंत्री **JI-VAN (**जैव ईंधन- वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण) योजना" को मंजूरी प्रदान की है।
- इस योजना के अंतर्गत, 12 वाणिज्यिक स्तर और 10 प्रतिपादन स्तर के दूसरी पीढ़ी (2जी) की इथेनॉल परियोजनाओं को दो चरणों में एक व्यवहार्यता अंतर निधिकरण (वी.जी.एफ.) समर्थन प्रदान किया जाएगा:

1. चरण- I (2018-19 से 2022-23): इसमें छह वाणिज्यिक परियोजनाओं और पांच प्रतिपादन परियोजनाओं का समर्थन किया जाएगा।
2. चरण- II (2020-21 से 2023-24): इसमें छः वाणिज्यिक परियोजनाओं और पाँच प्रदर्शन परियोजनाओं का समर्थन किया जाएगा।

- यह योजना का ध्यान 2जी एथेनॉल क्षेत्र को प्रोत्साहित करने और इस क्षेत्र में वाणिज्यिक परियोजनाओं की स्थापना करने और अनुसंधान एवं विकास को बढ़ाने के लिए एक उपयुक्त पारिस्थितिकी तंत्र बनाकर इस नवजात उद्योग का समर्थन करने पर केंद्रित है।
- योजना लाभार्थियों द्वारा उत्पादित इथेनॉल को ई.बी.पी. कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मिश्रण प्रतिशत को बढ़ाने के लिए तेल विपणन कंपनियों (ओ.एम.सी.) को अनिवार्य रूप से आपूर्ति की जाएगी।

इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई.बी.पी.) कार्यक्रम

- सरकार ने वर्ष 2003 में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम की शुरूआत की थी।
- यह जीवाश्म ईंधन के जलने के कारण पर्यावरण संबंधी चिंताओं को दूर करने, किसानों को पारिश्रमिक प्रदान करने, कच्चे तेल के आयात को सब्सिडी देने और विदेशी मुद्रा बचत को प्राप्त करने में पेट्रोल में इथेनॉल के सम्मिश्रण में मदद करेगा।
- एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम के अंतर्गत, तेल विपणन कंपनियों को पेट्रोल में 10% इथेनॉल का मिश्रण करना है।
- वर्तमान नीति में पेट्रोकेमिकल मार्ग सहित सेल्यूलोज और लिग्नोसेल्यूलोज सामग्री जैसे गुड़ और गैर-खाद्य फीडस्टॉक से उत्पादित इथेनॉल की खरीद की अनुमति प्राप्त है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –ऊर्जा

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **एन.डी.एम.ए. ने ऊष्मा तरंग जोखिमों में कमी पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया है।**

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.) ने 27-28 फरवरी, 2019 को ऊष्मा तरंग जोखिमों में कमी पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया था।
- हाल ही के वर्षों में वी.ई., पूरे विश्व में मौसम की गंभीर घटनाओं में से एक के रूप में उभरा है।
- जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान बढ़ने के साथ ही ऊष्मा तरंगो की आवृत्ति और गंभीरता भी बढ़ती जा रही है।
- भारत भी प्रत्येक वर्ष ऊष्मा तरंगो के बढ़ते हुए प्रकोप का सामना कर रहा है।

संबंधित जानकारी

ऊष्मा तरंगें

- भारतीय मौसम विभाग (आई.एम.डी.) ने ऊष्मा तरंगो के लिए निम्नलिखित मानदंड निर्धारित किए हैं:

1. मैदानों मे किसी क्षेत्र का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में किसी क्षेत्र का तापमान कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस होने तक ऊष्मा तरंगे नहीं मानी जानी चाहिए।
2. जब किसी क्षेत्र का सामान्य अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के बराबर अथवा उससे कम होता है तो सामान्य से आने वाली ऊष्मा तरंगे 5 से 6 डिग्री सेल्सियस और 7 अथवा अधिक डिग्री सेल्सियस तक गंभीर हो सकती हैं।
3. जब किसी क्षेत्र का सामान्य अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है तो सामान्य से आने वाली ऊष्मा तरंगे 4 से 5 डिग्री सेल्सियस और 6 अथवा अधिक डिग्री सेल्सियस तक गंभीर हो सकती हैं।
4. जब सामान्य अधिकतम तापमान के निरपेक्ष वास्तविक अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस अथवा उससे अधिक रहता है तो ऊष्मा तरंगे घोषित कर देनी चाहिए।

ऊष्मा तरंगो का स्वास्थ्य पर प्रभाव

- गर्म ऐंठन
- गर्मी निकलना
- हीट स्ट्रोक

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>बुनाई और बुने हुए कपड़ा क्षेत्र के विकास हेतु योजना</u>**

- केंद्रीय कपड़ा मंत्री ने पावरटेक्स इंडिया के अंतर्गत बुनाई एवं बुने हुए कपड़ों के क्षेत्र के विकास हेतु एक व्यापक योजना शुरू की है, जो 31 मार्च, 2020 तक संचालित की जाएगी।
- यह योजना बुनाई एवं बुने हुए कपड़ों के समूहों में उद्योग और संघ द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पी.पी.पी.) मॉडल पर नए सेवा केंद्रों के निर्माण की परिकल्पना करती है।
- यह बुनाई और बुने हुए कपड़ों के समूहों में वस्त्र अनुसंधान संघों और निर्यात संवर्धन परिषद संघ द्वारा चलाई जा रही मौजूदा ऊर्जा करघा सेवा केंद्रों और संस्थानों के आधुनिकीकरण और उन्नयन पर भी जोर देती है।
- यह उजागर करना महत्वपूर्ण है कि भारत के कुल कपड़ा उत्पादन का 27 प्रतिशत भाग बुने हुए कपड़ा उद्योग से आता है और वर्तमान में बुने हुए कपड़े, कुल परिधान निर्यात का 15 प्रतिशत हैं।

योजना के मुख्य घटक

- यह बुनाई और बुने हुए कपड़ों के समूहों में वस्त्र अनुसंधान संघों (टी.आर.ए.) और निर्यात संवर्धन परिषद संघ (ई.पी.सी.) द्वारा चलाई जा रही मौजूदा ऊर्जा करघा सेवा केंद्रों (पी.एस.सी.) और संस्थानों का आधुनिकीकरण और उन्नयन करना।
- समूह वर्कशेड योजना
- सूत बैंक योजना
- सामान्य सुविधा केंद्र योजना
- प्रधानमंत्री साख योजना
- सौर ऊर्जा योजना
- सुविधा, आई.टी., जागरूकता, अध्ययन, सर्वेक्षण, बाजार विकास और बुनाई एवं बुने हुए कपड़ा इकाइयों का प्रचार करना

संबंधित जानकारी

बुने हुए कपड़ो का क्षेत्र

- पूरी कपड़ा मूल्य श्रृंखला में बुनाई एक प्रमुख खंड है।
- बुना हुआ कपड़ा क्षेत्र के कुछ प्रमुख समूह तमिलनाडु में तिरुपुर, पंजाब में लुधियाना, उत्तर प्रदेश में कानपुर और पश्चिम बंगाल में कोलकाता हैं।
- तिरुपुर, सबसे महत्वपूर्ण निर्यात समूह है, इसके बाद लुधियाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वूपर्ण योजना

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>"बंगलार शिक्षा", पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा शुरू किया गया एक वेब पोर्टल है।</u>**

- पश्चिम बंगाल सरकार ने "बांग्लार शिक्षा" का अनावरण किया है।
- यह देश में इस प्रकार का पहला पोर्टल है और यह मई, 2019 तक शुरू हो जाना चाहिए।

- यह राज्य-संचालित और सहायता प्राप्त विद्यालयों पर रियल-टाइम डेटा प्रदान करेगा।
- यह छात्रों और शिक्षकों की उपस्थिति जैसे कई मुद्दों को भी संबोधित करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

5. **<u>ए.आई.आई.बी. और भारत ने आंध्र प्रदेश राज्य में ग्रामीण कनेक्टिविटी को बेहतर करने हेतु 455 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण का समझौता किया हैं।</u>**

- एशियाई ढांचागत निवेश बैंक (ए.आई.आई.बी.) और भारत सरकार ने आंध्र प्रदेश ग्रामीण सड़क परियोजना के वित्तपोषण हेतु नई दिल्ली में 455 मिलियन अमेरीकी डालर के ऋण का समझौता किया है।
- इस परियोजना का उद्देश्य आंध्र प्रदेश राज्य के सभी 13 जिलों में सभी मौसमों हेतु उपयुक्त ग्रामीण सड़कें प्रदान करके पहले से अनारक्षित समुदायों में सड़क परिवहन कनेक्टिविटी में सुधार करना है।

एशियाई ढांचागत निवेश बैंक (ए.आई.आई.बी.)

- यह एक बहुपक्षीय विकास बैंक है, जिसका मुख्यालय बीजिंग में है और इस बैंक ने जनवरी, 2016 में परिचालन की शुरूआत की थी।
- इसका उद्देश्य एशिया प्रशांत क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के निर्माण का समर्थन करना है।
- यह चीन की सरकार की एक पहल है।
- चीन, 26.06% वोटिंग शेयरों के साथ सबसे बड़ा शेयरधारक है।
- भारत, 7.5% वोटिंग शेयरों के साथ दूसरा सबसे बड़ा हितधारक है, उसके बाद रूस (5.93%) और जर्मनी (4.5%) हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –ढांचा विकास

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>SATAT</u>** <u>योजना</u>

- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री ने किफायती परिवहन की ओर सतत विकल्प **(SATAT) योजना** के अंतर्गत संपीडित बायो-गैस (सी.बी.जी.) उद्यमी (उत्पादक) को 100 वां आशय पत्र सौंपा है।

SATAT योजना के उद्देश्य:

- प्रत्येक वर्ष भारत में उत्पादित होने वाले 62 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक कचरे का उपयोग करना
- आयात निर्भरता में कमी करना
- देश में रोजगार सृजन का पूरक होना
- कृषि/ जैविक कचरे के जलाने से वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और प्रदूषण को कम करना

संबंधित जानकारी

संपीडित बायो गैस

- जैव-गैस का उत्पादन कृषि अवशेष, मवेशियों का गोबर, प्रयोग किए जा चुके गन्ने का गूदा, नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, सीवेज उपचार संयंत्र अपशिष्ट आदि जैसे प्राकृतिक अपशिष्ट/ बायोमास स्रोतों से अवायवीय अपघटन की प्रक्रिया के माध्यम से होता है।
- शुद्धिकरण के बाद इसे संपीडित किया जाता है और इसे सी.बी.जी. कहा जाता है, जिसमें 90% से अधिक शुद्ध मेथेन होती है।
- संपीडित बायोगैस, अपनी संरचना और ऊर्जा क्षमता में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध प्राकृतिक गैस के समान होती है।
- सी.बी.जी., एक वैकल्पिक, नवीकरणीय मोटर वाहन ईंधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

7. **<u>खेलो इंडिया ऐप</u>**

- प्रधानमंत्री ने देश में खेल और फिटनेस के संदर्भ में जागरूकता पैदा करने हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण (एस.ए.आई.) का इस प्रकार का पहला मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है।
- एस.ए.आई. द्वारा विकसित यह एप्लीकेशन खेलो इंडिया योजना का हिस्सा है।

खेलो इंडिया ऐप

- यह ऐप विशेष रूप से युवाओं के मध्य खेल और फिटनेस के संदर्भ में जागरूकता पैदा करने में मदद करता है।

- भारत में खेल पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने और आने वाले वर्षों में देश को वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में बदलने पर जोर दिया गया है।
- इस ऐप में तीन फीचर हैं, जो पूरे देश में बच्चों के मध्य संभावित चैंपियनों की पहचान करने में मदद करेंगे।

इसके तीन भाग हैं

- पहला खंड 18 खेल के बुनियादी नियमों और विनियमों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।
- दूसरे खंड में देश भर में खेल सुविधाओं की जानकारी शामिल है।
- तीसरे खंड में आठ परीक्षण हैं जिन्हें एक युवा एथलीट के फिटनेस के स्तर का पता लगाने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>बिना सीमा के गैंडे, संरक्षण का मूल मंत्र है।</u>**

- महान एक-सींग वाले गैंडे के संरक्षण और सुरक्षा के लिए भारत, नेपाल और भूटान के मध्य सहयोग जैसे एशियाई गैंडा सीमा देशों की दूसरी बैठक में नई दिल्ली घोषणापत्र को अपनाया गया था।
- इस योजना में सुकोला-फंता (नेपाल), वाल्मीकि बाघ रिजर्व (भारत) और चितवन राष्ट्रीय उद्यान (नेपाल) और दुधवा (भारत) में गैंडों की एकल आबादी को दोनों देशों के मध्य की राजनीतिक सीमा से अलग किया गया है।
- भूटान में गैंडे नहीं हैं, लेकिन असम से लगे हुए मानस राष्ट्रीय उद्यान अथवा पश्चिम बंगाल में बक्शा बाघ रिजर्व से कभी-कभी- कुछ गैंडे पार होने के लिए जाने जाते हैं।

गैंडो पर वैश्विक परिदृश्य

- एक सींग वाले भारतीय गैंडों की वर्तमान वैश्विक आबादी 3,584 है।
- भारत के असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 2,938 गैंडे हैं, जब कि नेपाल में 646 गैंडे हैं।
- इंडोनेशिया और मलेशिया अन्य एशियाई देश हैं जहाँ गैंडों का अंतिम निवास है।
- एक समय चीन से लेकर बांग्लादेश तक पाए जाने वाले जवान और सुमात्राई गैंडे विलुप्त होने की कगार पर हैं।

एक सींग वाला गैंडा

- एक सींग वाला गैंडा, एशियाई गैंडों में सबसे बड़ा होता है।
- वे काजीरंगा, ओरंग, पोबितारा, जलदापारा (असम में), दुधवा (यू.पी.) राष्ट्रीय उद्यान में पाए जाते हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, विश्व के दो-तिहाई महान एक-सींग वाले गैंडों की मेजबानी करता है।
- इसे लुप्तप्राय प्रजातियों की आई.यू.सी.एन. रेड लिस्ट में लुपत्प्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

नोट: सुमित्राई गैंडा, सभी गैंडा प्रजातियों में सबसे छोटा और दो सींगों वाले एकमात्र एशियाई गैंडे थे, जो मलेशिया के जंगलों में विलुप्त हो गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>एफ.आर.ए. पर सर्वोच्च न्यायालय:8 लाख वनवासियों "रोक" लगा सकते हैं।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने 28 फरवरी, 2019 को केंद्र सरकार की अपील को स्वीकार करते हुए अपने दो सप्ताह पुराने आदेश पर रोक लगा दी और 21 राज्यों को उन लाखों वनवासियों के निष्कासन पर अस्थायी रूप से रोक लगाने की स्वीकृति प्रदान की है जिनके भूमि के दावे अस्वीकार कर दिए गए थे।

पृष्ठभूमि

- शीर्ष अदालत ने 13 फरवरी, 2019 को अनुसूचित जनजाति एवं अन्य वनवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006 (वन अधिकार कानून) के अंतर्गत राज्य सरकारों से वन भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ की गई कार्रवाई के बारे में हलफनामा दाखिल करने को कहा है।
- इस आदेश से 11 लाख से अधिक अनुसूचित जनजातियाँ और अन्य वनवासी जनजातियाँ प्रभावित हुई हैं।

सम्बंधित जानकारी

वन अधिकार अधिनियम (एफआरए)

- 18 दिसंबर 2006 को भारत में पारित अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम 2006, वन कानून का एक प्रमुख हिस्सा है।
- इसे वन अधिकार अधिनियम, जनजातीय अधिकार अधिनियम, जनजातीय विधेयक और जनजातीय भूमि अधिनियम भी कहा जाता है।
- योग्य व्यक्ति-

  (क) जो लोग "मुख्य रूप से जंगल में रहते हैं" और जो आजीविका के लिए जंगल और वन भूमि पर निर्भर करते हैं।

  (ख) या तो दावेदार उस क्षेत्र में निर्धारित अनुसूचित जनजातियों का सदस्य होना चाहिए या जंगल में 75 वर्षों तक निवास कर चुका हो।

वन अधिकार अधिनियम के तहत दिए गए अधिकार

(क) शीर्षक अधिकार

- स्वामित्व - 13 दिसंबर 2005 को अधिकतम 4 हेक्टेयर के अधीन जनजातीय या वनवासियों द्वारा खेती की जा रही भूमि का स्वामित्व।
- स्वामित्व केवल उस भूमि के लिए है जिसे वास्तव में उस परिवार के रूप में संबंधित परिवार द्वारा खेती की जा रही है, जिसका अर्थ है कि कोई नई भूमि नहीं दी जाती है।

(ख) अधिकारों का उपयोग

- छोटे वन उत्पादन (स्वामित्व सहित), चरागाह क्षेत्रों में, चरवाहे मार्ग आदि के लिए।

(ग) राहत और विकास के अधिकार

- अवैध सुरक्षा या जबरदस्ती विस्थापन और बुनियादी सुविधाओं के मामले में पुनर्वास के लिए, वन संरक्षण के लिए प्रतिबंधों के अधीन।

(घ) वन प्रबंधन अधिकार

- वन और वन्यजीवन की रक्षा

टॉपिक- जी.एस.-2- कमजोर समूह

स्रोत- डाउन टू अर्थ

04.03.2019

1. **<u>3 मार्च: विश्व वन्यजीवन दिवस</u>**

- वन्यजीवन के संदर्भ में जागरूकता फैलाने हेतु प्रत्येक वर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीवन दिवस मनाया जाता है।
- विश्व वन्यजीवन दिवस 2019 की थीम **'पानी के नीचे जीवन: लोगों और ग्रह के लिए'** है, जो **सतत विकास लक्ष्यों-14** से मेल खाता है- जिनमें से एक पानी के नीचे जीवन है।
- इस दिन, वन्य जीव एवं वनस्पति लुप्तप्राय प्रजाति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सी.आई.टी.ई.एस.) पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- यह इतिहास का पहला विश्व वन्यजीवन दिवस है जिसमें पानी के नीचे के जीवन पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. **<u>रूस की ए.के.-203 राइफलें, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की मदद करेंगी।</u>**

- ए.के.-203 राइफलों का शीघ्र ही अमेठी के कोरवा क्षेत्र में निर्माण किया जाएगा।
- यह कालाशनिकोव असॉल्ट राइफलों की 200 श्रृंखला के निर्माण हेतु भारत और रूस के मध्य संयुक्त उपक्रम है, जो भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की छोटे हथियारों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होंगी।

ए.के.-203 राइफल

- ये राइफलें सेना में वर्तमान में प्रयोग की जाने वाली इन्सास और ए.के.-47 राइफलों को प्रगतिशील रूप से प्रतिस्थापित करेंगी।
- ए.के. राइफल्स की 200-श्रृंखला, ए.के. की 100-श्रृंखला की अगली पीढ़ी और विकास का प्रतिनिधित्व करती है।
- ए.के. 103 में प्लास्टिक का मोड़ा जा सकने वाला बटस्टॉक है जो परिवहन और लैंडिंग संचालन के दौरान मार्च करने में सुविधा को सुनिश्चित करता है।
- ए.के. 103 में एक 40 मि.मी. अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर अथवा एक चाकू-किरिच लगाया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

3. **<u>भारत ने अमेरिका के साथ पाकिस्तान की एफ-16 मिसाइल के विवरण का साझा किया है।</u>**

- भारतीय सशस्त्र बल, ने AMRAAM मिसाइल के भागों के साक्ष्यों को प्रस्तुत किया है जिन्हें भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए केवल पकिस्तान के एफ-16 द्वारा फायर किया जा सकता है।
- ये लड़ाकू विमान अमेरिका ने पाकिस्तान को बेंचे थे, लेकिन इनका आक्रमण करने के रूप प्रयोग करने की स्वीकृति नहीं दी गई थी।

AMRAAM मिसाइल

- ए.आई.एम.-120, उन्नत मध्यम सीमा की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल अथवा AMRAAM, एक आधुनिक अमेरिकी दृश्य सीमा से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (BVRAAM) है।
- इसमें अर्ध-सक्रिय रिसीव-केवल रडार मार्गदर्शन के स्थान पर सक्रिय संचार-रिसीव रडार मार्गदर्शन को नियोजित किया गया है।
- इसे अतिरिक्त इसे फॉयर एंड फॉरगेट (दागो और भूल जाओं) नामक हथियार के नाम से जानते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>"प्लास्टिक-मुक्त भारत" पर गीत को सात भाषाओं में लॉन्च किया गया है।</u>**

- "प्लास्टिक अपशिष्ट मुक्त भारत" पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति मंच (पी.डी.यू.एस.एम.) द्वारा एक गीत की रचना और संकलन किया गया है।
- पी.डी.यू.एस.एम., एक गैर-लाभकारी संगठन है जो सामाजिक और पर्यावरण के मुद्दों के क्षेत्र में काम करता है, जिसे केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था।

संबंधित जानकारी

- यह एक पहल का हिस्सा है जिसका उद्देश्य वर्ष 2022 तक भारत को प्लास्टिक मुक्त राष्ट्र बनाना है।
- इसका उद्देश्य देश में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और रीसाइक्लिंग पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन और सुधार करना है।
- इसे सात भाषाओं- हिंदी, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलगू, मलयालम और कन्नड़ में लॉन्च किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>हनोई शिखर सम्मेलन 2019: संयुक्त राज्य अमेरिका (अमेरिका) और उत्तर कोरिया ने एक शिखर सम्मेलन का आयोजन किया था।</u>**

- प्रतिबंधों से छूट की सीमा पर एक समझौते तक पहुँचने में असफल रहने के बाद वियतनाम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के मध्य एक दूसरे शिखर सम्मेलन का स्वाभाविक समय से पहले समापन किया गया है, जिसके बदले उत्तर कोरिया को अपने परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करने हेतु कदम उठाने पड़ेगें।
- सिंगापुर में पहली बार श्री ट्रम्प और श्री किम के मिलने के आठ महीने बाद हनोई शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ था और वे नए संबंधों और शांति को स्थापित करने में सहमत थे, इसके बदले में कोरियाई प्रायद्वीप को पूर्ण रूप से परमाणु मुक्त करने की दिशा में काम करने हेतु उत्तर कोरिया अपनी प्रतिबद्धता पर सहमत था।

हनोई शिखर सम्मेलन 2019

- यह शिखर सम्मेलन वियतनाम के हनोई में आयोजित किया गया था।
- जून, 2018 में सिंगापुर शिखर सम्मेलन के बाद अमेरिका और उत्तर कोरिया के मध्य यह दूसरा शिखर सम्मेलन था।
- वार्ता विफल होने का कारण यह था कि उत्तर कोरिया ने केवल आंशिक रूप से परमाणु मुक्त करने के बदले में आर्थिक प्रतिबंधों से पूरी तरह से राहत की मांग की थी, लेकिन अमेरिका चाहता है कि उत्तर कोरिया पूर्णतया हथियार मुक्त हो जाए।

- वर्ष 2018 में सिंगापुर शिखर सम्मेलन के दौरान, अमेरिका और उत्तर कोरिया ने कोरियाई प्रायद्वीप के पूर्ण रूप से परमाणु मुक्त करने पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>कन्याश्री प्रकल्प योजना को संशोधित करने की आवश्यकता है: विशेषज्ञ</u>**

- इस मुद्दे पर एन.जी.ओ. के साथ काम कर रहे विशेषज्ञों का कहना है कि तस्करी, एक जटिल समस्या है और एक योजना (कन्याश्री), जो लड़कियों को स्कूल में रहने के लिए प्रोत्साहित करती है, यह योजना तस्करी पर रोक नहीं लगा सकती है।
- इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी महसूस किया है कि के1 योजना (कन्याश्री का हिस्सा) के अंतर्गत 750 रूपए का वार्षिक लाभ शायद ही तस्करी से बचाव का मार्ग है।

कन्याश्री प्रकल्प

- यह योजना वर्ष 2013 में शुरू की गई थी जो पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा लड़कियों के जीवन और उनकी स्थिति में सुधार करने हेतु शुरू की गई एक पहल है, इसके अंतर्गत आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों को इस प्रकार नकद धनराशि प्रदान कर उनकी मदद की जाएगी कि आर्थिक समस्याओं के कारणों से परिवार 18 वर्ष की आयु से पहले अपनी लड़की का विवाह न कर सके।
- इस योजना को यूनाइटेड किंगडम अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग और यूनीसेफ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्रदान की गई है।
- कन्याश्री योजना में लाभ की दो श्रणियां हैं:-
- पहली श्रेणी या के1 श्रेणी के अंतर्गत 13 से 18 वर्ष की आयु की लड़कियों को प्रत्येक वर्ष 750 रूपए का भुगतान किया जाता है;
- K2 समूह के अंतर्गत, लड़की के 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद उसे 25,000 की एकमुश्त धनराशि का भुगतान किया जाता है, लड़की को अकादमिक या व्यावसायिक शिक्षा में शिक्षा ग्रहण करते रहना चाहिए और अविवाहित होना चाहिए।
- कन्याश्री, तस्करी का मुकाबला करने के उद्देश्य से कई अन्य योजनाओं के अतिरिक्त एक व्यापक योजना है।

पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा शुरू की गई अन्य योजनाएं

स्वयंगसिद्धा योजना

- सितंबर, 2018 में पश्चिम बंगाल सरकार ने तस्करी को रोकने के लिए स्वयंगसिद्धा योजना शुरू की थी।
- इस योजना के अंतर्गत (जिसका अर्थ है आत्मनिर्भरता), विद्यालयों शिकायत पेटी लगा दी गए हैं, जिसमें लड़कियां स्वयं के द्वारा अथवा उनके किसी मित्र के द्वारा सामना की गई किसी भी तरह की छेड़छाड़ या उत्पीड़न की शिकायत, इस शिकायत पेटी में जमा कर सकती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>रेस्तरां अब खाना पकाने के तेल का लंबे समय तक पुन: उपयोग नहीं कर सकते हैं: एफ.एस.एस.ए.आई.</u>**

- एफ.एस.एस.ए.आई. के नवीनतम परिपत्र के अनुसार, सभी खाद्य व्यवसाय संचालक, जिनके व्यवसाय में तलने के लिए प्रयोग किए जाने वाले खाद्य तेल की खपत 50 लीटर प्रतिदिन है, उन्हें रिकॉर्ड बनाए रखना आवश्यक होगा और समय-समय पर एफ.एस.एस.ए.आई. द्वारा प्राधिकृत संस्थाओं को उपयोग किए जा चुके खाना पकाने का तेल को देना आवश्यक होगा।
- यह नियम खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 16(5) के अनुसार लागू किया गया है।
- यह नया नियम इन्हें प्रयोग किए जा चुके खाना पकाने के तेल का पुन: तीन बार से अधिक प्रयोग करने से प्रतिबंधित करता है।
- इस नए परिपत्र ने खाद्य तेल में कुल ध्रवीय यौगिकों (टी.पी.सी.) की अधिकतम अनुमेय सीमा 25 प्रतिशत तक निर्धारित की है।

- खाद्य तेलों को बार-बार तलने और इनका पुन: उपयोग करने से भौतिक, रासायनिक और पोषक गुणों में परिवर्तन हो जाता है और इससे टी.पी.सी. का निर्माण होता है, जो इसे मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त बनाता है।
- यह देश में लोगों के स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार की दिशा में लिया गया एक कदम है। तेल का पुन: उपयोग करने के अभ्यास का खत्म किया जाए और इसके हानिकारक प्रभावों को समझा जाए।
- कर्नाटक, ऐसा पहला राज्य है जहां जैव ऊर्जा विकास बोर्ड है और यह जैव डीजल विनिर्माण इकाईयों के द्वारा पुन: प्रयोग किए जा चुके खाना पकाने के तेल का रेस्तरां की बड़ी श्रृंखला से एकत्रीकरण करता है, मुख्य मुद्दा ऐसी इकाइयों के पंजीकरण और संयुक्त एकत्रीकरण पुर्नउद्देश्यीय प्रयोग कुकिंग ऑयल (RUCO) के कार्यान्वन के संदर्भ में है।

संबंधित जानकारी

रीपर्पज यूज्ड कुकिंग ऑयल (RUCO)

- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफ.एस.एस.ए.आई.) ने RUCO (रीपर्पज यूज्ड कुकिंग ऑयल) की शुरुआत की, यह एक पहल है जो प्रयोग किए जा चुके खाना पकाने के तेल के एकत्रीकरण और उसको जैव डीजल में बदलने में सक्षम करेगी।
- एफ.एस.एस.ए.आई. यह सुनिश्चित करने के लिए नियमों को लागू करने पर भी गौर करता है कि जो कंपनियां बड़ी मात्रा में खाना पकाने के तेल का उपयोग करती हैं, वे इसे पंजीकृत एजेंसियों को जैव ईंधन में बदलने के लिए सौंप देती हैं।
- खाद्य उद्योग में खाना पकाने के तेल के पुन: उपयोग को कम करने से सकारात्मक सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणाम प्राप्त होंगे और जैव-ए.टी.एफ. में इसका रूपांतरण विमानन क्षेत्र की अपने कार्बन पदचिन्हों को कम करने में मदद करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2-गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. **<u>प्रधानमंत्री ने 'अप्रैल 2019-मार्च 2020' को निर्माण-प्रौद्योगिकी वर्ष के रूप में घोषित किया है।</u>**

- प्रधानमंत्री ने 'अप्रैल 2019-मार्च 2020' को निर्माण-प्रौद्योगिकी वर्ष के रूप में घोषित किया है और तीव्र शहरीकरण के कारण देश में आवास की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया है।
- उन्होंने वर्ष 2022 तक प्रत्येक भारतीय को एक पक्का मकान प्रदान करने के सरकार के मिशन को पूरा करने में निजी क्षेत्र का समर्थन भी मांगा है।

संबंधित जानकारी

वैश्विक आवास प्रौद्योगिकी चुनौती

- यह भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक पहल है।
- इसका उद्देश्य दुनिया भर की सिद्ध और संभावित नवीन तकनीकों की एक टोकरी की पहचान, मूल्यांकन और शॉर्टलिस्ट करना है और इसके बाद इन्हें भारतीय निर्माण क्षेत्र में मुख्यधारा में शामिल करना है जो सतत, हरित, आपदा प्रतिरोधी है।

जी.एच.टी.सी.- भारत में निम्नलिखित तीन घटक हैं:

- **घटक 1** - प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन का संचालन
- **घटक 2** - सिद्ध प्रत्यक्ष प्रौद्योगिकियों की पहचान करना: लाइट हाउस परियोजना की शॉर्टलिस्टिंग और वास्तविक निर्माण के माध्यम से दुनिया भर से भारतीय बाजार में उपयुक्त स्थापित तकनीकों को शामिल करना है।
- **घटक 3** – उन भारतीय बाजारों के लिए किफायती सतत आवास त्वरक भारत (ए.एस.एच.ए.-इंडिया) की स्थापना करना, इन बाजारों के पास क्षमता है परंतु बजार तैयार नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>ग्राम समृद्धि योजना</u>**

- भारत का खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय एक नई योजना- ग्राम समृद्धि योजना पर काम कर रहा है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित असंगठित खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए है।

- विश्व बैंक और केंद्र द्वारा वित्त पोषित 3,000 करोड़ रुपये की योजना कुटीर उद्योग, किसान उत्पादकों के संगठन और क्षमता बढ़ाने में व्यक्तिगत खाद्य प्रोसेसर, कौशल सुधार, उद्यमिता विकास और कृषि-से-बाजार आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के अतिरिक्त तकनीकि उन्यन्न के क्षेत्र में मदद करेगी।
- यह वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को सुनिश्चित करेगी, खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए सरकार इस योजना को लागू कर रही है।
- लगभग 66% असंगठित खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ ग्रामीण क्षेत्रों में हैं और इनमें से 80% इकाईयां परिवार संचालित हैं।
- एक इकाई को दी जाने वाली अधिकतम सब्सिडी 10 लाख रूपए है, यदि उन्होंने ऋण ले रखा है तो ब्याज अनुदान के अतिरिक्त 10 लाख रूपए है।
- इस योजना के अंतर्गत बैंक ब्याज पर 3% से 5% तक सब्सिडी प्राप्त करने का प्रावधान है।
- इस योजना का खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना करने, मौजूदा इकाईयों में सेवा प्रौद्योगिकी को उन्नत करने, इकाईयों के प्रबंधन को सुधारने और प्रौद्योगिकी समर्थन प्रदान करने हेतु उद्दमों को प्रोत्साहित करने हेतु आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास करना है।
- प्रारंभिक चरण में यह योजना उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब में पांच साल की अवधि के लिए चलाई जाएगी और उसके बाद अन्य राज्यों में चलाई जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- टी.ओ.आई.

05.03.2019

1. **<u>इसरो ने स्कूली बच्चों के लिए "युवा विज्ञानी कार्यक्रम" शुरू किया है।</u>**

- इसरो ने स्कूली बच्चों के लिए "युवा विज्ञानी कार्यक्रम" नामक एक विशेष कार्यक्रम की शुरूआत की है।
- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष गतिविधियों के उभरते हुए क्षेत्रों में इनकी रुचि जगाने के इरादे से युवा लोगों को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों पर बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है।
- इसरो ने "युवाओं को आकर्षित" करने के लिए इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की है।
- सी.बी.एस.ई., आई.सी.एस.ई. और राज्य पाठ्यक्रम को शामिल करते हुए प्रत्येक वर्ष इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रत्येक राज्य/ केंद्र शासित प्रदेश से 3 छात्रों का चयन करना प्रस्तावित किया गया है।
- जिन्होंने 8वीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली है और वर्तमान में 9वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं, वे इस कार्यक्रम के पात्र होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>प्रधानमंत्री ने "एक राष्ट्र, एक कार्ड" लांच किया है।</u>**

- प्रधानमंत्री ने स्वदेशी रूप से विकसित राष्ट्रीय सामान्य गतिशीलता कार्ड लॉन्च किया है।
- एक राष्ट्र, एक कार्ड मॉडल अर्थात राष्ट्रीय सामान्य गतिशीलता कार्ड (एन.सी.एम.सी.) पर आधारित स्वदेशी स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली, भारत में इस प्रकार की पहली प्रणाली है।
- यह विभिन्न प्रकार के परिवहन शुल्क के भुगतान को सुव्यवस्थित करने में लोगो को सक्षम करेगी।
- करार के अनुसार "एक राष्ट्र, एक कार्ड", अंतर-संचालित परिवहन कार्ड, धारक को अपना बस यात्रा का किराया, पार्किंग, फुटकर खरीददारी और पैसे निकालने की स्वीकृति प्रदान करेगा।
- परिवहन के लिए भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र है जिसमें एन.सी.एम.सी. मानकों पर आधारित एन.सी.एम.सी. कार्ड, स्वीकार (स्वच्छलित किराया: स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली) और स्वागत (स्वचालित गेट) शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली (ए.एफ.सी.)

- ए.एफ.सी. प्रणाली (गेट, पाठक/ सत्यापनकर्ता, समर्थित ढांचा आदि), किराया संग्रहण प्रक्रिया को स्वचालित करने के लिए किसी भी पारगमन संचालक का मूल है।
- भारत में अब तक ए.एफ.सी. प्रणाली के कार्यान्वयन से संबंधित प्रमुख चुनौती, स्वदेशी समाधान प्रदाता की कमी है।
- अब तक, विभिन्न महानगरों में लगाई गई ए.एफ.सी. प्रणाली विदेशी निकायों की हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>बोल्ड-क्विट (BOLD-QIT) परियोजना</u>**

- केंद्रीय गृह मंत्री ने असम के धुबरी जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर सी.आई.बी.एम.एस. (व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली) के अंतर्गत BOLD-QIT (सीमा वैद्युत शासित QRT अवरोधन तकनीकि) का अनावरण किया है।

संबंधित जानकारी

- तकनीकि प्रणालियों को स्थापित करने हेतु व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सी.आई.बी.एम.एस.) के अंतर्गत **BOLD-QIT, एक** परियोजना है।
- यह ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के निर्जन नदी क्षेत्र में भारत-बांग्लादेश सीमाओं को विभिन्न प्रकार के सेंसरों से सुसज्जित करने में बी.एस.एफ. की मदद करेगी।

व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सी.आई.बी.एम.एस.)

- पठानकोट हमले के बाद सरकार ने व्यापक एकीकृत सीमा प्रबंधन प्रणाली (सी.आई.बी.एम.एस.) के अंतर्गत पाकिस्तान के साथ 2900 किलोमीटर लंबी पश्चिमी सीमा पर घुसपैठ रोकने की योजना बनाई है।
- इसके बाद में उन्होंने इसे अन्य सीमाओं में भी लागू करने का फैसला किया है।
- इसमें अत्याधुनिक निगरानी तकनीकों की तैनाती शामिल है जैसे:

1. थर्मल इमेजर्स
2. अवरक्त और लेजर-आधारित घुसपैठिया अलार्म जो एक अदृश्य भूमि बाड़ का निर्माण करता हैं
3. हवाई निगरानी के लिए एयरोस्टेट
4. नदी की सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए नायाब ग्राउंड सेंसर का उपयोग करना जो सुरंगों, रडार, सोनार प्रणालियों के माध्यम से घुसपैठ की कोशिशों का पता लगाने में मदद कर सकते हैं।
5. फाइबर-ऑप्टिक सेंसर और एक कमांड और नियंतत्र प्रणाली जो वास्तविक समय में सभी निगरानी उपकरण से डेटा प्राप्त करेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>फसलों को जलाने से श्वास संबंधी बीमारियां होने का खतरा तीन गुना तक बढ़ जाता है: आई.एफ.पी.आर.आई. अध्ययन</u>**

- उत्तर भारत के शीतकालीन प्रदूषण में योगदान देने वाले घटकों में से एक कृषि अवशेषों को जलाना है, इसके जलाने से श्वास संबंधी बीमारियां होने का खतरा तीन गुना तक बढ़ जाता है।
- आई.एफ.पी.आर.आई. के एक अध्ययन के अनुसार, फसलों को जलाने से प्रभावित राज्यों में काम करने के दिनों के होने वाले नुकसान के पदों यह वार्षिक रूप से $ 30 बिलियन (लगभग 2 ट्रिलियन) के नुकसान के लिए जिम्मेदार है।

अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आई.एफ.पी.आर.आई.)

- यह विकासशील देशों में स्थायी रूप से गरीबी को कम करने और भुखमरी और कुपोषण को समाप्त करने के लिए अनुसंधान-आधारित नीतिगत समाधान प्रदान करता है।
- यह संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित है।
- इसका उद्देश्य गरीबी को कम करने और भुखमरी और कुपोषण को समाप्त करने वाले अनुसंधान-आधारित नीतिगत समाधान प्रदान करना है।

- आई.एफ.पी.आर.आई. संस्थान की 2013-2018 रणनीति के अंतर्गत विकसित कार्य के मजबूत आधार पर निर्मित है और पांच रणनीतिक अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है:

  (a) जलवायु के लचीलेपन और सतत खाद्य आपूर्ति को बढ़ावा देने पर

  (b) सभी के लिए स्वस्थ आहार और पोषण को बढ़ावा देने पर

  (c) समावेशी और कुशल बाजार, व्यापार प्रणाली और खाद्य उद्योग का निर्माण करने पर

  (d) कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने पर

  (e) संस्थानों और शासन को मजबूत बनाने पर

नोट:

- ग्लोबल हंगर इंडेक्स, पहले अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आई.एफ.पी.आर.आई.) और वेल्थंगरलाइफ द्वारा प्रकाशित किया जाता था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

5. **भारत, गैंडों को बचाने के लिए 4 देशों के साथ संधि कर रहा है।**

- भारतीय उप-महाद्वीप में पाए जाने वाले महान एक सींग वाले गैंडे सहित एशियाई गैंडों की तीन प्रजातियों की जनसंख्या को बढ़ाने के लिए भारत भूटान, नेपाल, इंडोनेशिया और मलेशिया के साथ मिलकर काम करेगा।
- पांच गैंडा सीमा देशों ने प्रजातियों के संरक्षण और रक्षा के लिए हाल ही में आयोजित एशियाई गैंडा सीमा देशों की दूसरी बैठक में "एशियाई गैंडो 2019 पर घोषणा" नामक एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

ये घोषणाएं किस प्रकार गैंडो की मदद कर सकती हैं?

- प्रत्येक चार वर्षों में महान एक सींग वाला गैंडा, जवान और सुमात्राई गैंडे की जनसंख्या की समीक्षा और संरक्षण करने के लिए घोषणापत्र में हस्ताक्षर किए गए हैं, यह कदम इनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए संयुक्त कार्यों की आवश्यक्ताओं का पुनर्मूल्यांकल करने हेतु उठाया गया है।
- घोषणा में गैंडों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों, उनकी संभावित बीमारियों और आवश्यक कदम उठाने, वन्यजीव फॉरेंसिको का सहयोग और सशक्तीकरण करने और महान एक सींग वाले गैंडे के संरक्षण हेतु भारत, नेपाल और भूटान के मध्य सीमा पार समझौते को मजबूत करना शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

6. **अस्मिता योजना**

- खराब गुणवत्ता वाली सैनिटरी नैपकीन की शिकायतों के कारण अच्छी प्रतिक्रियाएं हासिल करने में अस्मिता योजना के विफल रहने के एक वर्ष बाद ग्रामीण विभाग ने नई निविदाएँ मंगाई हैं।
- हालांकि, इस बार सरकारी अधिकारियों द्वारा पैडों को प्रयोग करने और स्वीकृति प्रदान करने के बाद ही पैडों को जारी किया जाएगा।

योजना के संदर्भ में जानकारी:

- यह योजना महाराष्ट्र सरकार द्वारा ग्रामीण लड़कियों और महिलाओं को रियायती दरों पर सैनिटरी नैपकिन प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी।
- इस योजना में जिला परिषद स्कूलों में 11 से 19 वर्ष की आयु की किशोरियाँ और ग्रामीण महिलाएं शामिल हैं।
- सरकार ने वर्ष 2018 में सैनिटरी नैपकिन की आवश्यकताओं को निश्चित करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो का अनुसरण किया है।
- सब्सिडी वाले सैनिटरी नैपकिन खरीदने के लिए स्कूली छात्राओं के लिए अस्मिता कार्ड बनाए गए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महिला सशक्तीकरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **विकलांगता खेल केंद्र**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मध्य प्रदेश के ग्वालियर में विकलांगता खेल केंद्र स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

विकलांगता खेल केंद्र

- विकलांगता खेल केंद्र को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत किया जाएगा।
- यह केंद्र खेल गतिविधियों में विकलांग व्यक्तियों की प्रभावी भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए एक बेहतर खेल बुनियादी ढांचा तैयार करेगा और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाएगा।
- यह विकलांग व्यक्तियों के अधिकार (आर.पी.डब्ल्यू.डी.) अधिनियम, 2016 की धारा 30 के तहत शामिल होंगे, जो सरकार को खेल गतिविधियों में विकलांग व्यक्तियों की प्रभावी भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए उपाय करने का अधिकार प्रदान करता है, जो परस्पर उनके लिए खेल गतिविधियों हेतु अवसंरचनात्मक सुविधाओं का प्रावधान शामिल करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>राइस नॉलेज बैंक: एक वेब पोर्टल है।</u>**

- राइस नॉलेज बैंक: एक वेब पोर्टल है, जिसे विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित असम कृषि व्यापार एवं ग्रामीण परिवर्तन (ए.पी.ए.आर.टी.) परियोजना के अंतर्गत लांच किया गया है।
- यह कृषि वेब पोर्टल, चावल उत्पादन तकनीकियों और प्रौद्योगिकियों, सर्वोत्तम उत्पादन अभ्यासों और राज्य कृषि तथ्यों पर ज्ञान को बढ़ाने के लिए समर्पित है।
- यह अनुसंधान और ऑन-फील्ड चावल उत्पादन अभ्यासों के बीच के अंतर को समाप्त करने में मदद करेगी, यह वेबसाइट विशेष रूप से असम में छोटे स्तर के किसानों के लिए व्यावहारिक ज्ञान समाधान प्रदान करने वाली एक डिजिटल विस्तार सेवा है।
- असम राइस नॉलेज बैंक (आर.के.बी.-असम), ए.ए.यू. और आई.आर.आर.आई. से प्राप्त अनुसंधान निष्कर्षों, शिक्षण और मीडिया संसाधनों से प्राप्त ज्ञान के आधार पर चावल उत्पादन तकनीकों, कृषि प्रौद्योगिकियों और सर्वश्रेष्ठ कृषि अभ्यासों को प्रदर्शित करता है।
- यह अनुसंधान प्रयोगशाला से किसान के खेतों तक प्रौद्योगिकियों और ज्ञान के तेज और प्रभावी हस्तांतरण का समर्थन करके कृषि विकास हेतु चुनौतियों का समाधान करने का कार्य करता है।
- भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र (एन.ई.आर.) में, चावल लगभग 85% फसली क्षेत्र में उगाया जाता है और इस प्रकार असम में कल्याण को बढ़ावा देने के लिए चावल की फसल पर निर्भरता अधिक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

9. **<u>गुरुग्राम, विश्व का सबसे प्रदूषित शहर है, 4 अन्य एन.सी.आर. शहर शीर्ष 10 में शामिल हैं: आई.क्यू. एयर विजुअल 2018 विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट</u>**

- भारत का राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एन.सी.आर.) वर्ष 2018 में विश्व के सबसे प्रदूषित क्षेत्र के रूप में उभरा है, एक नई प्रदूषण रिपोर्ट में कहा गया है कि गुरुग्राम के साथ गाजियाबाद, फरीदाबाद, नोएडा और भिवाड़ी भी शीर्ष छह सबसे अधिक प्रभावित शहरों में शामिल हैं।
- यह रिपोर्ट आई.क्यू. एयर विजुअल द्वारा संकलित और विश्लेषित है, यह एक सॉफ्टवेयर कंपनी है जो पूरे विश्व में प्रदूषण पर निगरानी रखती है और ग्रीनपीस, एक पर्यावरणीय एन.जी.ओ. है।
- वायु प्रदूषण से पिछले वर्ष पूरे विश्व में अनुमानित रूप से सात मिलियन लोगो की मृत्यु हुई थी, जब कि इससे विश्व की 225 बिलियन डॉलर की लागत की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई थी।
- यह स्थिति दक्षिण एशिया के लिए तेजी से गंभीर होती जा रही है।
- पिछले वर्ष विश्व के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में से 18 शहर भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के थे।

- इस सूची में दिल्ली को 11वां स्थान प्रदान किया गया है, शीर्ष पांच में केवल एक गैर-भारतीय शहर पाकिस्तान का फैसलाबाद है।
- एक समय, बीजिंग को विश्व का सबसे प्रदूषित शहर माना जाता था, इस शहर ने अपनी वायु की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दिखाया है और यह शहर पिछले वर्ष सूची में 122वें स्थान पर रहा था।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, भारत में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एन.सी.ए.पी.) अन्य चीजों के मध्य डेटा उपलब्धता और पारदर्शिता पर सुधार को दर्शा रहा है जो एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है, जिसने बीजिंग की वायु प्रदूषण के स्तर को कम करने में मदद की थी।
- एन.सी.ए.पी., 10 जनवरी, 2019 को पर्यावरण एवं वन मंत्रालय (एम.ओ.ई.एफ. और सी.सी.) द्वारा शुरू की गई एक रिपोर्ट के रूप में एक कार्यक्रम है।
- एन.सी.ए.पी. का लक्ष्य 102 गैर-प्राप्ति शहरों (वर्ष 2015 तक पुराने आंकड़ों के आधार पर सी.पी.सी.बी., केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पहचाने गए) में वर्ष 2017 के स्तरों की तुलना में वर्ष 2024 तक प्रदूषण स्तर को 20-30% तक कम करना है।

06.03.2019

1. **<u>प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (पी.एम.-एस.वाई.एम.) योजना</u>**

- प्रधानमंत्री ने गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन (पी.एम.-एस.वाई.एम.) योजना की शुरूआत की है।

योजना के संदर्भ में जानकारी:-

- यह असंगठित श्रमिकों के लिए शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र योजना है, जिनकी मासिक आय 15000 रुपये या उससे कम है और जिनके पास आधार संख्या के साथ ही बचत बैंक खाता भी है।
- यह एक स्वैच्छिक और योगदान आधारित योजना है जिसके अंतर्गत ग्राहक को 60 वर्ष की आयु से 3000 रुपये की एक सुनिश्चित न्यूनतम मासिक पेंशन मिलेगी।
- इस योजना में शामिल होने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 40 वर्ष है।
- इस योजना में ग्राहक का योगदान 55 रूपए प्रतिदिन से लेकर 200 रूपए प्रतिदिन तक है, ग्राहक का योगदान उसकी आयु पर निर्भर करता है, जिसकी सीमा 18 वर्ष से लेकर 40 वर्ष तक है।
- इस योजना के अंतर्गत, केंद्र सरकार भी लाभार्थी के पेंशन खाते में समान योगदान देगी।
- इसके अतिरिक्त इस योजना की एक खास विशेषता है कि यदि कोई ग्राहक बीच में योजना छोड़ना चाहता है तो ग्राहक को उसके द्वारा जमा की गई उसकी पूरी धनराशि वापस लौटा दी जाएगी।
- इस योजना को पूरे देश में सामान्य सेवा केंद्रो (सी.एस.सी.) के माध्यम से लागू किया जाएगा।

लाभ

- यह अनुमान है कि असंगठित क्षेत्र के 42 करोड़ मजदूर इस योजना का लाभ उठाएंगे, जो देश के कुल श्रमिकों का लगभग 85% हिस्सा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वूपर्ण योजना

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>अल नागाह 2019- भारत और ओमान के मध्य सैन्य युद्धाभ्यास</u>**

- अल नागाह III युद्धाभ्यास, भारत और ओमान के मध्य द्विपक्षीय संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास की श्रृंखला में तीसरा युद्धाभ्यास है, इसका आयोजन ओमान में जबेल अल अख़दर पर्वत पर किया गया है।
- इस युद्धाभ्यास में अर्द्ध-शहरी पहाड़ी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में अंतर-कार्यकारिता को बढ़ाने के उद्देश्य से दोनो देशों की सेनाएं रणनीति, हथियार व्यवस्थापन और फायरिंग में विशेषज्ञता और अनुभव का विनिमय करेंगी।

- युद्धाभ्यास अल नागाहा III पहले दो संयुक्त युद्धाभ्यासों का अनुसरण करता है जो क्रमश: जनवरी, 2015 में ओमान में और मार्च, 2017 में भारत में आयोजित किए गए थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>राष्ट्रीय वार्षिक ग्रामीण स्वच्छता सर्वेक्षण (एन.ए.आर.एस.एस.) 2018-19</u>**

- यह सर्वेक्षण विश्व बैंक समर्थित परियोजना स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एस.बी.एम.-जी.) के अंतर्गत एक स्वतंत्र सत्यापन संस्था द्वारा आयोजित किया जाता है।

सर्वेक्षण के निष्कर्ष:-

- इस सर्वेक्षण में यह ज्ञात हुआ है कि ग्रामीण भारत में 96.5% परिवार ऐसे हैं जो शौचालय का उपयोग करते हैं।
- इस सर्वेक्षण ने पहले घोषित किए जा चुके और विभिन्न जिलों एवं राज्यों द्वारा ओ.डी.एफ. के रूप में सत्यापित किए जा चुके गांवो के 90.7% गांवों को दिए गए खुले में शौच मुक्त (ओ.डी.एफ.) दर्जे की भी पुन: पुष्टि की है।

संबंधित जानकारी

- सरकार का दावा है कि अक्टूबर, 2014 में स्वच्छ भारत मिशन कार्यक्रम शुरू होने के बाद से 500 मिलियन लोगों ने खुले में शौच करना बंद कर दिया है, इस कार्यक्रम की शुरुआत के समय 550 मिलियन लोग खुले में शौंच करते थे और आज खुले में शौंच करने वालों की संख्या घटकर 50 मिलियन से भी कम रह गई है।
- इस मिशन के अंतर्गत ग्रामीण भारत में 9 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए हैं।
- सरकार के अनुसार, 5 लाख से अधिक गांवों और 615 जिलों को ओ.डी.एफ. का दर्जा दिया गया है और इसके साथ ही 30 ओ.डी.एफ. राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दर्जा दिया जा चुका है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. **<u>राष्ट्रीय ग्रामीण आर्थिक परिवर्तन परियोजना</u>**

- विश्व बैंक और भारत सरकार ने राष्ट्रीय ग्रामीण आर्थिक परिवर्तन परियोजना (एन.आर.ई.टी.पी.) के लिए $ 250 मिलियन के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह परियोजना कृषि और गैर-कृषि उत्पादों के लिए व्यवहार्य उद्यम विकसित करके नई पीढ़ी की आर्थिक पहलों को अपनाने में ग्रामीण परिवारों की महिलाओं की मदद करेगी।
- यह परियोजना संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में महिलाओं के स्वामित्व वाले और महिलाओं के नेतृत्व वाले कृषि एवं गैर-कृषि उद्यमों को बढ़ावा देगी।
- यह व्यवसायों का निर्माण करने में भी उन्हें सक्षम बनाएगी जो वित्त, बाजार और नेटवर्क तक पहुंचने और रोजगार सृजन में उनकी मदद करता हैं।
- एन.ई.आर.टी.पी. अपने व्यक्तिगत और/ या सामूहिक रूप से स्वामित्व वाले और प्रबंधित उद्यमों के निर्माण के लिए स्टार्ट-अप वित्तपोषण विकल्पों सहित वित्त का उपयोग करने के लिए एक मंच बनाकर ग्रामीण गरीब महिलाओं और युवाओं के लिए उद्यम विकास कार्यक्रमों का समर्थन करेगा।
- इसके अतिरिक्त यह दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना के समन्वय में युवा कौशल विकास का भी समर्थन करेगा।
- यह परियोजना वर्तमान में 13 राज्यों में कार्यान्वित की जा रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

5. **<u>सात बैंको पर स्विफ्ट के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया गया है।</u>**

- भारतीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) ने वैश्विक मैसेजिंग मंच स्विफ्ट (SWIFT) से संबंधित विनियामक निर्देशों का पालन नहीं करने के लिए सात वाणिज्यिक बैंकों पर जुर्माना लगाया है।

स्विफ्ट (विश्वव्यापी इंटरबैंक वित्तीय दूरसंचार सोसाइटी)

- स्विफ्ट, एक वैश्विक सदस्यीय-स्वामित्व सहकारी संस्था है जिसका मुख्यालय ब्रुसेल्स, बेल्जियम में स्थित है।

- इसकी स्थापना वर्ष 1973 में 15 देशों के 239 बैंकों के एक समूह द्वारा की गई थी, जिसने सीमा पार से भुगतान की सुविधा के लिए एक सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक संदेश सेवा और सामान्य मानकों को विकसित करने के लिए एक सहकारी उपयोगिता का गठन किया था।
- स्विफ्ट न तो अपने स्वामित्व में निधि रखता है न ही बाहरी ग्राहक खातों का प्रबंधन करता है।
- इसकी मुख्य भूमिका एक सुरक्षित हस्तांतरण प्रणाली प्रदान करना है, जो इस प्रकार है कि यह सिर्फ बैंक A के अतिरिक्त अन्य किसी को नहीं पता है कि बैंक A द्वारा बैंक B को भेजा गया संदेश पहुँच गया है।
- इसके बदले में बैंक B यह जानता है कि बैंक A के अतिरिक्त अन्य कोई भी बैंक मार्ग में इस संदेश को भेज, पढ़ अथवा बदल नहीं सकता है।
- बैंकों को वास्तव में संदेश भेजने से पहले जांचने की आवश्यकता होती है।

संबंधित जानकारी

पी.एन.बी. मामले में क्या हुआ था?

- स्विफ्ट ने बढ़ते साइबर हमलों के खिलाफ लड़ाई में ग्राहकों का समर्थन करने के लिए वर्ष 2016 की शुरुआत में ग्राहक सुरक्षा कार्यक्रम (सी.एस.पी.) की स्थापना की थी।
- पी.एन.बी. मामले में, इसकी सबसे बड़ी विफलताओं में से एक, स्विफ्ट और बैंक के समर्थित सॉफ्टवेयर के मध्य लिंक का गायब हो जाना था।
- इसने एक प्रमुख निकासी उपकरण के फर्जी उपयोग की अनुमति दी कि स्विफ्ट नेटवर्क के माध्यम से दूसरे बैंक को निधि हस्तांतरित करने के लिए समझौता ज्ञापन अथवा ऋण प्रार्थना पत्र भेजना।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

6. **<u>परिवहन एवं विपणन सहायता (टी.एम.ए.) योजना</u>**

- वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने विशिष्ट कृषि उत्पादों के लिए परिवहन एवं विपणन सहायता (टी.एम.ए.) हेतु एक योजना को अधिसूचित किया है।

योजना के संदर्भ में जानकारी:-

- इस योजना का उद्देश्य कृषि उपज के माल और विपणन के अतंर्राष्ट्रीय घटक हेतु सहायता प्रदान करना है, जिससे ट्रांस-शिपमेंट के कारण विशिष्ट कृषि उत्पादों के निर्यात की उच्च लागत के नुकसान को कम करने और विशिष्ट विदेशी बाजार में भारतीय कृषि उत्पादों के लिए ब्रांड पहचान को बढ़ावा देने की संभावना है।
- यह योजना विदेश व्यापार नीति (2015-20) में अनुकूलित रूप से शामिल की जाएगी।
- विदेश व्यापार नीतिके अनुसार संगत निर्यात संवर्धन परिषद के साथ पंजीकृत योग्य कृषि उत्पादों के सभी निर्यातकों को इस योजना में शामिल किया जाएगा।
- सहायता केवल तभी स्वीकार्य होगी यदि निर्यात के लिए किया गया भुगतान सामान्य बैंकिंग चैनलों के माध्यम से निशुल्क विदेशी मुद्रा में प्राप्त किया जाता है।
- यह योजना केवल ई.डी.आई. (इलेक्ट्रॉनिक डाटा विनिमय) बंदरगाहों के माध्यम से किए गए निर्यात के लिए स्वीकार्य होगी।
- इस योजना में हवाई और समुद्री मार्ग (सामान्य और बादबानी माल दोनो) द्वारा निर्यात के लिए माल ढुलाई और विपणन सहायता शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वूपर्ण योजना

स्रोत- टी.ओ.आई

7. **<u>फॉल आर्मीवॉर्म (एफ.ए.डब्ल्यू.) ने 50 से अधिक देशों में फसलों को संक्रमित किया है।</u>**

- एफ.ए.डब्ल्यू. से निपटने और इसे फैलने से रोकने के लिए सरकार किसानों के मध्य जागरूकता पैदा कर रही है और रसायनों का वितरण कर रही है।
- वर्ष 2016 की शुरुआत में, एफ.ए.डब्ल्यू. के उपभेदों को पहली बार नाइजीरिया में देखा गया था।
- एफ.ए.डब्ल्यू. मक्का, बाजरा, गेहूं, आलू, सोयाबीन, लोबिया, मूंगफली, चारा, चावल, गन्ना और सब्जियों और कपास जैसी आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण फसलों को नुकसान पहुंचाता है।

- एफ.ए.डब्ल्यू., जलवायु परिवर्तन के कारण पनपता है। इसका पूरा जीवन चक्र गर्म मौसम के दौरान 30 दिनों में पूरा हो जाता है। ठंडे मौसम के दौरान इसे पनपने में 90 दिन तक का समय लग सकता है।

फ़ॉल आर्मीवॉर्म (एफ.ए.डब्ल्यू.)

- यह एक कीट है जो अमेरिका के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का मूल निवासी है।
- प्राकृतिक नियंत्रण अथवा अच्छे प्रबंधन के अभाव में यह फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।
- एफ.ए.डब्ल्यू. को पहली बार वर्ष 2016 के प्रारंभ में मध्य और पश्चिमी अफ्रीका में पाया गया था और यह शीघ्र ही लगभग संपूर्ण उप-सहारा अफ्रीका में फैल गया था।
- जुलाई, 2018 में भारत और यमन में इसकी पुष्टि की गई थी।

07.03.2019

1. **<u>सरकार ने हानिकारक एवं अन्य अपशिष्ट नियमों में संशोधन किया है।</u>**

- पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने हानिकारक एवं अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन और सीमापार आवागमन) नियमों, 2016 में संशोधन किया है।
- यह देश में हानिकारक अपशिष्ट के पर्यावरणीय रूप से महत्वपूर्ण प्रबंधन के कार्यान्वयन को सशक्त करने में मदद करेगा।

संशोधन नियम, 2019 की मुख्य विशेषताएं

- विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एस.ई.जेड.) सहित देश में और निर्यात उन्मुख इकाईयों (ई.ओ.यू.) द्वारा ठोस प्लास्टिक अपशिष्ट के निर्यात को प्रतिबंधित किया गया है।
- रेशम अपशिष्ट के निर्यातकों को अब एम.ओ.ई.एफ.सी.सी. से अनुमति प्राप्त करने की छूट प्रदान की गई है।
- भारत में निर्मित होने वाले और भारत से निर्यात किए जाने वाले विद्युत और विद्युतीय असेंबली और घटकों में कोई खराबी पाए जाने पर उन्हें निर्यात करने के एक वर्ष के भीतर एम.ओ.ई.एफ.सी.सी.. से अनुमति प्राप्त किए बिना देश में वापस आयातित कराया जा सकता है।
- जिन उद्योगों को जल (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के अंतर्गत सहमति की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अब हानिकारक एवं अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन एवं सीमापार आवागमन) नियमों, 2016 के अंतर्गत प्राधिकृत की आवश्यकता से भी छूट प्रदान की गई है। यह स्पष्ट किया गया है कि ऐसे उद्योगों द्वारा उत्पन्न हानिकारक एवं अन्य अपशिष्ट को प्राधिकृत वास्तविक उपयोगकर्ताओं, अपशिष्ट एकत्रकर्ताओं अथवा निपटान सुविधाओं को सौंप दिए जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>इंदौर को सबसे स्वच्छ शहर, स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2019 प्रदान किया गया है।</u>**

- केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं, ये पुरस्कार एक सर्वेक्षण के आधार पर प्रदान किए जाते हैं जिसके अंतर्गत देश में सभी शहरी स्थानीय निकायों को शामिल किया जाता है।
- यह सर्वेक्षण, विश्व का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण था।

स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार 2019

- इंदौर को केंद्र के स्वच्छता सर्वेक्षण में निरंतर तीसरे वर्ष भारत के सबसे स्वच्छ शहर के रूप में घोषित किया गया है।
- दूसरे और तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ का अंबिकापुर और कर्नाटक का मैसूरु है।
- नई दिल्ली नगरपालिका परिषद को "सबसे स्वच्छ छोटे शहर" 'के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- उत्तराखंड के गौचर को 'सर्वश्रेष्ठ गंगा कस्बा' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

- अहमदाबाद को "सबसे स्वच्छ बड़ा शहर" और रायपुर को "सबसे तेज प्रगति करने वाले बड़े शहर" के रूप में सम्मानित किया गया है।
- मथुरा-वृंदावन को 'सबसे तेज प्रगति करने वाले मध्यम शहरों" के दर्जे से सम्मानित किया गया है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – महत्वूपर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>बुनियादी संयुक्त चिकित्सा प्रयोगशालाओं हेतु गुणवत्ता आश्वासन योजना</u>**

- एन.ए.बी.एल. ने बुनियादी संयुक्त (बी.सी.) चिकित्सा प्रयोगशालाओं हेतु गुणवत्ता आश्वासन योजना (क्यू.ए.एस.) नामक एक स्वैच्छिक योजना की शुरूआत की है।

योजना के संदर्भ में जानकारी:-

- यह योजना भारत की स्वास्थ्य प्रणाली के आधारीय स्तर में गुणवत्ता लाने में मदद करेगी जहां प्रयोगशालाएं अपनी संपूर्ण प्रक्रियाओं में गुणवत्ता की अनिवार्यता का पालन करती हैं।
- केवल रक्त ग्लूकोज, ब्लड काउंट, सामान्य संक्रमण हेतु शीघ्र परीक्षण, यकृत और गुर्दे के कार्य परीक्षण और मूत्र के नियमित परीक्षण जैसे बुनियादी नियमित परीक्षण करने वाली प्रयोगशालाएं ही इस योजना के अंतर्गत आवेदन करने के लिए पात्र होंगी।
- सफल प्रयोगशालाओं को एन.ए.बी.एल. द्वारा क्यू.ए.एस. बी.सी. योजना के अनुपालन का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।
- और उन्हें निर्धारित समय सीमा के लिए बुनियादी मानक की पुष्टि के चिन्ह के रूप में विशिष्ट प्रतीक का प्रयोग करने की अनुमति प्रदान की जाएगी, जिसके पहले उन्हें आई.एस.ओ. 15189 के अनुसार पूर्ण मान्यता के लिए परिवर्तन काल से गुजरना होगा।

लाभ

- यह उन राज्यों में निदान के क्षेत्र को व्यवस्थित करने में मदद करेगा जहां नैदानिक स्थापना अधिनियम लागू किया गया है।
- यह योजना नागरिकों के बहुतायत के लिए, विशेष रूप से गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले लोगों को गुणवत्तापूर्ण निदान की पहुँच प्रदान करके गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल हेतु सार्वभौमिक पहुंच की आयुष्मान भारत योजना के प्रयोजन को बढ़ावा देगा।

राष्ट्रीय परीक्षण एंव मापंकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.)

- यह भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू.सी.आई.) का एक घटक बोर्ड है।
- एन.ए.बी.एल., चिकित्सा एवं मापंकन प्रयोगशालाओं सहित परीक्षण की मान्यता हेतु अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला प्रत्यायन सह-संचालन (आई.एल.ए.सी.) और एशिया प्रशांत प्रत्यायन सह-संचालन (ए.पी.ए.सी.) जैसे अंतर्राष्ट्रीय निकायों के लिए पारस्परिक मान्यता प्रबंध हस्ताक्षरकर्ता (एम.आर.ए.) है।
- इस प्रकार पूरे विश्व में 80 से अधिक अर्थव्यवस्थाओं में एन.ए.बी.एल. मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला परिणाम स्वीकार किए जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>वार्षिक संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट ने नाइट्रोजन प्रदूषण से उत्पन्न खतरों को मान्यता प्रदान की है।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा प्रकाशित वार्षिक सीमांत रिपोर्ट 2019 ने अपने नवीनतम संस्करण में नाइट्रोजन प्रदूषण पर एक अध्याय को शामिल किया है।
- यह रिपोर्ट मार्च, 2019 को नैरोबी में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (यू.एन.ई.ए.) द्वारा जारी की गई है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- पशुधन, कृषि, परिवहन, उद्योग और ऊर्जा क्षेत्र की बढ़ती मांग के कारण हमारे पारिस्थितिक तंत्र में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन- अमोनिया, नाइट्रेट, नाइट्रिक ऑक्साइड (NO), नाइट्रस ऑक्साइड (N2O) के स्तर में तेज वृद्धि हुई है।

- ग्रीन हाउस गैस के रूप में कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) की तुलना में N_2O, 300 गुना अधिक शक्तिशाली है।
- कृषि क्षेत्र में उर्वरकों के रूप में नाइट्रोजन का अत्यधिक उपयोग करने से और अन्य क्षेत्रों ने इसके अधिक प्रयोग ने इस तत्व को वरदान की तुलना में श्राप तत्व बना दिया है।
- उर्वरकों के माध्यम से चावल और गेहूं पर प्रयोग किए जाने वाले नाइट्रोजन का केवल 33 प्रतिशत हिस्सा पौधों द्वारा नाइट्रेट्स (NO_3) के रूप में ग्रहण किया जाता है। इसे नाइट्रोजन प्रयोग दक्षता अथवा एन.यू.ई. कहा जाता है।

नाइट्रोजन प्रदूषण

- अमोनिया (NH_3) और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO_2) जैसी प्रदूषक गैसें रासायनिक उर्वरकों, पशुधन खाद, जीवाश्म ईंधनों के जलने से उत्पन्न होती हैं और यह वायु प्रदूषण, जैव विविधता हानि, नदियों और समुद्रों के प्रदूषण, ओजोन क्षरण, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आजीविका से संबंधित होती है।
- अमोनिया और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी गैसें श्वसन और हृदय रोगियों की स्थिति को गंभीर कर सकती हैं।
- नाइट्रस ऑक्साइड, एक ग्रीनहाउस गैस है जो ओजोन परत का क्षय करती है।
- रासायनिक उर्वरकों, खाद और उद्योग प्रदूषक नदियों और समुद्रों को प्रदूषित करते हैं, जो मनुष्यों, मछलियों, प्रवाल और पौधों के जीवन के प्रति स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

5. **<u>पृथ्वी संग्रहालय</u>**

- भारत भूवैज्ञानिक और जीवाश्मिक नमूनों के एक विशाल खजाने का घर है जिसमें ग्रह और इसके इतिहास के संदर्भ में वैज्ञानिक जानकारी का खजाना है, अत: इन्हें संरक्षित करने के लिए सरकार पृथ्वी संग्रहालय बनाने की योजना बना रही है।

संग्रहालय की विशेषताएं

- इस संग्रहालय को अमेरिकी प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय अथवा अमेरिका में स्थित स्मिथसोनियन संग्रहालय की तर्ज पर बनाया जाएगा।
- इस संग्रहालय को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के रूप में दिल्ली, नोएडा या गुरुग्राम में कहीं स्थापित किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

- भारत का एक समृद्ध भूवैज्ञानिक इतिहास है और लगभग 150 मिलियन वर्ष पहले गोंडवानालैंड महाद्वीप के टूटने के समय के जीवाश्मों का तिथि-निर्धारण शामिल है।
- प्रमुख जीवाश्मों में विलुप्त वानर के जबड़े, विशालकाय ऑपिथेकस बिलासपुरेंसी, तोप के गोलों की जगह गलती से प्रयोग किए जाने वाले डायनासोर के अंडे, एक सींग वाले मांसाहारी के कंकाल, राजासोरस नर्मदेंसिस या शाही नर्मदा डायनासोर शामिल हैं।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>इसरो और फ्रांसीसी संस्था ने समुद्री सुरक्षा पर समझौता किया है।</u>**

- इसरो और उसके फ्रांसीसी समकक्ष सी.एन.ई.एस. ने देश में एक संयुक्त समुद्री निगरानी प्रणाली स्थापित करने हेतु एक समझौता किया है।
- दोनों राष्ट्र निम्न-पृथ्वी कक्षा की परिक्रमा करने वाले उपग्रहों के एक तारा मंडल का पता लगाएंगे जो वैश्विक स्तर पर जहाजों की आवाजाही की पहचान करेगा और उनकी निगरानी करेगा और यह विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र में घूमने वाले जहाजों की पहचान और निगरानी करेगा, जहां फ्रांस का अपना सम्मिलन द्वीप हैं।
- दोनों संस्थाओं ने दो जलवायु और महासागरीय मौसम निगरानी उपग्रहों मेघा-ट्रॉपिक (वर्ष 2011 में) और सरल-अल्टिका (वर्ष 2013 में) स्थापित किए हैं, जिन्हें एक मॉडल के रूप में माना जाता है।

- इसके अतिरिक्त ये वर्ष 2020 में ओसियनसैट-3-अर्गोस मिशन के लॉन्च के साथ-साथ एक संयुक्त अवरक्त पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह के साथ संवर्धित किए जाएंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>एच.आर.डी. मंत्रालय ने विज्ञान परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु 250 करोड़ रुपये की योजना 'स्टार्स' की शुरूआत की है।</u>**

- एच.आर.डी. मंत्रालय ने विज्ञान परियोजनाओं के वित्तपोषण हेतु स्टार्स (STARS)- विज्ञान में अनुवाद संबंधी एवं उन्नत अनुसंधान योजना की शुरूआत की है।
- मंत्रालय ने इस योजना के लिए 250 करोड़ रुपये की निधि को मंजूरी प्रदान की है।
- इन निधियों का उपयोग लगभग 500 विज्ञान परियोजनाओं को प्रायोजित करने के लिए किया जाएगा।
- इन परियोजनाओं का चयन प्रतियोगिताओं के आधार पर किया जाएगा।
- इस परियोजना का समन्वय भारतीय विज्ञान संस्थान (आई.आई.एससी.), बैंगलोर द्वारा किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

श्रेयस (SHREYAS) – उच्च शिक्षा युवा हेतु अप्रेंटिसशिप एवं कौशल योजना

- एच.आर.डी. मंत्रालय ने राष्ट्रीय कौशल मंत्रालय और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के सहयोग से गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों को सशक्त बनाने हेतु **श्रेयस (SHREYAS)- उच्च शिक्षा युवा हेतु अप्रेंटिसशिप एवं कौशल योजना** की शुरूआत की है।
- श्रेयस, नियोजनीय कौशल को अपने शिक्षण में प्रस्तावित करने के दृष्टिकोण से डिग्री पाठ्यक्रमों में मुख्य रूप से गैर-तकनीकी पाठ्यक्रमों में छात्रों के लिए विचार किया गया एक कार्यक्रम है, जो शिक्षा में अप्रेंटिसशिप को अनिवार्य रूप से बढ़ावा देता है और इसके अतिरिक्त शिक्षा प्रणाली में सरकार के रोजगार सुविधा प्रदान करने वाले प्रयासों को भी मिश्रित करता है।

टॉपिक- जी.एस.-2-सरकारी योजनाएं

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>सी.सी.आर. 5-डेल्टा 32: दुर्लभ उत्परिवर्तन जो एच.आई.वी. को रोकने में मदद कर सकता है।</u>**

- हाल ही में, लंदन में एच.आई.वी. से पीड़ित एक व्यक्ति का इलाज किया गया है जिसे लंदन पेशेंट कहा जाता है और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के बाद एच.आई.वी; वायरस से मुक्त होने वाला दूसरा व्यक्ति बन गया है।
- उसका सी.सी.आर.5-डेल्टा 32 तकनीक से इलाज किया गया है, जो सी.सी.आर.5- डेल्टा 32 समयुग्मक दाता कोशिकाओं सहित एक स्टेम सेल प्रत्यारोपण पर आधारित है।

संबंधित जानकारी

- टिमोथी रे ब्राउन को एच.आई.वी. से ठीक होने वाला पहला व्यक्ति माना जाता है।
- इसका बर्लिन में इलाज किया गया था और उनकी पहचान बनाए रखने के लिए बाद में उसे "द बर्लिन पेशेंट" के रूप में जाना जाने लगा था।

ये तकनीकें किस प्रकार काम करती हैं?

- सी.सी.आर.5-डेल्टा 32 दरवाजे को बंद कर देता जो एच.आई.वी. को कोशिका में प्रवेश करने से रोकता है।
- सरल शब्दों में, एच.आई.वी. प्रतिरक्षा कोशिकाओं में प्रवेश करने के लिए सी.सी.आर.5 प्रोटीन का उपयोग करता है, लेकिन डेल्टा 32 उत्परिवर्तन को ले जाने वाली कोशिकाओं पर निर्भर नहीं करता हैं।
- प्रत्यारोपित प्रतिरक्षा कोशिकाएं अब एच.आई.वी. के लिए प्रतिरोधी हैं।
- वे उन्हें कमजोर कोशिकाओं से पूर्णतया प्रतिस्थापित करना चाहते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

08.03.2019

1. **<u>डब्ल्यू.एच.ओ. ने 'व्यापक सुधारों' की घोषणा की है।</u>**

- डब्ल्यू.एच.ओ. ने स्वयं को "आधुनिक और सशक्त बनाने" हेतु "व्यापक सुधारों" की घोषणा की है।
- संयुक्त राष्ट्र संस्था ने पिछले आधे दशक से अपनी रणनीतिक योजना के मुख्य "ट्रिपल-बिलियन लक्ष्य" को प्राप्त करने के लिए सात-सूत्री एजेंडा रखा है।
- सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्था का कहना है कि वह अपनी "प्रक्रियाओं और संरचनाओं" को ट्रिपल-बिलियन लक्ष्यों के साथ संरेखित करेगी:

1. सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से एक अरब और अधिक लोग लाभान्वित होंगे
2. एक अरब और अधिक लोग स्वास्थ्य आपात स्थितियों से बेहतर रूप से संरक्षित होंगे
3. एक अरब और अधिक लोग बेहतर स्वास्थ्य और कल्याण का आनंद लेंगे

- इसका नया ढांचा और संचालन मॉडल, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य- एस.डी.जी.-3 के साथ भी संरेखित होगा जो कि अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण एजेंडा है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. में अब चार संरचनात्मक स्तंभ होंगे:

1. कार्यक्रम- सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और स्वस्थ आबादी को पुन: प्राप्त करने हेतु
2. आपातकाल- गंभीर स्वास्थ्य सुरक्षा हेतु (संकट के समय प्रतिक्रिया देने और देश को तैयार करने में मदद करने हेतु)
3. बाह्य संबंध और शासन- संसाधन संग्रहण और संचार को केंद्रीकृत और सामंजस्य को समरूप करने हेतु
4. व्यवसाय संचालन- बजट, वित्त, मानव संसाधन और आपूर्ति श्रृंखला के अधिक "व्यावसायिक" वितरण को सुनिश्चित करने हेतु

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.)

- इसकी स्थापना 7 अप्रैल, 1948 को हुई थी, इसके गठन के बाद विश्व स्वास्थ्य सभा की पहली बैठक में वर्ष 1946 में 61 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे।
- इसका मुख्यालय जिनेवा में स्थित है।
- इसके छह क्षेत्रीय कार्यालय हैं और वर्तमान में इसके सदस्यों की संख्या 194 है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संस्थान

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>मंत्रिमंडल ने बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं के लिए नवीकरणीय दर्जे को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- नई नीति के अनुसार, बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को भी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के रूप में नामित किया जाएगा।
- अब तक केवल 25 मेगावाट से कम क्षमता की छोटी परियोजनाओं को ही नवीकरणीय ऊर्जा के रूप में वर्गीकृत किया जाता था।
- इस विशिष्टता के हटाए जाने के साथ ही बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं को गैर-सौर नवीकरणीय खरीद दायित्व नीति के अंतर्गत एक अलग श्रेणी के रूप में शामिल किया जाएगा।
- इस नीति के अंतर्गत, बिजली खरीददारों को बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं से बिजली के एक हिस्से का स्रोत बनाना होगा।
- नई नीति ने जलविद्युत परियोजनाओं के लिए ऋण के पुनर्भुगतान की अवधि को मौजूदा 12 वर्षों से बढ़ाकर 18 वर्ष कर दिया है, जिसमें 2% की वृद्धि दर लागू करने का प्रावधान है।

संबंधित जानकारी

- यह वर्ष 2022 तक सौर और पवन जैसे शक्ति के दुर्बल स्रोतों से 160 गीगावॉट क्षमता के अतिरिक्त एक स्थिर ग्रिड प्रदान करेगा।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>सरकार ने कपड़ा क्षेत्र को केंद्रीय, राज्य सम्मिलित करों से छूट प्रदान करने की योजना को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परिधान और कृत्रिम कपड़ा क्षेत्रों को सभी राज्य और केंद्रीय सम्मिलित करों से छूट प्रदान करने की योजना को मंजूरी प्रदान की है, जो शिपमेंट को शून्य-स्तरीय बना देगा, इस प्रकार यह निर्यात बाजार में देश की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगा।
- इस निर्णय की आवश्यकता, परिधान और कृत्रिम हेतु प्रोत्साहन के रूप में थी और भारत योजना से व्यापार निर्यात (एम.ई.आई.एस.) के अंतर्गत प्रोत्साहन के लिए डब्ल्यू.टी.ओ. अनुकूल नहीं थे।
- एम.ई.आई.एस. योजना 4 प्रतिशत समर्थन की पेशकश करती है जो 31 दिसंबर से आगे उपलब्ध नहीं था।
- 31 मार्च, 2020 तक बढ़ाई गई छूट से परिधान और कृत्रिम निर्माताओं/ निर्यातकों को बहुत लाभ होगा।
- कुल भारतीय कपड़ा निर्यात टोकरी में 55 प्रतिशत (लगभग 21 बिलियन अमरीकी डालर) भाग परिधान और कृत्रिम वस्त्रों का हिस्सा है।
- वर्तमान में, राज्य करों से छूट (आरओएस.एल.) कपड़ा निर्यातकों को प्रदान की जाती है, जो राज्यों द्वारा स्टाम्प शुल्क, पेट्रोलियम कर, बिजली शुल्क और मंडी कर जैसे निर्यातों में लगाए गए अप्रत्यक्ष करों को समायोजित करने के लिए हैं।
- आरओ.एस.एल. को कपड़ों और कृत्रिम हेतु ऊपर की ओर संशोधित किया जा रहा है और जी.एस.टी. के दायरे के बाहर केंद्रीय रूप से सम्मिलित करों को भी योजना में जोड़ा गया है, जो परिधान और कृत्रिम के लिए एम.ई.आई.एस. के अंतर्गत "समायोजन से अधिक" प्रोत्साहन उपलब्ध नहीं होगा।

नोट: कपड़ों के कृत्रिम क्षेत्र में बेड शीट, कंबल और पर्दे जैसे उत्पाद शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>मंत्रिमंडल ने अटल नवाचार मिशन को जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2019-20 तक अटल नवाचार मिशन (ए.आई.एम.) को जारी रखने की मंजूरी प्रदान की है।

अटल नवाचार मिशन (ए.आई.एम.)

- यह मिशन नीति आयोग के अंतर्गत शुरू किया गया है।
- ए.आई.एम. में स्व-रोजगार एवं प्रतिभा उपयोगिता (सेतु) शामिल है, जो स्कूल, विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थानों, एम.एसस.एम.ई और उद्योग स्तर पर नवाचार और उद्यमशीलता के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दने हेतु भारत सरकार द्वारा किया गया एक प्रयास है।
- इसका उद्देश्य विशेष रूप से प्रौद्योगिकी संचालित क्षेत्रों में विश्व स्तरीय नवाचार केंद्रो, बड़ी चुनौतियों, स्टार्ट-अप व्यवसायों और अन्य स्व-रोजगार गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना है।
- हजारों स्कूलों में अत्याधुनिक अटल टिंकरिंग प्रयोगशालाओं (ए.टी.एल.) की स्थापना की जा रही है, विश्वविद्यालयों और उद्योगों के लिए विश्वस्तरीय अटल उष्मायन केंद्र (ए.आई.सी.) और अटल समुदाय नवाचार केंद्र (ए.सी.आई.सी.) स्थापित किए जा रहे हैं।
- राष्ट्रीय प्रासंगिकता एवं सामाजिक महत्व के क्षेत्रों में उत्पाद विकास का संवर्धन अटल न्यू इंडिया चैलेंजेस (ए.एन.आई.सी.) के माध्यम से समर्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>बाढ़ प्रबंधन एवं सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफ.एम.बी.ए.पी.)</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूरे देश में बाढ़ प्रबंधन कार्यों और नदी प्रबंधन गतिविधियों और सीमा क्षेत्रों से संबंधित कार्यों के लिए “एफ.एम.बी.ए.पी.” को वर्ष 2017-18 से वर्ष 2019-20 की अवधि तक मंजूरी प्रदान की है।

मुख्य विशेषताएं

- "एफ.एम.बी.ए.पी." योजना को "बाढ़ प्रबंधन कार्यक्रम (एफ.एम.पी.)" और "नदी प्रबंधन गतिविधियों और सीमा क्षेत्रों (एम.बी.ए.) से संबंधित कार्यों" नामक वर्तमान में चल रही दो 12वीं पंचवर्षीय योजनाओं के घटकों का विलय करके बनाया गया है।
- योजना का उद्देश्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक उपायों के इष्टतम संयोजन को अपनाकर और संबंधित क्षेत्रों में राज्य/ केंद्र सरकार के अधिकारियों की क्षमताओं को बढ़ाकर बाढ़ से उचित स्तर की सुरक्षा प्रदान करने के लिए राज्य सरकारों की सहायता करना है।
- इस योजना के अंतर्गत किया गया कार्य, बहुमूल्य भूमि को अपरदन और बाढ़ से बचाएगा और सीमा पर शांति बनाए रखने में मदद करेगा।
- इस योजना का उद्देश्य एफ.एम.पी. के अंतर्गत पहले से स्वीकृत वर्तमान में चल रही परियोजनाओं को पूरा करना है।
- इसके अतिरिक्त, यह योजना पड़ोसी देशों के साथ सामान्य नदियों पर जल-मौसम संबंधी अवलोकनों और बाढ़ पूर्वानुमान की भविष्यवाणी को भी पूरा करती है।
- इस योजना में नेपाल में पंचेश्वर बहुउद्देशीय परियोजना, सप्त कोसी-सूर्य कोसी परियोजना जैसे पड़ोसी देशों के साथ सामान्य नदियों पर जल संसाधन परियोजनाओं का सर्वेक्षण और जांच, डी.पी.आर. तैयार करना आदि शामिल है जो दोनों देशों को लाभान्वित करेगा।

लाभ

- एफ.एम.बी.ए.पी. योजना को प्रभावी बाढ़ प्रबंधन, अपरदन नियंत्रण और समुद्र विरोधी अपरदन के लिए पूरे देश में लागू किया जाएगा।
- जलग्रहण क्षेत्र उपचार कार्यों से नदियों में तलछट भार को कम करने में मदद मिलेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – आपदा प्रबंधन

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>गूगल ने भारत में बच्चों की पढ़ने, समझने के कौशल में मदद करने हेतु "बोलो ऐप" लॉन्च किया है।</u>**

- गूगल इंडिया ने बोलो ऐप का अनावरण किया है, जो छात्रों के और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के पढ़ने और समझने के कौशल को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- बोलो में "दिया" नामक एक पढ़ाने का साथी अंतर्निहित है। जिसका प्राथमिक कार्य उपयोगकर्ताओं को प्रोत्साहित करना, सहायता करना, समझाना और सही जानकारी प्रदान करना है, जैसे कि वे तेज आवाज में पढ़ते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

7. **<u>शिक्षक, ग्रेच्युटी के हकदार हैं।</u>**

- सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में बदलाव किया है और कहा है कि शिक्षक, ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम के अंतर्गत ग्रेच्युटी का दावा करने के हकदार थे।

पृष्ठभूमि

- अदालत ने अदालत के 7 जनवरी के फैसले को लागू करने से रोक दिया था जो गलत तरीके से जारी किया गया था कि ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 के अंतर्गत एक शिक्षक 'कर्मचारी' नहीं है।
- इस संशोधन का वर्ष 1997 से पहले पूर्वव्यापी प्रभाव था।

ग्रेच्युटी भुगतान विधेयक 2018

ग्रैच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972 में किए गए प्रमुख संशोधन ग्रेच्युटी भुगतान बिल, 2018 में प्रस्तुत किए गए हैं:

- ग्रेच्युटी भुगतान (संशोधन) विधेयक, 2018 सरकार के अंतर्गत निजी क्षेत्र और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/ स्वायत्त संगठनों में उन कर्मचारियों के मध्य सामंजस्य सुनिश्चित करता है जो सी.सी.एस. (पेंशन) नियमों के अंतर्गत शामिल नहीं हैं।

- ये कर्मचारी सरकारी क्षेत्र में अपने समकक्षों के साथ अधिकतम ग्रेच्युटी प्राप्त करने के हकदार होंगे।
- यह विधेयक सातवें केंद्रीय वेतन आयोग के कार्यान्वयन की तर्ज पर औपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए 20 लाख रूप तक की ग्रेच्युटी को कर मुक्त करता है।
- इसके पहले औपचारिक क्षेत्र के कर्मचारी नौकरी छोड़ने या सेवानिवृत्ति होने के बाद 10 लाख रुपये की कर-मुक्त ग्रेच्युटी के पात्र थे।
- संशोधन विधेयक के लागू होने के बाद, सरकार भविष्य में ग्रेच्युटी राशि में वृद्धि करने के लिए 20 लाख रूपए की सीमा को बढ़ा सकती है और तब कानून में बदलाव किए बिना अपनी आवश्यक्ता को बढ़ाया जा सकता है।
- यह विधेयक 'बारह सप्ताह' से मातृत्व अवकाश पर महिला कर्मचारी के मामले में ग्रेच्युटी के संदर्भ में निरंतर सेवा की गणना के संबंध में प्रावधानों को संशोधित करने की परिकल्पना करता है, ऐसी समयावधियों के लिए केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाता है।

ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972

- ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, भारतीय संसद द्वारा 21 अगस्त, 1972 को पारित किया गया था।
- धारा 4 के अंतर्गत, ग्रेच्युटी का भुगतान अनिवार्य है।
- ग्रेच्युटी स्कीम आधार प्रदान करने वाला सामान्य सिद्धांत यह है कि एक लंबी अवधि तक सेवा करने के बाद कर्मचारी सेवानिवृत्त लाभ के रूप में निश्चित धनराशि का दावा करने का हकदार होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सामाजिक सुरक्षा

स्रोत- द हिंदू

8. **भारत और रूस ने परमाणु पनडुब्बी पर एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।**

- भारत ने भारतीय नौसेना के लिए 10 वर्षों की अवधि के लिए परमाणु ऊर्जा से चलने वाली लड़ाकू पनडुब्बी को पट्टे पर लेने के लिए रूस के साथ समझौता किया है।
- इस संधि के अंतर्गत, रूस को भारतीय नौसेना को वर्ष 2025 तक के लिए अकुला श्रेणी की पनडुब्बी वितरित करनी होगी, जिसे चक्र III के रूप में जाना जाएगा।
- यह नौसेना को पट्टे पर दी जाने वाली तीसरी रूसी पनडुब्बी होगी।

संबंधित जानकारी

- इसके पहले भारत ने रूस से 10 वर्षों की अवधि के लिए पहले अकुला-।। श्रेणी की परमाणु हमला पनडुब्बी (एस.एस.एन.) को पट्टे पर लिया था।
- अकुला श्रेणी की पनडुब्बियों को सेवा में सबसे शांत एस.एस.एन. में से एक के रूप में जाना जाता है।
- ये 35 नॉट तक की गति से नौकायन करने में सक्षम हैं।
- वे परमाणु ऊर्जा से संचालित हैं लेकिन पारंपरिक भूमि हमलावर मिसाइलों से सुसज्जित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- द हिंदू

9. **एस्ट्रोसैट ने गोलाकार क्लस्टर एन.जी.सी. 2808 में सितारों के एक नए समूह की खोज की है।**

- इस नए क्लस्टर की खोज पराबैंगनी इमेजिंग दूरदर्शी (यू.वी.आई.टी.) का प्रयोग करने वाले एस्ट्रोसैट पर यात्रा कर रहे शोधकर्ताओं के दल द्वारा की गई थी।
- गोलाकार क्लस्टर्स हजारों से लाखों तारों का संग्रह होता है, जो एक इकाई के रूप में घूमता है।
- ये तारें स्वयं क्लस्टर के गुरुत्वाकर्षण द्वारा एक साथ मजबूती से बंधे होते हैं और ऐसा माना जाता है कि यह लगभग एक ही समय में एक साथ बनते हैं।
- एन.जी.सी. 2808 हमें ज्ञात सबसे विशाल गोलाकार क्लस्टरों में से एक है और यह हमसे 47,000 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है।
- एन.जी.सी. 2808 विशेष है क्यों कि प्रकाशीय अवलोकन हमें बताते हैं कि इसमें सितारों की कम से कम पांच भिन्न आबादी हो सकती हैं।

एस्ट्रोसैट

- एस्ट्रोसैट, भारत का पहला समर्पित बहु-तरंगद्धैर्य अंतरिक्ष वेधशाला है।
- यह वैज्ञानिक उपग्रह मिशन, हमारे ब्रह्मांड की अधिक विस्तृत समझ के लिए प्रयास करता है।
- एस्ट्रोसैट मिशन की एक अनूठी विशेषता यह है कि एक ही उपग्रह के साथ विभिन्न खगोलीय पिंडों के एक साथ बहु-तरंग दैर्ध्य अवलोकनों को सक्षम बनाता है।
- एस्ट्रोसैट, विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम के प्रकाशीय पराबैंगनी, निम्न और उच्च ऊर्जा एक्स-रे क्षेत्रों में ब्रह्मांड का अवलोकन करता है, जब कि अधिकांश अन्य वैज्ञानिक उपग्रह तरंग दैर्ध्य बैंड की एक संकीर्ण श्रृंखला का अवलोकन करने में सक्षम हैं।
- 1513 किग्रा के लिफ्ट-ऑफ भार के साथ एस्ट्रोसैट को पी.एस.एल.वी.-सी. 30 द्वारा भूमध्य रेखा से 6 डिग्री के कोण पर झुकी हुई 650 कि.मी. की कक्षा में लॉन्च किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

10. **<u>मलेशिया, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में शामिल हुआ है।</u>**

- मलेशिया, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आई.सी.सी.) का 124 वां सदस्य बन गया है।

संबंधित जानकारी

अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय

- यह नरसंहार, मानवता के विरूद्ध अपराधों और युद्धक अपराधों के लिए व्यक्तियों को सजा देने वाला एक मात्रा स्थायी अंतरराष्ट्रीय न्यायिक निकाय है।
- यह न्यायालय पूरी तरह से स्वतंत्र है जिसकी स्थापना अंतर्राष्ट्रीय संधि, रोम संविधि द्वारा की गई थी।
- और यह केवल अपनी स्थापना की तिथि अर्थात वर्ष 2002 से घटित हुए अपराधों पर मुकदमा चला सकता है।
- यह हेग, नीदरलैंड में स्थित है।

11.03.2019

1. **<u>मध्य प्रदेश: प्राचीन जनजातीय भाषा, गोंडी को जनजातीय जिलों में पढ़ाया जाएगा।</u>**

- मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि गोंडी भाषा को राज्य के जनजातीय बाहुल्य जिलों के प्राथमिक शिक्षा पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा।
- इस जनजातीय भाषा का दर्जा, इस भाषा को बोलने वाले लोगो की संख्या के साथ बहुत तेज़ी से घट रहा है।

संबंधित जानकारी

गोंड जनजाति

- गोंडी या गोंड लोग अनुसूचित जनजाति के रूप में सूचीबद्ध भारत के आदिवासी (स्वदेशी लोग) हैं।
- वे मध्य प्रदेश, पूर्वी महाराष्ट्र (विदर्भ), छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, बिहार और उड़ीसा राज्यों में फैले हुए हैं।

नोट: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने निर्णय लिया है कि अंतर्राष्ट्रीय वैश्विक स्वदेशी व्यक्ति दिवस प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- ए.आई.आर.

2. **<u>भारत कूलिंग एक्शन प्लान (आई.सी.ए.पी.)</u>**

- आई.सी.ए.पी. का व्यापक लक्ष्य समाज के लिए पर्यावरणीय और सामाजिक-आर्थिक लाभों को प्राप्त करते हुए सभी के लिए स्थायी शीतलन एवं उष्मीय सुविधा प्रदान करना है।
- यह 20 साल की समय सीमा के साथ ऊर्जा दक्षता और बेहतर प्रौद्योगिकी विकल्पों को बढ़ावा देते हुए सभी क्षेत्रों में सतत शीतलन के प्रति एकीकृत दृष्टिकोण प्रदान करता है, इन क्षेत्रों में ठंडक की मांग में कमी, शीतलन संक्रमण को पारस्परिक रूप से शामिल किया गया है।
- भारत कूलिंग एक्शन में शामिल है:

1. वर्ष 2037-38 तक इन सभी क्षेत्रों शीतलन की मांग को 20% से 25% तक कम करना
2. वर्ष 2037-38 तक रेफ्रीजिरेंट की मांग को 25% से 30% तक कम करना

3. वर्ष 2037-38 तक शीतलन ऊर्जा आवश्यकताओं को 25% से 40% तक कम करना
4. राष्ट्रीय एस. एंड टी. कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसंधान के एक व्यापक क्षेत्र के रूप में "शीतलन एवं संबंधित क्षेत्रों" की पहचान करना,
5. कौशल भारत मिशन के साथ तालमेल करते हुए वर्ष 2022-23 तक 100,000 सेवा क्षेत्र तकनीशियनों का प्रशिक्षण और प्रमाणन करना

पर्यावरणीय लाभ

- सभी के लिए उष्मीय सुविधा- ई.डब्ल्यू.एस. और एल.आई.जी. आवास के लिए शीतलन का प्रावधान
- स्थायी शीतलन- शीतलन से संबंधित निम्न जी.एच.जी. उत्सर्जन
- किसानों की आय दोगुनी करना- शीतलन श्रृंखला ढांचे को बेहतर बनाना- किसानों को उत्पादों का बेहतर मूल्य देना और उपज का कम अपव्यय करना
- बेहतर आजीविका एवं पर्यावरणीय संरक्षण के लिए कुशल कर्मचारी
- मेक इन इंडिया- एयर-कंडीशनिंग और संबंधित शीतलन उपकरणों का स्वदेशी विनिर्माण
- वैकल्पिक शीतलन प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान और विकास को मजबूती प्रदान करना- शीतलन क्षेत्र में नवाचार को गति प्रदान करने हेतु

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>आदर्श आचार संहिता</u>**

- 17वीं लोकसभा के चुनाव 11 अप्रैल से 19 मई तक पूरे देश में सात चरणों में आयोजित किए जाएंगे।

आदर्श आचार संहिता क्या है?

- आदर्श आचार संहिता, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावों के दौरान मुख्य रूप से भाषण, मतदान दिवस, मतदान केंद्र, चुनाव घोषणापत्र, जुलूस और सामान्य आचरण के संदर्भ में राजनीतिक दलों और उनके प्रत्याशियों के आचरण को विनियमित करने के लिए जारी किए गए दिशानिर्देशों का एक समूह है।
- इसका उद्देश्य स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है।
- आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करने के तुरंत बाद आदर्श आचार संहिता लागू हो जाती है।
- चुनाव आयोग ने ऐसी घोषणा की है कि आदर्श आचार संहिता उन राज्यों में तुरंत लागू हो जाती है जहां समय से पहले विधानसभा को भंग कर दिया जाता है।
- चुनावों के परिणाम घोषित होने तक आचार संहिता लागू रहती है।

पृष्ठभूमि

- आयोग ने पहली बार वर्ष 1971 (5वें चुनाव) में आचार संहिता जारी की थी और इसे समय-समय पर संशोधित किया जाता रहा है।
- उक्त कोड में सन्निहित सिद्धांतों का पालन करने वाले राजनीतिक दलों की सर्वसम्मति के साथ ही मानदंडो का यह समूह विकसित किया गया है और यह उन्हें अपने पत्र और आत्मा में इसका सम्मान और निरीक्षण करने के लिए भी बाध्य करता है।

कानूनी दर्जा

- इस संहिता का कोई विशिष्ट संवैधानिक आधार नहीं है।
- एम.सी.सी. कानून द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है।
- हालांकि, भारतीय दंड संहिता, 1860, अपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 जैसे अन्य कानूनों में संगत प्रावधानों को शामिल करने के माध्यम से एम.सी.सी. के निश्चित प्रावधानों को लागू किया जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>नासा ने पहली बार पराध्वनिक शॉक तरंगो की हवा से हवा में तस्वीरें खींची हैं।</u>**

- नासा ने दो पराध्वनिक विमानों से निकलने वाली शॉक तरंगों की परस्पर क्रिया की अभूतपूर्व तस्वीरें खींची हैं, गर्जनाकार ध्वनिक आवाजों (सोनिक बूम) के बिना ध्वनि से तेज गति से उड़ सकने वाले विमानों को विकसित करने में नासा के इस अनुसंधान का हिस्सा है।

यह तरंगें कब उत्पन्न होती हैं?

- जब कोई विमान समुद्र स्तर पर लगभग 1225 कि.मी./घं. की चाल से देहली सीमा को पार करता है, तो यह अपने चारों ओर की हवा पर अपने द्वारा डाले गए दबाव से तरंगे उत्पन्न करता है।

संबंधित जानकारी

सोनिक बूम क्या है?

- ध्वनि की गति से तेज गति से यात्रा करने वाले वायुयानों द्वारा उत्पादित 'शॉक तरंगों' द्वारा उत्पन्न तेज ध्वनि का सामान्य नाम सोनिक बूम है (ध्वनि की गति लगभग 332 मी./से. अथवा 1195 कि.मी./घं.)।
- इन गतियों को पराध्वनिक (सुपरसोनिक) गति कहा जाता है, अत: इस परिघटना को कभी-कभी सुपरसोनिक बूम भी कहा जाता है।
- सोनिक बूम कभी-कभी बहुत जोर आवाज के हो सकते हैं। एक वाणिज्यिक पराध्वनिक परिवहन विमान (एस.एस.टी.) 136 डेसिबल की तीव्रता तक की ध्वनि उत्पन्न कर सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>मरायुर गुड़ और इरोड हल्दी को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।</u>**

- मरायुर गुड़ और इरोड हल्दी को भौगोलिक-संकेत रजिस्ट्री से भौगोलिक संकेत (जी.आई. टैग) प्रदान किया गया है।

इरोड हल्दी

- इरोड हल्दी को इसके आकार, रंग, गुणवत्ता और उबालने के बाद कीटों के प्रति प्रतिरोध के संदर्भ में इसकी विशिष्टता के कारण टैग प्रदान किया गया है।
- इस हल्दी की खेती इरोड के कुछ जिलों में, कोयम्बटूर के कुछ हिस्सों में और पूरे तिरुपुर (तमिलनाडु) में की जाती है और पूरे तिरूपुर (तमिलनाड़) को इसके मूल स्थान से प्राप्त अद्वितीय गुणों के लिए पहचाना जाएगा।
- यह गर्म नम परिस्थितियों में 20 डिग्री से 37.9 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान के मध्य 600 से 800 मि.मी. वर्षा प्रति वर्ष वाले क्षेत्रों में उगाई जाती है।

मरायुर गुड़

- मरायुर गुड़, केरल की मरायुर और कंथालुर ग्राम पंचायतों के क्षेत्रों में बड़ पैमाने पर उत्पादित किया जाता है।
- मरायुर गुड़ के लिए केरल के इडुक्की जिले में मरायुर गन्ने की गहन खेती के लिए प्रसिद्ध है।
- मरायुर गुड़ की विशिष्ट विशेषताएं उच्च मिठास के साथ कम नमकीन होना, आयरन की उच्च और सोडियम की निम्न मात्रा होना हैं।
- यह उपज अशुद्धियों से मुक्त होती है और गन्ने के खेत रासायनिक कीटनाशकों और उर्वरकों से मुक्त होते हैं।

संबंधित जानकारी

भौगोलिक संकेत (जी.आई.)

- यह उन उत्पादों पर इस्तेमाल किया जाने वाला एक संकेत है, जिनमें एक विशिष्ट भौगोलिक उत्पत्ति और गुण होते हैं अथवा मूल स्थान के कारण एक सम्मान होता है।
- जी.आई. के रूप में कार्य करने के लिए यह चिन्ह अवश्य ही एक उत्पाद को दिए गए स्थान से उत्पन्न होने की मान्यता प्रदान करता है।

जी.आई. टैग- टी.आर.आई.पी.एस. समझौते की आवश्यकता

- विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) के सदस्य के रूप में भारत ने उत्पाद भौगोलिक संकेतक (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1999 को अधिनियमित किया था, जो 15 सितंबर, 2003 से प्रभावी हो गया था।
- दार्जलिंग चाय, भौगोलिक संकेत प्राप्त करने वाला पहला भारतीय उत्पाद था।

हाल ही में पुरस्कृत जी.आई टैग

नाम	कमोडिटी / हस्तकला / खाद्य वस्तु	जगह
अलफांसो	भोजन	कोंकण (महाराष्ट्र, गोवा के पश्चिमी भारतीय राज्यों और कर्नाटक के दक्षिण भारतीय राज्य)
कदकनाथ चिकन	खाद्य (मांस)	मध्य प्रदेश
शाही लीची	भोजन	बिहार
पटोला साड़ी	हस्तशिल्प	राजकोट (गुजरात)
बोका चौल	भोजन	असम
कतरनी चावल	भोजन	बिहार
पेथापुर मुद्रण ब्लाक	हस्तशिल्प / कपड़ा बनाने	गुजरात
Tulapanji चावल	भोजन	बंगाल
पोचमपैल्ली एकट	हस्तशिल्प	तेलंगाना
दुर्गी स्टोन कार्विंग	हस्तशिल्प	गुंटूर जिले (आंध्र प्रदेश)
Chakshesang शॉल	हस्तशिल्प	नगालैंड
Etikoppaka खिलौने	हस्तशिल्प	आंध्र प्रदेश
सांगली हल्दी	खाद्य - सामग्री	महाराष्ट्र

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम</u>**

- वर्ष 2018 में आए अधिनियम के अंतर्गत सबसे हालिया दोषसिद्धि तब हुई जब दिल्ली न्यायालय ने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग में कार्य कर चुकी पूर्व राजनायिक माधुरी गुप्ता को ओ.एस.ए. के अंतर्गत दोषी पाया था।
- गोपनीयता कानून व्यापक रूप से दो पहलुओं से संबंधित है:

1. जासूसी अथवा गुप्तचर, जो अधिनियम की धारा 3 में दिया गया है और
2. सरकार की अन्य गुप्त सूचनाओं का खुलासा करना, जो धारा 5 में दिया गया है।

आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम

- आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम की जड़ें ब्रिटिश औपनिवेशिक युग से हैं।
- इसके पूर्ववर्ती कानून, भारतीय आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम, 1904 को भारत के वायसराय, लॉर्ड कर्जन के समय 1899 से 1905 के दौरान अधिनियमित किया गया था।
- यह 1889 के भारतीय आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (अधिनियम XIV) का एक संशोधित और अधिक कठोर संस्करण था, यह अधिनियम उस समय में लाया गया था जब पूरे भारत में कई भाषाओं में बड़ी संख्या में शक्तिशाली समाचार पत्र उभरे थे।
- अधिनियम का एक मुख्य उद्देश्य राष्ट्रवादी प्रकाशनों की आवाज़ को समाप्त करना था।
- अप्रैल 1923 में, आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के एक नए संस्करण को अधिसूचित किया गया था। भारतीय आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम (1923 की अधिनियम सं. XIX) ने पहले के अधिनियम का स्थान ले लिया और इसे देश में शासन में विश्वसनीयता और गोपनीयता के सभी मामलों तक बढ़ा दिया गया था।

आर.टी.आई. अधिनियम और ओ.एस.ए. के मध्य किसकी प्रधानता है?

- हमेंशा यह तर्क दिया गया है कि कानून, सूचना के अधिकार अधिनियम (आर.टी.आई.), 2005 के साथ सीधे संघर्ष में है।

- आर.टी.आई. अधिनियम को ओ.एस.ए. सहित अन्य कानूनों के प्रावधानों के समक्ष अपनी प्रधानता के लिए प्रदान किया जाता है।
- यह आर.टी.आई. अधिनियम को एक महत्वपूर्ण प्रभाव प्रदान करता है।
- यदि सूचना प्रस्तुत करने के संदर्भ में ओ.एस.ए. में कोई विसंगति है तो यह आर.टी.आई. अधिनियम द्वारा हटा दिया जाएगा।
- हालांकि, आर.टी.आई. अधिनियम की धारा 8 और 9 के अंतर्गत सरकार जानकारी से इनकार कर सकती है।
- प्रभावी रूप से यदि सरकार ने ओ.एस.ए. के अंतर्गत किसी दस्तावेज को गुप्त के रूप में वर्गीकृत किया है तो उस दस्तावेज को आर.टी.आई. अधिनियम के दायरे से बाहर रखा जा सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>क्लाउड सीडिंग: कर्नाटक बादलों का पुन: लाभ उठाने के लिए तैयार है।</u>**

- कर्नाटक सरकार, आगामी मानसून को प्रभावित करने और बारिश के बादलों से जितना संभव हो उतना पानी पर प्राप्त करने की उम्मीद कर रही है।

संबंधित जानकारी

क्लाउड सीडिंग

- क्लाउड सीडिंग अथवा मौसम संशोधन एक कृत्रिम तरीका है, जिसमें बारिश कराने हेतु बादलों में नमी को बढ़ाया जाता है।
- इस प्रक्रिया में, बारिश की बूंदो के समान वर्षा करने वाली आर्टीलरी बंदूक अथवा एक विमान का प्रयोग करते हुए बादलों पर सिल्वर आयोडाइड, पोटेशियम आयोडाइड और सूखी बर्फ (ठोस कार्बन डाइऑक्साइड) डाली जाती है।
- कुछ शोध करने के बाद टेबल नमक जैसे हीड्रोस्कोपिक सामग्रियों का तेजी से उपयोग किया जा रहा है।
- पानी के प्रबंधक भी क्लाउड सीडिंग को सर्दियों में अधिक बर्फ गिराने के कृत्रिम तरीके के रूप में भी इसे देख रहे हैं।

नोट: कर्नाटक द्वारा वर्षाधारी-क्लाउड सीडिंग परियोजना शुरू की गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>मंत्रिमंडल ने परिवर्तनकारी गतिशीलता एवं बैटरी भंडारण मिशन को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय परिवर्तनकारी गतिशीलता एवं बैटरी भंडारण मिशन को मंजूरी प्रदान की है।
- इस मिशन में स्वच्छ, संबंधित, साझाकृत, सतत और समग्र गतिशीलता पहल को बढ़ावा देने के लिए नीति आयोग के सी.ई.ओ. की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी संचालन समिति शामिल होगी।
- यह मिशन इलेक्ट्रिक वाहनों, उनके घटकों और बैटरियों के लिए परिवर्तनकारी गतिशीलता एवं चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रमों (पी.एम.पी.) हेतु रणनीतियों को अंतिम रूप देगा और कार्यान्वित करेगा।
- बड़े स्तर के मॉड्यूल पर गीगा पैमाने पर बैटरी निर्माण को लागू करने के लिए एक चरणबद्ध रोडमैप 2019-2020 तक एक प्रारंभिक केंद्र होगा और समूह संयंत्रो को 2019-2020 तक पूरा किया जाएगा। यह वर्ष 2021-2022 तक एकीकृत सेल विनिर्माण के बाद किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस.-2- सरकारी नीतियां

स्रोत- बिजनेस लाइन

9. **<u>भारत ने सऊदी से रणनीतिक तेल भंडारण में निवेश करने के लिए कहा है।</u>**

- भारत आपातकालीन कच्चे तेल के भंडार का निर्माण करने के लिए सऊदी अरब से निवेश चाहता है, जो तेल की कीमतों में परिवर्तन के प्रतिरोधी के रूप में कार्य करेगा और तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता के लिए व्यावधनों की अपूर्ति करेगा।

संबंधित जानकारी

रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण (भारत)

- भारतीय रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण (आई.एस.पी.आर.), रणनीतिक कच्चे तेल के 5.33 एम.एम.टी. (मिलियन मिट्रिक टन) के कुल आपातकाल ईंधन का भंडारण है, जो 9.53 दिनों की खपत प्रदान करने के लिए पर्याप्त है।

- यह भारतीय सामरिक पेट्रोलियम भंडारण लिमिटेड द्वारा अनुरक्षित है।
- सामरिक कच्चे तेल का भंडारण मैंगलोर, विशाखापत्तनम और पादुर (उडुपी, कर्नाटक) में तीन भूमिगत स्थानों पर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

12.03.2019

1. **<u>पिनाका निर्देशित हथियार प्रणाली</u>**

- डी.आर.डी.ओ. ने राजस्थान में पोखरण रेंज से पिनाका निर्देशित हथियार रॉकेट प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

संबंधित जानकारी

पिनाका

- पिनाका निर्देशित रॉकेट स्वदेशी रूप से डी.आर.डी.ओ. द्वारा विकसित किया गया है।
- पिनाका रॉकेट का प्रारंभिक संस्करण मार्क I था, जिसकी सीमा 40 कि.मी. थी। इसका प्रयोग 1999 के कारगिल युद्ध में किया गया था।
- इसे बाद में पिनाका मार्क II में विकसित किया गया था, जिसकी सीमा बढ़ाकर 70 से 80 कि.मी. कर दी गई थी।
- यह हथियार प्रणाली, अत्याधुनिक निर्देशित किट से सुसज्जित है जो एक उन्नत नेविगेशन और नियंत्रण प्रणाली से मिलकर बनी है।
- इस हथियार प्रणाली ने उच्च सटीकता के साथ लक्षित लक्ष्यों को प्रभावित किया है और वांछित सटीकता हासिल की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- पी.आई.बी.

2. **<u>डी.आर.डी.ओ. ने जनहानि को कम करने के लिए 'लड़ाकू दवाओं' का विकास किया है।</u>**

- डी.आर.डी.ओ. की चिकित्सा प्रयोगशालाएं- नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान ने लड़ाकू जनहानि औषधि की श्रृंखला पेश की है।
- अध्ययन के अनुसार लगभग 90 प्रतिशत गंभीर रूप से घायल सुरक्षाकर्मियों की गंभीर चोटों के कारण कुछ घंटों में मृत्यु हो जाती है, ये दवाएं उन स्वर्णिम घंटों की अवधि को इतना बढ़ा देंगी कि सैनिक को अस्पताल में भर्ती किया जा सके।
- यदि स्वर्णिम घंटों के भीतर प्रभावी प्राथमिक चिकित्सा देखभाल प्रदान की गई है तो जीवित रहने और न्यूनतम विकलांगता होने की संभावना अधिकतम होती है।
- ये दवाएं यह सुनिश्चित करेंगी कि सैनिकों को युद्ध क्षेत्रों से बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए अस्पताल ले जाते समय उनका अवांछित रक्त न बहे।
- इन दवाओं में रक्तस्रावी घाव सीलेंट, सुपर अवशोषक ड्रेसिंग और ग्लिसरीनयुक्त सेलाइन शामिल हैं, ये सभी जंगल और ऊंचाई वाले क्षेत्रों सहित आतंकवादी हमलों में युद्ध के हालातों में जान बचा सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- ए.आई.आर.

3. **<u>वैज्ञानिकों ने जल शोधन के लिए कालिख को एक वरदान के रूप में परिवर्तित कर दिया है।</u>**

- भारतीय वैज्ञानिक एक नई प्रक्रिया के साथ आए हैं जो कालिख का उपयोग करने में मदद करने का वादा करती है जो कि एक प्रमुख वायु प्रदूषक है, यह अत्यधिक जहरीले कार्बनिक रंगो वाले औद्योगिक कचरे के उपचार के लिए कालिख का उपयोग करने में मदद करने का वादा करती है।
- वैज्ञानिकों ने दो तकनीकों का विकास किया है:
- कालिख को ग्रैफीन नैनोशीट में बदलना
- औद्योगिक अपशिष्टों से क्रिस्टल वायलेट, रोडामाइन बी और मेथिलीन ब्लू जैसे कार्बनिक रंगों को हटाने के लिए नैनोशीटों का उपयोग करना।

संबंधित जानकारी

ब्लैक कार्बन (कालिख)

- ब्लैक कार्बन महीन कणिका द्रव्य का एक घटक है जो कि पी.एम. ≤ 5 माइक्रोन हैं।
- यह जीवाश्म ईंधन, जैव ईंधन और बायोमास के अधूरे दहन से बनता है और यह मानवजनित एवं प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाली कालिख दोनों में उत्सर्जित होता है।

- यह अत्यधिक कार्सिनोजेनिक होने के लिए जाना जाता है।
- ब्लैक कार्बन, सूर्य के प्रकाश को अवशोषित करके और वातावरण को गर्म करके और बर्फ एवं हिमपात पर जमकर शुक्लता को कम करके पृथ्वी को गर्म करता है।
- ब्लैक कार्बन वायुमंडल में केवल कुछ दिनों से लेकर हफ्तों तक रहता है, जब कि कार्बन डाइऑक्साइड (CO2) का वायुमंडलीय जीवनकाल 100 वर्षों से अधिक है।

नोट: कालिख, अशुद्ध कार्बन कणों का एक द्रव्यमान है जो हाइड्रोकार्बन के अधूरे दहन से उत्पन्न होता है

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>वुड स्नेक</u>**

- पिछले 140 वर्षों से न देखे जाने वाले वुड स्नेक की प्रजातियों को मेघमलाई वन्यजीव अभयारण्य में वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में पुन: देखा गया है।
- यह प्रजाति, मेघामलाई वनों और पेरियार बाघ रिजर्व परिदृश्य के लिए स्थानिक हैं।

संबंधित जानकारी

मेघमलाई वन्यजीव अभयारण्य

- मेघामलाई वन्यजीव अभयारण्य तमिलनाडु के थेनी जिले के पश्चिमी घाट में स्थित है।
- यह पेरियार बाघ रिजर्व और सफेद गिलहरी वन्यजीव अभयारण्य के लिए एक उत्कृष्ट अंतर्रोधी हो सकता है।
- यह दुर्लभ महान भारतीय हॉर्नबिल का निवास है।
- यह अभयारण्य लुप्तप्राय वानस्पतिक सफेद विशालकाय गिलहरी का भी निवास स्थान रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है।</u>**

- सिपरी द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्ष 2014-18 में पूरे विश्व में प्रमुख हथियारों का दूसरा सबसे बड़ा आयातक था और हथियारों के कुल वैश्विक आयात के 9.5% हेतु जिम्मेदार है।
- सऊदी अरब पहले स्थान पर है, जो इस अवधि के दौरान कुल आयात के 12% हेतु जिम्मेदार है।
- रूस, भारत का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है इसके बाद अमेरिका और इज़राइल हैं।
- रूस, वर्ष 2009-13 में 76 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2014-2018 के मध्य कुल भारतीय आयातित हथियारों के 58 प्रतिशत हेतु जिम्मेदार है।
- हालांकि, अगले पांच वर्षों की अवधि में भारतीय आयात में रूसी हिस्सेदारी के तेजी से बढ़ने की संभावना है क्यों कि भारत ने हाल ही में कई बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं और कई बड़े समझौते किए जाने शेष हैं।
- इसमें एस.-400 वायु सुरक्षा प्रणाली, चार स्टील्थ युद्ध-पोत, ए.के.-203 असॉल्ट राइफलें, दूसरी परमाणु हमला करने वाली पनडुब्बी लीज पर है और कामोव -226टी. उपयोगिता हेलिकॉप्टर, एम.आई.-17 हेलिकॉप्टर और कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली शामिल हैं।
- पाकिस्तान, कुल वैश्विक आयात के 2.7% के साथ 11वें स्थान पर है।

स्टॉकहोम अंतर्राष्ट्रीय शांति अनुसंधान संस्थान (सिपरी)

- यह स्वीडन आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय संस्थान है, जो युद्ध, आयुध, हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण में अनुसंधान हेतु समर्पित है।
- यह नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, मीडिया और इच्छुक जनता को खुले स्रोतों के आधार पर डेटा, विश्लेषण और सिफारिशें प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>भारत, सोना रखने के मामले में 11वें स्थान पर है।</u>**

- विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यू.जी.सी.) के द्वारा पेश की गई नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, भारत, जो सोने का विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता है, भारत के पास आंकलित 607 टन की वर्तमान स्वामित्व के साथ 11वां सबसे बड़ा स्वर्ण भंडार है।

विश्व स्वर्ण परिषद

- विश्व स्वर्ण परिषद, स्वर्ण उद्योग के लिए बाजार विकास संगठन है।
- यह सोने के खनन से लेकर निवेश तक उद्योग के सभी हिस्सों में काम करता है और इसका उद्देश्य सोने की मांग को बढ़ाना और बनाए रखना है।
- इन्होंने एस.पी.डी.आर., जी.एल.डी. जैसे विभिन्न उत्पाद लांच किए हैं और भारत एवं चीन में सोने के संचय की योजनाएं भी शुरू की है।
- यह अपने सदस्यों को एक जिम्मेदार तरीके से खनन में समर्थन करने में मदद करता है और संघर्ष-मुक्त स्वर्ण मानक विकसित करता है।
- इसका मुख्यालय लंदन, यूनाइटेड किंगडम में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>डब्ल्यू.एच.ओ. ने फ्लू महामारी से लड़ने के लिए एक रणनीति शुरू की है।</u>**

- डब्ल्यू.एच.ओ. ने इन्फ्लूएंजा के खतरे के खिलाफ अगले दशक में पूरे विश्व के लोगों की सुरक्षा के लिए एक रणनीति बनाना शुरू की है।
- वर्ष 2030 के माध्यम से वर्ष 2019 की डब्ल्यू.एच.ओ. की नई रणनीति का उद्देश्य मौसमी इन्फ्लूएंजा को रोकना, जानवरों से मनुष्यों में वायरस के प्रसार को नियंत्रित करना और अगली महामारी के लिए तैयार करना है।
- डब्ल्यू.एच.ओ. इस रोग के प्रसार को रोकने के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल श्रमिकों और इन्फ्लूएंजा जटिलताओं के उच्च जोखिम वाले लोगों के लिए सबसे प्रभावी तरीके के रूप में वार्षिक फ्लू के टीके की सिफारिश करता है।

संबंधित जानकारी

इन्फ्लुएंजा क्या है?

- इन्फ्लुएंजा, श्वसन तंत्र का एक गंभीर विषाणुजनित संक्रमण है जिसे जीवन के प्रति खतरनाक संक्रामक रोगों में से एक माना जाता है।
- यह विषाणु, संक्रमित व्यक्तियों के साथ सीधे संपर्क में आने से, दूषित वस्तुओं (जिसे फोमाइट्स भी कहा जाता है) और विषाणुजनित एयरोसोल को श्वसन द्वारा ग्रहण करने से हस्तांरित होता है।
- मानव इन्फ्लूएंजा विषाणु, एकल-मानक आर.एन.ए. विषाणु होते हैं।
- इन्फ्लूएंजा विषाणु कणों की संक्रामकता पी.एच., तापमान और पानी की लवणता के साथ ही साथ पराबैंगनी विकिरण पर निर्भर करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>उन्नति- राष्ट्रीय ऊर्जा दक्षता रणनीति योजना 2031</u>**

- बी.ई.ई. ने भारत में ऊर्जा दक्षता में तेजी लाने के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति दस्तावेज "उन्नति" विकसित किया है।
- यह इस प्रकार का पहला अभ्यास है, जो स्पष्ट रूप से राज्य के स्तर तक संबंधित मांग क्षेत्रों के लिए ऊर्जा दक्षता लक्ष्यों को पूरा कर रहा है।
- यह दस्तावेज़, ऊर्जा आपूर्ति-मांग परिदृश्यों और ऊर्जा दक्षता अवसरों के मध्य एक स्पष्ट संबंध स्थापित करने हेतु एक साधारण ढांचे और कार्यान्वयन रणनीति का वर्णन करता है।
- यह दस्तावेज़, ऊर्जा दक्षता उपायों के माध्यम से भारत की पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन शमन कार्रवाई को संबोधित करने के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रदान करता है।

संबंधित जानकारी

ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बी.ई.ई.)

- बी.ई.ई., भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत एक संवैधानिक निकाय है।
- यह भारतीय अर्थव्यवस्था की ऊर्जा तीव्रता को कम करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ विकासशील नीतियों और रणनीतियों में सहायता करता है।
- बी.ई.ई., ऊर्जा संरक्षण अधिनियम 2001 के अंतर्गत इसे सौंपे गए कार्यों को पूरा करने के लिए मौजूदा संसाधनों और बुनियादी ढांचों की पहचान और उनका उपयोग करने के लिए नामित उपभोक्ताओं, नामित संस्थाओं और अन्य संगठनों के साथ समन्वय करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –महत्वूपर्ण संस्थान

स्रोत-पी.आई.बी.

9. **सामाजिक संस्थान एवं लिंग सूचकांक (एस.आई.जी.आई.) रिपोर्ट 2019**

- ओ.ई.सी.डी. विकासात्मक केंद्रो के सामाजिक संस्थान एवं लिंग सूचकांक (एस.आई.जी.आई.), 180 देशों में सामाजिक संस्थानों (औपचारिक और अनौपचारिक कानूनों, सामाजिक मानदंडों और प्रथाओं) में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव का एक क्रॉस-कंट्री मापक है।
- एस.आई.जी.आई. के चौथे संस्करण (2019) में नीचे दिए गए वर्गीकरण में शामिल 120 अर्थव्यवस्थाओं को स्थान प्रदान किया गया है। शेष 60 देशों को एक या एक से अधिक संकेतकों के लिए अपर्याप्त डेटा के कारण स्थान नहीं प्रदान किया जा सका है।
- यह 2019 की वैश्विक रिपोर्ट महिलाओं और उनके परिवार, उनकी शारीरिक अखंडता, उत्पादक और वित्तीय संसाधनों तक और उनके नागरिक अधिकारों तक पहुँच के संबंध में एस.आई.जी.आई. के मुख्य परिणामों और सिफारिशों का अवलोकन प्रदान करती है।
- इस सूचकांक में स्विट्जरलैंड ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।

13.03.2019

1. **आई.टी.यू., भारत में अपना पहला नवाचार केंद्र खोलने जा रही है।**

- संयुक्त राष्ट्र की दूरसंचार संस्था आई.टी.यू. ने दक्षिण एशियाई देशों की प्रौद्योगिकियों को और प्रौद्योगिकियों के लिए मानकों में उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को शामिल करने के लिए भारत में अपना पहला नवाचार केंद्र स्थापित करने की योजना बना रही है।
- नवाचार केंद्र की स्थापना से भारतीय प्रौद्योगिकी फर्मों को वैश्विक मानकों का हिस्सा बनने का अवसर प्रदान करने की आशा है, जो विकसित देशों की कंपनियों से बड़े पैमाने पर प्रभावित हुए हैं और वैश्विक स्तर पर दूरसंचार व्यवसायों पर इनका काफी प्रभाव पड़ रहा है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ

- यह संयुक्त राष्ट्र की सभी 15 विशिष्ट संस्थाओं में से सबसे पुरानी है, जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों से संबंधित है।
- आई.टी.यू. अपनी स्थापना के बाद से एक अंतरसरकारी सार्वजनिक-निजी भागीदारी संगठन है।
- यह संचार नेटवर्क में अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करता है, यह वैश्विक रेडियो स्पेक्ट्रम और उपग्रह कक्षाओं का आवंटन करता है, ऐसे तकनीकी मानकों को विकसित करता है जो यह सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क और प्रौद्योगिकी मूल रूप से अंतर संबद्ध हैं और पूरे विश्व में समुदायों को सेवा प्रदान करने हेतु आई.सी.टी. तक पहुंच में सुधार करने का प्रयास करता है।
- यह जिनेवा, स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- यह संयुक्त राष्ट्र विकास समूह का सदस्य भी है और पूरे विश्व में इसके 12 क्षेत्रीय और स्थानीय कार्यालय हैं।
- भारत को वर्ष 2019 से 2022 तक अगले 4 वर्षों के लिए आई.टी.यू. परिषद के सदस्य के रूप में चुना गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 - महत्वपूर्ण संस्थान

स्रोत- द हिंदू

2. **अधिकतम प्रभावित प्रजातियों के संदर्भ में देशों के मध्य भारत को 16वां स्थान प्राप्त हुआ है।**

अध्ययन की मुख्य विशेषताएं

- अध्ययन में पाया गया है कि पृथ्वी के भूभाग के 84% हिस्से पर प्रजातियों पर मानव प्रभाव पड़ता है।
- अधिकतम प्रभावित प्रजातियों (125) वाले देशों में मलेशिया पहले स्थान पर है।
- भारत को ऐसे मानव प्रभावों में 16वां स्थान प्राप्त हुआ है, भारत में औसतन 35 प्रजातियां प्रभावित हैं।
- भारत में स्थित पश्चिमी घाट, हिमालय और उत्तर-पूर्व सहित दक्षिण पूर्व एशियाई उष्णकटिबंधीय वन भी लुप्तप्राय प्रजातियों का 'हॉटस्पॉट' हैं।

- अध्ययन से ज्ञात होता है कि भारत में सड़कें और फसलें व्यापक हैं और ऐसी गतिविधियों के लिए निवास स्थान का रूपांतरण मुख्य खतरा हो सकता है।

सम्बंधित जानकारी

हॉट स्पॉट

- हॉट स्पॉट, पृथ्वी के पौधों और पशु जीवन का सबसे समृद्ध और सबसे अधिक खतरनाक संग्रह हैं।
- इनमें अधिकतम संख्या में स्थानिक प्रजातियां हैं।
- एक हॉट स्पॉट के रूप में अर्हता प्राप्त करने के लिए एक क्षेत्र को दो कठोर मानदंडों को पूरा करना होगा:

1. प्रजातीय स्थानिकता: इस क्षेत्र में स्थानिक प्रजातियों के रूप में संवहनी पौधों की कम से कम 1500 प्रजातियाँ होनी चाहिए (विश्व के कुल से 5% अधिक) और
2. खतरे का स्तर: इस क्षेत्र के वास्तविक निवास स्थानों के कम से कम 70% निवास स्थान समाप्त हो चुके हों।

- प्रत्येक जैव विविधता हॉट स्पॉट तेजी से सिकुड़ते हुए पारिस्थितिक तंत्र में जीवित रहने के लिए संघर्ष करने वाले असाधारण स्थानिक पौधें और जीव-जंतु के एक उल्लेखनीय ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करता है।

<u>भारतीय जैव विविधता हॉट स्पॉट</u>

- भारत में 4 जैव विविधता हॉट स्पॉट मौजूद हैं। वो हैं:

  (a) पूर्वी हिमालयी [अरुणाचल प्रदेश, भूटान, पूर्वी नेपाल]

  (b) भारत-बर्मा और [पूर्वांचल पहाड़ियां, अराकान योमा, पूर्वी बांग्लादेश]

  (c) पश्चिमी घाट और श्रीलंका

  (d) सुन्दालैंड: निकोबार द्वीप समूह (और इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, ब्रुनेई, फिलीपींस) शामिल हैं।

नोट:

- कूल-स्पॉट, विश्व के अंतिम शरणस्थान हैं, जहां कई लुप्तप्राय प्रजातियां आज भी उपस्थित हैं।
- कूल-स्पॉट, सुरक्षा का परिणाम हो सकते है अथवा उपस्थित आवास के कारण हो सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - जैव विविधता

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>केंद्र, ओ.ए.एल.पी.-II के लिए बोली लगाने वालों की समय सीमा को बढ़ा रहा है।</u>**

संबंधित जानकारी

ओपेन एक्रिएज लाइसेंसिंग नीति (ओ.ए.एल.पी.)

- ओ.ए.एल.पी. एक कंपनी को सरकार द्वारा कराए जाने वाले औपचारिक बोली दौर की प्रतीक्षा किए बिना स्वयं अन्वेषण ब्लॉकों का चयन करने का विकल्प प्रदान करता है।
- ओ.ए.एल.पी. के अंतर्गत, हाइड्रोकार्बन का पता लगाने के लिए इच्छुक एक बोलीदाता किसी भी नए ब्लॉक का अन्वेषण करने के लिए सरकार को आवेदन कर सकता है जो पहले से अन्वेषण के अंतर्गत शामिल न किया गया हो।
- सरकार उसकी रूचियों की जांच करेगी और यदि वह पुरस्कार के लिए उपयुक्त है तो सरकार आवश्यक पर्यावरणीय और अन्य मंजूरियां प्राप्त करने के बाद प्रतिस्पर्धी बोलियों के लिए उसे बुलाएगी।
- ओ.ए.एल.पी. को **हाइड्रोकार्बन अन्वेषण एवं लाइसेंसीकरण नीति (हेल्प)** नामक अन्वेषण क्षेत्र में नए राजकोषीय शासन के हिस्से के रूप में पेश किया गया था।
- यह उपलब्ध भौगोलिक क्षेत्र के तेज सर्वेक्षण और कवरेज को सक्षम करेगा जिसमें तेल और गैस की खोज की क्षमता है।
- ओ.ए.एल.पी. के सफल कार्यान्वयन के लिए भू-वैज्ञानिक डेटा पर राष्ट्रीय डेटा भंडार के निर्माण की आवश्यकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>भारतीय सुंदरवन 'अंतर्राष्ट्रीय महत्ता की आद्रभूमि' बन गया है।</u>**

- भारतीय सुंदरवन को हाल ही में रामसर सम्मेलन के अंतर्गत 'अंतर्राष्ट्रीय महत्ता की आद्रभूमि' का दर्जा दिया गया था।

यह कैसे योग्य था?

- भारतीय सुंदरबन ने अंतर्राष्ट्रीय महत्ता की आद्रभूमि के दर्जे के लिए आवश्यक नौ मानदंडों में से चार को पूरा किया है। वे हैं:

1. दुर्लभ प्रजातियों और लुप्तप्राय पारिस्थितिक समुदायों की उपस्थिति
2. जैविक विविधता
3. महत्वपूर्ण और प्रतिनिधि मछली
4. मछली के अंडे देने हेतु मैदान और प्रवासीय मार्ग

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

- अंतर्राष्ट्रीय महत्ता आद्रभूमि सम्मेलन को रामसर सम्मेलन के रूप में जाना जाता है, यह संरक्षण को बढ़ावा देने और आद्रभूमि के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- यह एकल पारिस्थितिकी तंत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाली एकमात्र वैश्विक संधि है।
- यह सम्मेलन वर्ष 1971 में ईरानी शहर रामसर में अपनाया गया और वर्ष 1975 में लागू किया गया था।

संबंधित जानकारी

सुंदरबन

- भारतीय सुंदरवन, यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल और रॉयल बंगाल टाइगर का निवास स्थान भी है।
- यह बड़ी संख्या में "दुर्लभ और वैश्विक स्तर पर लुप्तप्राय प्रजातियों" का निवास है, जैसे कि

1. गंभीर रूप से लुप्तप्राय उत्तरी नदी का टेरापिन
2. लुप्तप्राय इरावदी डॉल्फिन
3. लुप्तप्राय फिशिंग बिल्ली

- सुंदरवन में भारत और बांग्लादेश में बंगाल की खाड़ी के मुहाने पर गंगा और ब्रह्मपुत्र के डेल्टा में सैकड़ों द्वीपों और नदियों, सहायक नदियों और खाड़ियों के एक नेटवर्क से मिलकर बना है।
- भारतीय सुंदरवन, देश के कुल सदाबहार वन क्षेत्र के 60% से अधिक भाग का निर्माण करता है।
- **यह भारत में 27वां रामसर स्थल है और देश में सबसे बड़ी संरक्षित आर्द्रभूमि है।**

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>जीन थेरेपी वैज्ञानिक सिकल कोशिकाओं के लिए 'इलाज' खोजने के काफी नजदीक हैं।</u>**

संबंधित जानकारी

सिकल-सेल (लाल रूधिर कोशिकाएं) रोग (एस.सी.डी.)

- यह रक्त विकारों का एक समूह है जो सामान्यत: किसी व्यक्ति के माता-पिता से प्राप्त होता है।
- सबसे सामान्य प्रकार को सिकल कोशिका रक्ताल्पता (एस.सी.ए.) के रूप में जाना जाता है।
- यह लाल रक्त कोशिकाओं में पाए जाने वाले ऑक्सीजन ले जाने वाले प्रोटीन हीमोग्लोबिन (हीमोग्लोबिन एस) में विकृति का परिणाम है।
- यह निश्चित परिस्थितियों के अंतर्गत कठोर, सिकल जैसी आकृति के समान हो जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डी.डी. न्यूज

6. **<u>विकासशील देश रसायनों के सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं के रूप में उभर रहे हैं।</u>**

- दूसरी वैश्विक रसायन आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक दुनिया भर में रासायनिक उत्पादन दोगुना हो जाएगा।
- रासायनिक उद्योग विश्व का दूसरा सबसे बड़ा विनिर्माण क्षेत्र है।
- वर्तमान में, दुनिया में 2.3 बिलियन टन रसायनों का उत्पादन करने की क्षमता है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) के अनुसार, वर्ष 2016 में रसायनों से संबंधित बीमारियों के कारण 1.6 मिलियन लोगों की जान चली गई थी।
- वर्ष 2018 तक, 120 से अधिक देशों ने वैश्विक रासायनिक वर्गीकरण एवं लेबलिंग सामंजस्य प्रणाली को लागू नहीं किया है।

पृष्ठभूमि

- पहली वैश्विक रसायन आउटलुक रिपोर्ट (जी.सी.ओ.-I) वर्ष 2013 में जारी की गई थी।
- तब से सहमत लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए रसायनों के उपयोग को कम करने के बजाय इसका उपयोग बढ़ता ही जा रहा है।

संबंधित जानकारी

- वर्ष 2015 में विश्व ने सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) को अपनाया था, इनमें से 17 लक्ष्य रसायनों और इसके अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित हैं।
- एस.डी.जी. लक्ष्य 12.4 शासनादेश करता है कि, "सहमत अंतर्राष्ट्रीय रूपरेखाओं के अनुसार, वर्ष 2020 तक अपने पूरे जीवन चक्र के दौरान रसायनों और सभी अपशिष्टों के पर्यावरणीय रूप से बेहतर प्रबंधन को प्राप्त कर लिया जाए और पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए हवा, पानी और मिट्टी में उनके निष्कासन को कम करना है।"
- यह अनुमानित किया गया है कि वर्ष 2030 तक रसायनों की वैश्विक बिक्री के लगभग 50 प्रतिशत हिस्से के लिए चीन जिम्मेदार होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>सिरसी सुपारी को जी.आई. टैग प्रदान किया गया है।</u>**

- सिरसी सुपारी, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के सिरसी, सिद्दपौर और येल्लापुर तालुकों में उगाए जाने वाली एक सुपारी हैं।
- सिरसी सुपारी, एक मध्यम आकार की और गोल सुपारी है, इसमें कुछ हद तक राख के रंग का कठोर बीज होता है।
- सिरसी सुपारी, देश के अन्य भागों में उगाई जाने वाले सुपारी के स्वाद की तुलना में अद्वितीय है क्यों कि विभिन्न सुपारियों का रासायनिक संयोजन भिन्न होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. **<u>सी.ई.आर.सी., दक्षिण एशिया के लिए क्षेत्रीय बिजली बाजार के संदर्भ में विचार कर रहा है।</u>**

- सी.ई.आर.सी., दक्षिण एशियाई देशों में बिजली व्यापार के लिए एक क्षेत्रीय बाजार स्थापित करना चाहता है।
- यह सीमा पार बिजली व्यापार की सुविधा के लिए प्रस्तावों का विस्तार होगा।
- बांग्लादेश, भारतीय बिजली का सबसे बड़ा खरीददार है।
- भारत ने बिम्सटेक के सदस्यों के मध्य ग्रिड इंटरकनेक्शन स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सी.ई.आर.सी.)

- यह विद्युत अधिनियम 2003 की धारा-76 के अंतर्गत एक सांविधिक निकाय है।

कार्य:

- उत्पादक कंपनियों के टैरिफ को विनियमित करना
- टैरिफ का निर्धारण करना और बिजली के अंतर-राज्यीय संचरण को विनियमित करना
- व्यक्तियों को अंतर-राज्यीय संचालन के संबंध में हस्तांतरण लाइसेंसधारी और बिजली व्यापारी के रूप में कार्य करने के लिए लाइसेंस जारी करना।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्र

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

14.03.2019

1. **<u>वैश्विक पर्यावरण आउटलुक (जी.ई.ओ.) का छठवां संस्करण</u>**

- यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा तैयार की गई है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक पर्यावरण आउटलुक (जी.ई.ओ.) की 6 वर्षों की रिपोर्ट से यह ज्ञात हुआ है कि पूरे विश्व में असामयिक होने वाली सभी मृत्युओं और बीमारियों का एक चौथाई भाग प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षति के कारण होता है।
- भारत स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में खरबों रूपए बचा सकता है, यदि भारत यह सुनिश्चित करने के साथ नीतिगत पहल लागू करे कि इस सदी के अंत तक विश्व का तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक नहीं बढ़ेगा।

- भारत की घोषित प्रतिबद्धता है कि

1. वर्ष 2030 तक वर्ष 2005 की तुलना में अपनी जी.डी.पी. की उत्सर्जन तीव्रता को 33-35% कम करना है;
2. वर्ष 2030 तक जीवाश्म मुक्त ऊर्जा स्रोतो से कुल संचयी बिजली उत्पादन को 40% तक बढ़ाना है
3. अतिरिक्त वन और वृक्ष क्षेत्र के माध्यम से 2.5 से 3 बिलियन टन का अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाना है

- भारत इन लक्ष्यों में से दो- उत्सर्जन तीव्रता और बिजली उत्पादन को प्राप्त करने के पथ पर अग्रसर है।
- हालांकि तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए केवल ये कार्य पर्याप्त हैं और अन्य देशों को भी अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरने का अवसर प्रदान करता है।

संबंधित जानकारी

पेरिस जलवायु समझौता

- यह वर्ष 2020 में शुरू होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढांचा सम्मेलन (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.) के अंतर्गत एक समझौता है जिसमें ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का शमन, अनुकूलन और वित्तपोषण करना शामिल है।
- इस समझौते को 12 दिसंबर, 2015 को सर्वसम्मति से अपनाया गया था।
- वैश्विक लक्ष्य को प्राप्त करने के क्रम में प्रत्येक देश द्वारा व्यक्तिगत रूप से योगदान दिया जाता है और सभी देशों द्वारा व्यक्तिगत रूप से निर्धारित किया जाता है और इसे "राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान" (एन.डी.सी.) कहा जाता है।
- भारत इसका अनुसमर्थन करने वाला 62वाँ देश था।

समझौते के उद्देश्य:

- इस शताब्दी वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक स्तर से अधिक 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखना है।
- तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने का प्रयास करना।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3– पर्यावरण

स्रोत-द हिंदू

2. **<u>पश्चिमी नील बुखार</u>**

- हाल ही में मलप्पुरम जिले में पश्चिमी नील बुखार से पीड़ित एक सात वर्षीय लड़के का इलाज किया जा रहा है, यह एक अपेक्षाकृत अज्ञात वायरल संक्रमण है।

संबंधित जानकारी

पश्चिमी नील बुखार

- पश्चिमी नील बुखार, क्यूलेक्स मच्छरों द्वारा फैलता है।

पश्चिमी नील विषाणु

- यह एकल-संरचित आर.एन.ए. विषाणु होता है, जिससे पश्चिमी नील बुखार फैलता है।
- यह विशेष रूप से फ्लैवी विषाणु वंश के फ्लैविविरिडा परिवार का सदस्य है, इसमें जीका विषाणु, डेंगू विषाणु और पीला बुखार विषाणु भी शामिल होता है।
- पश्चिमी नील विषाणु, मुख्य रूप से मच्छरों द्वारा, विशेषकर क्यूलेक्स प्रजाति द्वारा फैलता है, लेकिन इस विषाणु के संक्रमण के टिक भी जिम्मेदार होते हैं।
- डब्ल्यू.एन.वी. के प्राथमिक मेजबान पक्षी हैं, क्यों कि यह विषाणु "पक्षी-मच्छर-पक्षी" संचरण चक्र के भीतर होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– स्वास्थ्य मुद्दा

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>भारत को अफगानिस्तान से चाबहार बंदरगाह के माध्यम से पहला टी.आई.आर. शिपमेंट प्राप्त हुआ है।</u>**

- संयुक्त राष्ट्र टी.आई.आर. सम्मेलन के अंतर्गत अफगानिस्तान से चाबहार बंदरगाह के माध्यम से पहला शिपमेंट भारत आया है।

संबंधित जानकारी

परिवहन अंतर्राष्ट्रीय रूटियर्स (टी.आई.आर.)

- टी.आई.आर. समझौता, एक देश में प्रस्थान के सीमा शुल्क कार्यालय और दूसरे देश में गंतव्य के सीमा शुल्क कार्यालय के मध्य माल के परिवहन पर लागू होता है।

- टी.आई.आर. कार्नेट, 1975 (टी.आई.आर. सम्मेलन) के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय माल परिवहन सीमा शुल्क सम्मेलन, संयुक्त राष्ट्र यूरोप आर्थिक आयोग (यू.एन.ई.सी.ई.) के तत्वावधान में व्यापक भौगोलिक क्षेत्र के साथ एक अंतरराष्ट्रीय सीमाशुल्क पारगमन प्रणाली है।
- टी.आई.आर., अंतर्राष्ट्रीय सड़क परिवहन संघ (आई.आर.यू.) द्वारा प्रबंधित और विकसित किया जाता है जो कि विश्व सड़क परिवहन संगठन है।
- टी.आई.आर. प्रक्रिया, शुल्क और करों के भुगतान के बिना अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के पार सीमा शुल्क नियंत्रण के अंतर्गत माल के परिवहन की सुविधा प्रदान करती है।
- भारत 15 जून, 2017 को टी.आई.आर. सम्मेलन (टी.आई.आर. कार्नेट के अंतर्गत संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय माल परिवहन सीमा शुल्क सम्मेलन) में शामिल हुआ था।
- यह सम्मेलन भारत के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक से अधिक भागीदारी को सक्षम करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण सम्मेलन

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>मंत्रिमंडल ने नाइस समझौते, वियना समझौते और लोकार्नो समझौते के लिए भारत के परिग्रहण के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- नाइस समझौता, प्रतीकों के पंजीकरण के प्रयोजनों के लिए माल और सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण से संबंधित है।
- वियना समझौते ने प्रतीकों के औपचारिक तत्वों का एक अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण स्थापित किया है।
- लोकार्नो समझौते ने औद्योगिक डिजाइनों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण की स्थापना की है।

लाभ

- नाइस, वियना और लोकार्नो समझौतों के लिए परिग्रहण, भारत में बौद्धिक संपदा कार्यालय की ट्रेडमार्क और डिजाइन अनुप्रयोगों की जांच करने के लिए वर्गीकरण प्रणालियों के सामंजस्य में मदद करेगा, जो कि विश्व स्तर पर प्रयोग की जा रही वर्गीकरण प्रणाली के अनुरूप है।
- यह भारतीय डिजाइनों, औपचारिक तत्वों और वस्तुओं को अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणालियों में शामिल करने का अवसर देगा।
- इस परिग्रहण से भारत में आई.पी. की सुरक्षा के संबंध में विदेशी निवेशकों में विश्वास जगने की उम्मीद है।
- इस समझौते के अंतर्गत इस परिग्रहण से वर्गीकरण की समीक्षा और संशोधन के संदर्भ में निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिकारों का प्रयोग करने में भी सुविधा होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – बौद्धिक संपदा अधिकार

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>मंत्रिमंडल ने केंद्रशासित प्रदेशों में संवर्धन को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दमन और दीव सिविल न्यायालयों (संशोधन) विनियमन, 2019 और दादरा और नगर हवेली (सिविल न्यायालय और विविध प्रावधान) संशोधन विनियमन, 2019 के संवर्धन को मंजूरी प्रदान की है।
- यह संविधान के अनुच्छेद 240 के अंतर्गत किया जाएगा।

लाभ:

- यह कदम न्यायिक सेवा में एकरूपता लाने में सहायक होगा।
- यह मौजूदा सीमित वित्तीय क्षेत्राधिकार के कारण अपील दायर करने के लिए मुम्बई जाने में वादियों के सामने आने वाली कठिनाइयों को दूर करने में भी मदद करेगा।
- संवर्धित वित्तीय क्षेत्राधिकार, न्यायिक वितरण प्रणाली को गति प्रदान करेगा, इसके अतिरिक्त वादियों के लिए केंद्रशासित प्रदेश के बाहर यात्रा किए बिना आसान पहुँच भी प्रदान करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>शहद, प्रदूषण के लिए बायोमार्कर के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।</u>**

- शहरी क्षेत्रों में शहद का उपयोग बायोमार्कर के रूप में प्रदूषित इलाकों की पहचान करने के लिए किया जा सकता है।
- परिणामों से ज्ञात हुआ है कि अधिक परिवहन चलित क्षेत्रों और औद्योगिक गतिविधियों ने शहद मे लेड की सांद्रता को बढ़ा दिया है।

संबंधित जानकारी

- समान प्रकार से, जलकुंभी या इचोरनिया क्रैसिप्स नामक जलीय पौधे के एक अन्य अध्ययन में पाया गया है कि इनका उपयोग बायोमार्कर के रूप में किया जा सकता है।
- यह पौधा सामान्यत: उष्णकटिबंधीय देशों में पाया जाता है और पानी से पोषक तत्वों और अन्य तत्वों को अवशोषित करने की अपनी क्षमता के लिए जाना जाता है।

बायोमार्कर

- इसे "जैविक प्रतिक्रियाओं में आण्विक से लेकर कोशिकीय, शारीरिक प्रतिक्रियाओं से लेकर व्यवहारिक परिवर्तनों तक के परिवर्तन, जो पर्यावरणीय रसायनों के विषाक्त प्रभावों और अनावरण से संबंधित हो सकते है।" के रूप में परिभाषित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **स्टारी बौना मेंढक**

- एक स्टारी बौने मेंढक में हल्के नीले रंग के धब्बे और चमकीले नारंगी रंग की जांघ होती है, यह मेंढक केरल के वायनाड जिले में पाया जाता है।
- इस मेंढक की विशिष्ट शारीरिक विशेषताएं होती हैं, जैसे: त्रिकोणीय उंगली और पैर की अंगुली का अग्रछोर हैं, इन अंगो के आकार दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में पाए जाने वाले मेंढक के समान हैं।
- मेंढक की प्रजाति को केरल के कुरिचिया आदिवासी समुदाय के सम्मान में एस्ट्रोबत्राचुस कूरिचियाना के रूप में नामित किया गया है।
- मेंढक न केवल एक नई प्रजाति का है बल्कि एक नया 'उप-परिवार' दिए जाने हेतु को पर्याप्त रूप से भिन्न है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

8. **सिलम के पानी में ब्लू होल**

- ब्लू होल सामान्यत: गोलाकार, खड़ी-दीवार पर गढ्ढे होते हैं।
- इसका नाम ब्लू होल, गाढ़े नीले, इनकी गहराइयों के गहरे पानी और उनके चारों ओर के छिछले पानी के आसमानी रंग के मध्य नाटकीय विरोधाभास के कारण रखा गया था।
- यह कार्बोनेट आधार (चूना पत्थर या प्रवाल भित्ति) से बने एक किनारे या द्वीप में विकसित होते हैं।
- गहरा नीला रंग, पानी की उच्च पारदर्शिता और चमकीले सफेद कार्बोनेट रेत के कारण होता है।
- उनका जल संचलन खराब है और सामान्यत: एक निश्चित गहराई से नीचे उनमें आक्सीजन की कमी होती हैं, यह वातावरण अधिकांशत: समुद्री जीवन के लिए प्रतिकूल है लेकिन फिर भी बड़ी संख्या में जीवाणुओं का समर्थन कर सकते हैं।
- ब्लू होल को सेनोट्स से पहचाना जाता है जिसमें बाद वाली आंतरिक रिक्तियां होती हैं जिनमें सामान्यत: समुद्री जल की अपेक्षा ताजा भूजल होता है।

कुछ महत्वपूर्ण ब्लू होल हैं:

- ड्रैगन होल- दक्षिण चीन सागर
- ग्रेट ब्लू होल- बेलीज
- डीन का ब्लू होल- बहामास

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

15.03.2019

1. **मानव-पोर्टेबल टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल (एम.पी.ए.टी.जी.एम.)**

- डी.आर.डी.ओ. ने राजस्थान के रेगिस्तान क्षेत्रों में स्वदेशी रूप से विकसित, कम वजनी, फायर एंड फॉगेट मानव पोर्टेबल टैंक रोधी निर्देशित मिसाइल (एम.पी.ए.टी.जी.एम.) का दूसरी बार सफलतापूर्वक परीक्षण किया है।

- एम.पी.ए.टीजी.एम. में समाकलित हवाई जहाज के साथ अत्याधुनिक इमेजिंग अवरक्त रडार (आई.आई.आर.) अन्वेषक सहित उन्नत विशेषताएं शामिल की गई हैं।
- एक उच्च-विस्फोटक एंटी-टैंक (हीट) वारहेड से सुसज्जित एम.पी.ए.टी.जी.एम. कथित तौर पर शीर्ष हमले की क्षमता रखता है और यह 2.5 कि.मी. तक की अधिकतम व्यवस्थापन सीमा रखता है।
- यह हल्के वजन वाला एम.पी.ए.टी.जी.एम., इजरायल से खरीदी जाने वाली स्पाइक टैंकरोधी निर्देशित मिसाइल को पूरा करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>भारत ऊर्जा मॉडलिंग मंच (आई.ई.एम.एफ.)</u>**

- नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय विकास संस्था (यू.एस.ए.आई.डी.) ने आई.ई.एम.एफ. के विकास पर पहली कार्यशाला का आयोजन किया है।
- विचारों, परिदृश्य-योजना और भारत के ऊर्जा भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक पैन-हितधारक मंच के रूप में इसकी परिकल्पना की गई है।
- आई.ई.एम.एफ. महत्वपूर्ण ऊर्जा और पर्यावरणीय मुद्दों का अध्ययन करने और एक सूचित निर्णय निर्माण प्रक्रिया में मॉडलिंग और विश्लेषण के समावेश को सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं को मंच प्रदान करना चाहता है।
- इसका उद्देश्य मॉडलिंग टीमों, भारत सरकार, ज्ञान भागीदारों और प्रबुद्ध मंडलों के मध्य सहयोग और समन्वय में सुधार करना और भारतीय संस्थानों की क्षमता का निर्माण करना और संयुक्त मॉडलिंग गतिविधियों और अनुसंधान के भविष्य के क्षेत्रों के लिए मुद्दों की पहचान करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- ऊर्जा क्षेत्र

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>भारत हेतु "क्लाइमेट वुल्नेराब्लिटी इंडेक्स" (जलवायु भेद्यता सूचकांक)</u>**

- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के भारतीय वैज्ञानिकों ने हिमालयी क्षेत्र के सभी 12 राज्यों में जलवायु परिवर्तन भेद्यता के मूल्यांकन हेतु एक सामान्य ढांचा विकसित किया है।
- ये राज्य असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम बंगाल के पहाड़ी जिले हैं।
- जलवायु भेद्यता सूचकांक को सामाजिक-आर्थिक कारकों, जनसांख्यिकीय और स्वास्थ्य की स्थिति, कृषि उत्पादन की संवेदनशीलता, वन-आधारित आजीविका और सूचना, सेवाओं और ढांचा सुविधाओं तक पहुंच के आधार पर विकसित किया गया है।

सूचकांक की मुख्य विशेषताएं

- यह सूचकांक 0-1 के मध्य पैमाने पर आधारित है।
- 1, भेद्यता के उच्चतम संभव स्तर को दर्शाता है और 0, भेद्यता के न्यूनतम संभव स्तर को दर्शाता है।
- असम (0.72) और मिजोरम (0.71) के लिए भेद्यता सूचकांक अधिकतम है और सिक्किम, 0.42 सूचकांक मान के साथ न्यूनतम भेद्य राज्य है।
- एक राज्य के भीतर जिले भौगोलिक, जलवायु, सामाजिक-आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थितियों में अंतर के आधार पर भेद्यता की विभिन्न कोटियों का सामना करते हैं।

संबंधित जानकारी

- वर्ष 2018 में, पोलैंड में अमेरिकी जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में ज्ञात हुआ था कि 12 हिमालयी राज्य जैसे असम, अरुणाचल प्रदेश और उत्तराखंड आदि जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>अनुपस्थित मतदान</u>**

- यह किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा डाले गए मत को संदर्भित करता है जो मतदाताओं की उपस्थिति को बढ़ाने में मदद करने हेतु मतदान केंद्र तक जा सकने में सक्षम नहीं है।
- कुछ देशों में, मतदाता को अनुपस्थित मतदान में भाग लेने के लिए मतदान केंद्र तक न जा सकने का कारण बताने की आवश्यक्ता होती है।
- भारत में, केवल कुछ मतदाताओं के लिए डाक मतपत्र उपलब्ध हैं।
- जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 राज्यों के प्रमुखों और सशस्त्र बलों में सेवा देने वाले लोगो को डाक माध्यमों से मतदान करने की अनुमति प्रदान करता है।
- लोकसभा ने हाल ही में एन.आर.आई. के लिए प्रतिनिधि मतदान की अनुमति प्रदान करने हेतु एक विधेयक पारित किया है।
- हालांकि, भारत में स्वदेशी प्रवासी और अनुपस्थित मतदाता, डाक मत नहीं डाल सकते हैं।

नोट:

- प्रतिनिधि मतदान, मतदान का एक रूप है जिसके अंतर्गत निर्णय निर्माण निकाय का एक सदस्य किसी प्रतिनिधि को अपनी मतदान की शक्ति प्रदान कर सकता है, जिससे कि वह अनुपस्थिति में भी मतदान कर सके।
- प्रतिनिधि, समान निकाय अथवा बाहरी निकाय का अन्य सदस्य हो सकता है। एक नामित व्यक्ति को "प्रतिनिधि" कहा जाता है और उसे नामित करने वाले व्यक्ति को "प्रमुख" कहा जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>भारत में पिंक बॉलवॉर्म नियंत्रण से बाहर हो गया है।</u>**

- पिंक बॉलवॉर्म पूरे भारत में विशेषकर पश्चिम, मध्य और दक्षिणी भागों में रेशा फसलों को नष्ट कर रहा है।
- पिंक बॉलवॉर्म ने क्राइ1ए.सी. और क्राइ2ए.बी. के प्रति प्रतिरोध विकसित किया है, ये वर्तमान में भारत में पिंक बॉलवॉर्म से निपटने हेतु उपलब्ध दो जैव प्रौद्योगिक समाधान हैं।
- शोधकर्ताओं ने पिंक बॉलीवॉर्म से निपटने के लिए कपास के मौसम को छोटा करने, फसल के अवशेषों को नष्ट करने, गर्मी की जुताई को गहन करने, फसल के घूर्णन, संभोग विघटन, कीटनाशकों का प्रयोग करने का सुझाव दिया है।

संबंधित जानकारी

पिंक बॉलवॉर्म

- यह एक कीट है जिसे कपास की खेती में एक बीमारी के रूप में जाना जाता है।
- पिंक बॉलवॉर्म, एशिया से मूल संबंध रखता है लेकिन अब यह दुनिया के अधिकांश कपास उगाने वाले क्षेत्रों में एक आक्रामक प्रजाति बन गई है।
- मादा पतंगा, एक कपास की गेंदो में अंडे देता है और जब अंडे से लार्वा निकलता है तो ये उन्हें खाकर नुकसान पहुंचाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

6. **<u>अफ्रीका-भारत संयुक्त क्षेत्र प्रशिक्षण युद्धाभ्यास (एफिंडेक्स-19)</u>**

- यह भारतीय सेना और 16 अफ्रीकी देशों के मध्य आयोजित किया जाता है।
- एफिंडेक्स-19 का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र विशेषाधिकार के अंतर्गत व्यावहारिक और व्यापक चर्चा और सामरिक अभ्यास के माध्यम से मानवीय सुरंग सहायता (एच.एम.ए.) और शांतिपूर्ण संचालन (पी.के.ओ.) में भाग लेने वाले प्रतियोगियों को प्रशिक्षित करना है।
- यह संयुक्त युद्धाभ्यास अंतर्कार्यकारिता को प्राप्त करने और समन्वित परिचालन स्तर योजना एवं सामरिक स्तर के प्रशिक्षण के माध्यम से एक-दूसरे की कार्यप्रणालियां और रणनीतियों को सीखने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>आर.बी.आई द्वारा विदेशी मुद्रा स्वैप के माध्यम से ताजा तरलता समावेशन घोषणा की गई है।</u>**

- आर.बी.आई. ने पहली बार प्रणाली में तरलता को बढ़ाने के लिए एक नए उपकरण का उपयोग करने का निर्णय लिया है, जिसका उपयोग करके वह बैंकों से 5 बिलियन डॉलर का स्वैप सौदा खरीदेगा जो प्रणाली में लगभग 35,000 करोड़ रूपए का प्रवाह बनाने में सक्षम है।

संबंधित जानकारी

विदेशी विनिमय स्वैप

- वित्त में, एक विदेशी विनिमय स्वैप या एफ.एक्स. स्वैप दो अलग-अलग मूल्य तिथियों के साथ एक मुद्रा की समान राशि की एक साथ खरीद और बिक्री है (सामान्य रूप से प्रेषित करने हेतु) और विदेशी मुद्रा व्युतपन्नों का उपयोग कर सकते हैं।
- एक एफ.एक्स. स्वैप, एक निश्चित मुद्रा की रकम को विदेशी मुद्रा जोखिम को प्राप्त किए बिना किसी अन्य मुद्रा में निर्दिष्ट शुल्कों को निधि के लिए उपयोग करने की अनुमति देता है।
- यह उन कंपनियों को अनुमति देता है जिनके पास कुशलतापूर्वक प्रबंधन करने के लिए विभिन्न मुद्राओं में धन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. **पूरे अमेरिका में कहर बरसाने वाला बम चक्रवात क्या है?**

- एक शक्तिशाली तूफान प्रणाली के "बम चक्रवात" में बदलने की उम्मीद है, यह भविष्यवाणी की गई है कि केंद्रीय अमेरिका को तूफानी हवाओं और भारी बारिश का सामना करना पड़ सकता है।

संबंधित जानकारी

"बम चक्रवात" क्या है?

- एक तूफान को 'बम चक्रवात' माना जाता है जब दाब तेजी से कम होता है और 24 घंटों में कम से कम 24 मिलीबार तक कम हो जाता है।
- बम चक्रवात कमजोर पड़ने के बाद ध्रुवीय क्षेत्रों से भी हवाएं खींचते हैं। यह अमेरिका के वायु जमाव भागों की व्याख्या करता है।
- बम चक्रवात मूल रूप से गर्म हवा और ठंडी हवा की टक्कर से उत्पन्न होने वाला एक तूफान है, जो घूर्णन तूफान जैसे प्रारूप में विकसित होता है और दाब को एक विस्फोटक गहनता की ओर ले जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

18.03.2019

1. **भारत के पहले लोकपाल**

- सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एन.एच.आर.सी.) के वर्तमान सदस्य, पिनाकी चंद्र घोष के भारत के पहले भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल अथवा लोकपाल बनने की संभावना है।
- लोकपाल अधिनियम, जिसे वर्ष 2013 में एक देशव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बाद पारित किया गया था, जिसके अंतर्गत केंद्र में लोकपाल और राज्यों में लोकायुक्त की स्थापना का प्रावधान है।

संबंधित जानकारी

लोकपाल की नियुक्ति कौन करता है?

- एक पांच सदस्यीय पैनल लोकपाल का चयन करता है, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, विपक्ष के नेता, भारत के मुख्य न्यायाधीश और राष्ट्रपति द्वारा नामित एक प्रसिद्ध न्यायविद शामिल होता है।

लोकपाल अधिनियम 2013 की मुख्य विशेषताएं?

- यह अधिनियम केंद्र में लोकपाल नामक और राज्यों में लोकायुक्त नामक भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल की स्थापना को स्वीकृति प्रदान करता है।
- लोकपाल, एक अध्यक्ष और अधिकतम आठ सदस्यों से मिलकर बनेगा।
- लोकपाल में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री सहित सार्वजनिक नौकरों की सभी श्रेणियां शामिल होंगी।
- इस अधिनियम में अभियोजन लंबित होने पर भी भ्रष्ट साधनों द्वारा अर्जित की गई संपत्ति की कुर्की और जब्ती के प्रावधान शामिल हैं।

- राज्यों को इस अधिनियम के लागू होने के एक वर्ष के भीतर लोकायुक्त का गठन करना अनिवार्य होगा।
- सार्वजनिक नौकरों के लिए यह अनिवार्य किया गया है कि वे अपने पति या पत्नी और आश्रित बच्चों के साथ अपनी संपत्ति और देनदारियों की घोषणा करें।

लोकपाल की शक्तियाँ क्या हैं?

- लोकपाल द्वारा उसको संदर्भित किए गए मामलों में सी.बी.आई. सहित किसी भी जांच संस्था की जांच और निर्देशन की शक्ति लोकपाल के पास होगी।
- सी.बी.आई. का कोई भी अधिकारी लोकपाल द्वारा संदर्भित मामले की जांच कर रहा है, उसे लोकपाल की मंजूरी के बिना स्थानांतरित नहीं किया जाएगा।

नोट: सशस्त्र बल, लोकपाल के दायरे में नहीं आते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>स्कॉर्पीन पनडुब्बी खांदेरी</u>**

- नौसेना, इस वर्ष दूसरी स्कॉर्पीन पनडुब्बी, खांदेरी को शामिल करने के लिए तैयार है।

संबंधित जानकारी

- परियोजना 75 के अंतर्गत छः स्कॉर्पीन पनडुब्बियों का फ्रांसीसी नौसेना रक्षा एवं ऊर्जा कंपनी डी.सी.एन.एस. के सहयोग से मझगांव डॉक लिमिटेड (एम.डी.एल.), मुंबई में स्वदेशी रूप से निर्माण किया जा रहा है।
- इस परियोजना के वर्ष 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है।
- पनडुब्बियों के नाम हैं:

1. कलवरी श्रेणी की पहली पनडुब्बी दिसंबर, 2017 में सेवा में शामिल हुई थी।
2. खांदेरी श्रेणी की दूसरी पनडुब्बी मई, 2019 में शामिल की गई थी।
3. स्कॉर्पीन श्रृंखला में तीसरी पनडुब्बी करंज शामिल की गई थी।
4. अंतिम दो पनडुब्बियां वागिर और वग्शीर हैं।

मुख्य विशेषताएं

- ये एंटी-शिप मिसाइल से सुसज्जित डीजल-इलेक्ट्रिक लड़ाकू पनडुब्बियां हैं।
- पहली चार पनडुब्बियां पारंपरिक होंगी, जब कि अंतिम दो पनडुब्बियां वायु स्वतंत्र प्रणोदन प्रणाली से सुसज्जित होंगी, जो इन्हें लंबे समय तक पानी के अंदर रहने में सक्षम बनाएगा।

नोट: नौसेना ने पिछली बार जुलाई, 2000 में रूस से खरीदी गई एक पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी, आई.एन.एस. सिंधुशस्त्र को शामिल किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>बन्नेरघट्टा पारिस्थितिक-संवेदनशील क्षेत्र में कमी हुई है।</u>**

- पर्यावरण एवं वानिकी मंत्रालय (एम.ओ.ई.एफ.) की ई.एस.जेड. विशेषज्ञ समिति ने बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान के पारिस्थितिक-संवेदनशील क्षेत्र में लगभग 100 वर्ग किलोमीटर की कटौती करने की सिफारिश की है।
- यह संरक्षित क्षेत्रों के चारो-ओर एक विनियमित प्रतिरोधी क्षेत्र प्रदान करता है।
- ई.एस.जेड. दूरी के निरपेक्ष संरक्षित क्षेत्रों में 1 कि.मी. दायरे के भीतर उत्खनन और खनन गतिविधियों पर रोक लगाने का सर्वोच्च न्यायालय का फैसला है।
- अत: पूरे देश में संरक्षित क्षेत्रों के आसपास 1 कि.मी. का 'सुरक्षित क्षेत्र' पहले से ही स्थापित कर दिया गया है।

पारिस्थितिक-संवेदनशील क्षेत्र (ई.एस.जेड.)

- ई.एस.जेड. अथवा पारिस्थितिक रूप से कमजोर क्षेत्र पर्यावरण, वानिकी एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित क्षेत्र हैं।
- पारिस्थितिक-संवेदनशील क्षेत्र की न्यूनतम सीमा 100 मीटर और पार्क की बाउंड्री से शुरू करते हुए अधिकतम सीमा 4 कि.मी. तक की है।
- पारिस्थिक-संवंदनशील क्षेत्रों को अधिसूचित करने का उद्देश्य राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों जैसे संरक्षित क्षेत्रों (पी.ए.) के आसपास भविष्य के संरक्षण हेतु एक प्रतिरोधी का निर्माण करना है।

- वे उच्च संरक्षण वाले क्षेत्रों से निम्न संरक्षण वाले क्षेत्रों की ओर संक्रमण क्षेत्रों के रूप में भी कार्य करते हैं।

बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान

- बन्नेरघट्टा राष्ट्रीय उद्यान, कर्नाटक में बैंगलोर के निकट स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

4. **चक्रवात इडाई**

- तीव्र उष्णकटिबंधीय चक्रवात इडाई, वर्ष 2008 में जोकवे के बाद मोजाम्बिक से टकराने वाला सबसे मजबूत उष्णकटिबंधीय चक्रवात है।
- मोजाम्बिक, जिम्बाब्वे और मलावी, चक्रवात इडाई की चपेट में आ गए हैं।
- वैश्विक आपदा न्यूनीकरण एवं बहाली सुविधा (जी.एफ.डी.आर.आर.) के अनुसार, खराब मौसमों के संदर्भ में मोज़ाम्बिक, अफ्रीका का तीसरा सबसे अधिक जोखिम वाला देश है।

संबंधित जानकारी

वैश्विक आपदा न्यूनीकरण एवं बहाली सुविधा

- यह एक वैश्विक साझेदारी है जो विकासशील देशों की प्राकृतिक खतरों और जलवायु परिवर्तन के प्रति भेद्यता को बेहतर ढंग से समझने और कम करने में मदद करती है।
- इसे वर्ष 2006 में विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं और द्विपक्षीय दाताओं की वैश्विक साझेदारी के रूप में स्थापित किया गया था, जो वाशिंगटन, डी.सी. में विश्व बैंक मुख्यालय में स्थित है।
- यह सेंडाई आपदा जोखिम न्यूनीकरण ढांचे के कार्यान्वयन में भी योगदान देता है।
- यह देशों को विकासशील रणनीतियों और निवेश कार्यक्रमों में एकीकृत आपदा जोखिम प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन प्रदान करता है और आपदा से त्वरित और शीघ्र बहाली करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - आपदा प्रबंधन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **भारत और अमेरिका के मध्य देश-दर-देश (सी.बी.सी.) रिपोर्ट**

- भारत और अमेरिका अब किसी भी देश में स्थित अंतिम मूल निगमों द्वारा दायर की गई देश-दर-देश (सी.बी.सी.) रिपोर्ट का विनिमय कर सकते हैं।
- आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार, भारत में स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय समूह की वैकल्पिक रिर्पोटिंग इकाई अथवा मूल इकाई के अतिरिक्त, भारत में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय समूह की एक घटक इकाई देश-दर-देश (सी.बी.सी.) को तैयार करती है।
- कंपनी का मुख्यालय अमेरिका में स्थित है लेकिन भारत में परिचालन और कर देयता के लिए अब देश-दर-देश (सी.बी.सी.) रिपोर्ट दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है।
- ऐसी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के लिए अमेरिका में सी.बी.सी. रिपोर्ट दाखिल करना पर्याप्त होगा।
- यह मुख्य रूप से राजस्व और आयकर का भुगतान करने के संबंध में आई.टी. विभाग को ऐसी कंपनियों के संदर्भ में बेहतर परिचालन दृष्टिकोण प्रदान करता है।
- यह प्रावधान मूल क्षरण एवं लाभ स्थानांतरण (बी.ई.पी.एस.) कार्रवाही योजना का एक हिस्सा था और बाद में इसे आई-टी अधिनियम में भी शामिल किया गया था।

संबंधित जानकारी

मूल क्षरण एवं लाभ स्थानांतरण (बी.ई.पी.एस.)

- यह वैश्विक स्तर पर अधिक मानकीकृत कर नियमों को प्रदान करने के तरीकों की पहचान करने के लिए जी20 द्वारा अनुमोदित आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन की एक पहल है।
- यह कर नियोजन रणनीतियों का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक शब्द है जो विभिन्न न्यायालयों के कर नियमों के मध्य मौजूदा बेमेलता और अंतरों का शोषण करता हैं।
- यह निगम कर को कम करने हेतु किया गया है जिसका या तो लाभ निर्माण को "गायब" करके अथवा लाभों को निम्न कर न्यायालयों की ओर

स्थानांतरित करके कुल रूप से भुगतान किया जाता है, जहां पर कम अथवा न के बराबर वास्तविक गतिविधि होती है।

- यह विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय उद्यमों से निगम आयकर पर उनकी भारी निर्भरता के कारण विकासशील देशों के लिए प्रमुख महत्व रखता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण महासभा का चौथा अधिवेशन</u>**

- भारत ने **नैरोबी में आयोजित संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण महासभा (यू.एन.ई.ए.) के चौथे सत्र** में एकल-उपयोग प्लास्टिक और सतत नाइट्रोजन प्रबंधन से संबंधित दो महत्वपूर्ण वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दों पर संकल्प लिया था।
- चौथे यू.एन.ई.ए. की थीम **पर्यावरणीय चुनौतियों और सतत उत्पादन एवं खपत हेतु अभिनव समाधान** थी।

महत्व

- वैश्विक नाइट्रोजन उपयोग दक्षता कम है जो नाइट्रोजन से अभिक्रिया करके प्रदूषण के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती है, जो मानव स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के लिए खतरा पैदा करता है और जलवायु परिवर्तन एवं समताप मंडल ओजोन क्षरण में योगदान देता है।
- विश्व स्तर पर उत्पादित की जाने वाली प्लास्टिक का केवल एक छोटा सा हिस्सा पुनर्नवीनीकृत किया जाता है, जिसका अधिकांश भाग पर्यावरण और जलीय जैव विविधता को नष्ट करता हैं।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण महासभा (यू.एन.ई.ए.)

- यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का शासी निकाय है।
- यह पर्यावरण पर विश्व का सर्वोच्च स्तर का निर्णायक निकाय है।
- वैश्विक पर्यावरण नीतियों और अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण कानून विकसित करने हेतु प्रत्येक दो वर्षों में पर्यावरण महासभा का आयोजन किया जाता है।
- इसका गठन जून, 2012 में संयुक्त राष्ट्र सतत विकास सम्मेलन के दौरान किया गया था, जिसे रियो+ 20 के रूप में भी संदर्भित करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वूपर्ण संगठन

स्रोत- पी.आई.बी.

7. **<u>ऑपरेश सनराइज</u>**

- भारतीय और म्यांमार की सेनाओं ने ऑपरेशन सनराइज नामक एक समन्वित ऑपरेशन में म्यांमार में एक विद्रोही समूह से संबंधित कम से कम 10 शिविरों को नष्ट कर दिया है, जो पड़ोसी देश में भारत की मेगा कलादान परियोजना के लिए खतरा बन गया था।

संबंधित जानकारी

कलादान बहुविध पारगमन परिवहन परियोजना

- यह परियोजना "लुक ईस्ट नीति" का एक हिस्सा है।
- इस परियोजना में, उत्तर-पूर्वी राज्यों और आसियान क्षेत्र के मध्य कनेक्टिविटी को प्रमुख प्राथमिकता प्रदान की गई है।
- भारत, म्यांमार में सित्तवे बंदरगाह का विकास कर रहा है और इसके अतिरिक्त भारत ने कलादान बहुविध पारगमन परिवहन परियोजना के कार्यान्वयन की सुविधा हेतु अप्रैल, 2008 में म्यांमार के साथ एक ढांचा समझौता किया था।
- म्यांमार के अशांत राखीन प्रांत में कलादान नदी के मुहाने पर स्थित सित्तवे बंदरगाह है, जो उत्तर पूर्व में मिज़ोरम के साथ संपर्क बढ़ाने के लिए है।
- पैलेटवा में स्थित एक नदी टर्मिनल, बड़ी परियोजना का हिस्सा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>माइक्रोसॉफ्ट ने भारत के स्वच्छ भारत मिशन को बढ़ावा देने के लिए 'संगम' परियोजना की शुरूआत की है।</u>**

- माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि उसने अपनी 'संगम' परियोजना को बढ़ावा देने हेतु आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय के साथ भागीदारी की है, इस परियोजना का विकास भारत में स्वच्छ भारत मिशन को (एस.बी.एम.) को गति प्रदान करने हेतु किया गया है।

- इस परियोजना का उद्देश्य स्वच्छ भारत ई-लर्निंग पोर्टल पर पूरे भारत में पदाधिकारियों और अधिकारियों को प्रशिक्षित करना है।
- माइक्रोसॉफ्ट की परियोजना संगम, एक क्लाउड-होस्टेड, प्रथम मोबाइल सामुदायिक शिक्षण मंच है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

9. **<u>आर.बी.आई. ने आई.डी.बी.आई. को एक निजी बैंक के रूप में वर्गीकृत किया है, जब कि एस.बी.आई., आई.सी.आई.सी.आई. और एच.डी.एफ.सी. को डी.-एस.आई.बी. के रूप में रखा है।</u>**

- आई.डी.बी.आई. बैंक को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा 21 जनवरी, 2019 से एक निजी क्षेत्र के बैंक के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- यह कदम भारतीय जीवन बीमा निगम (एल.आई.सी.) द्वारा किए अधिग्रहण के बाद लिया गया है। एल.आई.सी., बैंक की कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का 51 प्रतिशत का अधिग्रहण कर रहा है।
- आर.बी.आई. ने कहा है कि भारतीय स्टेट बैंक, आई.सी.आई.सी.आई. और एच.डी.एफ.सी. बैंक की पहचान स्वदेशी संतुलित महत्वपूर्ण बैंकों (डी.-एस.आई.बी.) के रूप में की जाएगी। डी.-एस.आई.बी. का अर्थ है कि एक बैंक इतना बड़ा बड़ा है कि वह विफल नहीं हो सकता है।

नोट: वर्तमान में, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की संख्या 20 है।

संबंधित जानकारी

- वर्ष 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद यह देखा गया कि कुछ निश्चित बड़े और उच्च पारस्परिक वित्तीय संस्थानों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं ने वित्तीय प्रणाली के क्रमिक कामकाज में बाधा उत्पन्न कर दी थी, जो बदले में वास्तविक अर्थव्यवस्था को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही थी।
- ऐसे संस्थानों की पहचान करने और उनके लिए उच्च पूंजी आवश्यकताओं को निर्धारित करने का निर्णय लिया गया था।
- आर.बी.आई. ने एक प्रणाली अपनाई थी जिसके द्वारा बैंकों को एक ऋणदाता के प्रणालीगत महत्व के स्कोर के आरोही क्रम के आधार पर चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया था।
- बैंकिंग विनियामक ने ऐसी इकाईयों के लिए अतिरिक्त सामान्य इक्विटी श्रेणी 1 (सी.ई.टी. 1) के पदों में उच्च पूंजी आवश्यकताओं को निर्धारित किया है।
- आर.बी.आई. ने अगस्त, 2015 से डी.-एस.आई.बी. को सूचीबद्ध करना शुरू कर दिया है।
- ढांचे को केंद्रीय बैंक को 2015 से शुरू होने वाले डी.-एस.आई.बी. के रूप में नामित बैंकों के नामों का खुलासा करने की आवश्यकता है और इन बैंकों को उनके प्रणालीगत महत्व के स्कोर (एस.आई.एस.) के आधार पर उपयुक्त श्रेणियों में रखने की आवश्यक्ता है।

19.03.2019

1. **<u>विश्व की दो-तिहाई जनसंख्या पानी की कमी वाले क्षेत्रों में रहती है: वाटरएड रिपोर्ट</u>**

- वाटरएड की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, विश्व में लगभग 4 बिलियन लोग भौतिक रूप से पानी की कमी वाले क्षेत्रों में रहते हैं और 844 मिलियन लोगो को घर के नजदीक स्वच्छ पानी तक पहुँच नहीं प्राप्त है।
- वर्ष 2050 तक इस संख्या के बढ़कर 5 बिलियन तक होने की उम्मीद है।
- रिपोर्ट, सतह के नीचे: द स्टेट ऑफ़ द वर्ल्ड्स वॉटर 2019 को 22 मार्च, 2019 को विश्व जल दिवस के अवसर पर लांच किया जाएगा, स्थायी उत्पादन और बुद्धिमानी पूर्ण ढंग से प्रयोग करने हेतु जल पदचिन्ह को संबोधित करने हेतु इसे लांच किया जाएगा।
- विश्व में जल संकट गंभीर होता जा रहा है, फिर भी विश्व स्तर पर हम आज एक दिन में उतने पानी के 6 गुने पानी का प्रयोग कर रहे हैं, जितना पानी हम 100 वर्ष पहले एक दिन में

प्रयोग करते थे। यह जनसंख्या में वृद्धि और हमारे भोजन एवं उपभोक्ता की आदतों में होने वाले परिवर्तन का परिणाम है।

- वर्ष के कम से कम एक हिस्से के दौरान पानी की कमी वाले क्षेत्रों में रहने वाले 1 बिलियन लोगो के साथ और उच्च से बदतर जल संकट के क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 600 मिलियन लोगो के साथ भारत गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है।

भारत में भूजल के स्तर में भारी गिरावट

- 24 प्रतिशत के साथ पूरे विश्व में भारत, निकाले गए भूजल का सबसे अधिक प्रयोग करता है, भारत, चीन और अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से प्रयोग किए जाने वाले भूजल की मात्रा से अधिक भूजल का प्रयोग करता है।
- वर्ष 2000 और 2010 के मध्य भूजल के स्तर में कमी की दर में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- इसके अतिरिक्त, भारत कुल वैश्विक उत्पादन के 12 प्रतिशत के साथ भूजल का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है।
- भारत वर्तमान में जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों के मध्य 120 वें स्थान पर है, जिसमें से 75 प्रतिशत ऐसे परिवार शामिल हैं, जिनके घर के नजदीक पानी की कमी है।
- जैसा कि भारत सरकार, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 6 के लिए प्रतिबद्ध है, जिसके अंतर्गत यह वादा किया गया है कि वर्ष 2030 तक प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पानी तक अच्छी स्वच्छता और बेहतर सफाई तक पहुँच प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

2. **<u>भारत, ड्राई आई (शुष्क नेत्र) बीमारी की महामारी की कगार पर है।</u>**

- वर्ष 2010 से 2018 के मध्य तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा और कर्नाटक में 200 स्थानों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि भारत शुष्क नेत्र रोग महामारी की कगार पर है।
- वर्ष 2030 तक शुष्क नेत्र रोग का प्रसार शहरी आबादी के लगभग 40% हिस्से तक हो जाएगा।

अध्ययन की मुख्य विशेषताएं

- अध्ययन में पाया गया कि शुष्क नेत्र रोग की शुरुआत महिलाओं की तुलना में पुरुषों में शीघ्र होती है।
- पुरुषों में इस रोग के होने की प्रारंभिक आयु 20 से 30 वर्ष जब कि महिलाओं में इस रोग के शुरू होने की प्रारंभिक आयु 50 से 60 वर्ष होती है।
- महिलाओं में 50 और 60 वर्ष की आयु में इस बीमारी के अधिकतर मामलों के लिए संभावित कारण हार्मोनल असंतुलन हो सकता है।

संबंधित जानकारी

शुष्क नेत्र रोग

- शुष्क नेत्र रोग, अपर्याप्त आंसू उत्पादन (जल की कमी), वाष्पीकरण या मिश्रित प्रकार के कारण आंसू फिल्म अस्थिरता के कारण हो सकता है।
- शुष्क नेत्र, विशेष रूप से पुराने वयस्कों में एक सामान्य और प्राय: पुरानी समस्या है।
- शुष्क आँख का सबसे सामान्य रूप तब होता है जब आँसुओं की पानी की परत अपर्याप्त होती है। इस स्थिति को किराटो कंजक्टिवाइटिस सिक्का (के.सी.एस.) कहते हैं, इसे प्राय: शुष्क नेत्र सिंड्रोम के नाम से भी संदर्भित करते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>अंतर्राष्ट्रीय आपदा रोधी ढांचा कार्यशाला</u>**

- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एन.डी.एम.ए.) द्वारा संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय (यू.एन.आई.एस.डी.आर.) के सहयोग से और वैश्विक अनुकूलन आयोग, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और विश्व बैंक के साथ साझेदारी में अंतर्राष्ट्रीय आपदा रोधी ढांचा कार्यशाला (आई.डब्ल्यू.डी.आर.आई.) का आयोजन किया गया था।

कार्यशाला का उद्देश्य है:

- प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में आपदा जोखिम प्रबंधन की अच्छी प्रथाओं को पहचानना,

- डी.आर.आई. (परिवहन, ऊर्जा, दूरसंचार और जल) पर सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए विशिष्ट क्षेत्रों और मार्गों की पहचान करना,
- अगले तीन वर्षों के लिए काल्पनिक कार्यान्वन योजना के साथ ही आपदा रोधी ढांचे (सी.डी.आर.आई.) के लिए गठबंधन की व्यापक रूपरेखा पर चर्चा और सह-निर्माण करना,
- सामान्य हितों के क्षेत्रों पर काम करने और विशिष्ट प्रतिबद्धताएं बनाने हेतु सदस्यों के लिए एक मंच का निर्माण करना

संबंधित जानकारी

- सेंडाई आपदा जोखिम न्यूनीकरण ढांचा (एस.एफ.डी.आर.आर.), 2015-2030 जो 2015 के बाद के विकास के एजेंडे का पहला बड़ा समझौता है, लचीलेपन के लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण (डी.आर.आर.) में निवेश की पहचान करता है और आपदा जोखिम को कम करने की दिशा में कार्रवाई के लिए प्राथमिकताओं के रूप में पुनर्निर्माण में बेहतर निर्माण करता है।
- समान प्रकार से सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) का लक्ष्य 9, आर्थिक प्रगति और विकास के महत्वपूर्ण चालक के रूप में आपदा रोधी ढांचे की पहचान करता है।
- पहली अंतर्राष्ट्रीय आपदा रोधी ढांचा कार्यशाला (आई.ढब्ल्यू.डी.आर.आई.2018) जनवरी, 2018 में आयोजित हुई थी।
- भारत ने वर्ष 2016 में नई दिल्ली में आयोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर एशियाई मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के तुरंत बाद एक सी.डी.आर.आई. के निर्माण की घोषणा की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– आपदा प्रबंधन

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>टी.ए.वी.आर.- ओपन-हार्ट सर्जरी का एक व्यवहार्य विकल्प है।</u>**

- एक बहुकेंद्रीय नैदानिक परीक्षण में पाया गया है कि ट्रांसकैथेटर महाधमनी वाल्व प्रतिस्थापन (टी.ए.वी.आर.) ने गंभीर महाधमनी संकीर्णता से पीड़ित निम्न-जोखिम मरीज में ओपन-हर्ट सर्जरी की अपेक्षा बेहतर कार्य किया है।
- सर्जरी की तुलना में टी.ए.वी.आर. में मृत्यु, स्ट्रोक या अस्पताल में पुन: भर्ती होने का खतरा महत्वूपर्ण से कम होता है।
- ओपन हार्ट सर्जरी में, प्रक्रिया हेतु छाती को शल्य चिकित्सकीय रूप से पृथक (खोल) कर दिया जाता है जब कि टी.ए.वी.आर. प्रक्रिया में समान कार्य को एक बहुत छोटे छेद के माध्यम से किया जा सकता है, जो छाती की सभी हड्डियों को उनके स्थान पर छोड़ देता है।
- ओपन-हार्ट सर्जरी की तुलना में टी.ए.वी.आर. में मरीज के ठीक होने में लगने वाला समय कम होता है और हृदयघात आने और मृत्यु होने का भी न्यूनतम जोखिम रहता है।

संबंधित जानकारी

महाधमनी वाल्व रोग

- महाधमनी वाल्व रोग एक ऐसी स्थिति है जिसमें हृदय के मुख्य पंपिंग चैंबर (बाएं निलय) और शरीर की मुख्य धमनी (महाधमनी) के बीच का वाल्व ठीक से काम नहीं करता है।
- महाधमनी वाल्व रोग, जन्म (जन्मजात हृदय रोग) से मौजूद एक रोग हो सकता है अथवा यह अन्य कारणों से भी हो सकता है।
- धमनियां, रक्त वाहिकाएं होती हैं जो हृदय से शरीर के ऊतकों तक ऑक्सीजन युक्त रक्त पहुंचाती हैं।
- जबकि फेफड़े की धमनियों को छोड़कर जो निम्न दबाव में हृदय से फेफड़ों तक कम ऑक्सीजन वाला रक्त ले जाती हैं, जो इन धमनियां अद्वितीय बनाता हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>नवीकरणीय लक्ष्य को पूरा करने में मदद करने हेतु नई जल नीति</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक नई पनबिजली नीति को मंजूरी प्रदान की है जिसमें अन्य चीजों के अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा के दायरे में बड़ी पनबिजली परियोजनाएं शामिल थीं।

संबंधित जानकारी

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र

- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी, 2019 तक भारत के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की स्थापित क्षमता 75,055.92 मेगावाट थी।
- फरवरी, 2019 से पहले नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा:

किस प्रकार जल नीतियों ने भारत के ऊर्जा क्षेत्र के आंकणों को परिवर्तित किया:

स्थापित क्षमता

How the hydro policy has changed India's energy mix numbers

Installed Capacity

	Before policy	After policy
Renewabe sources (in MW)	75,055.92	1,20,455.14
Renewable sources (% share in energy mix)	21.43	34.40

Share within renewables (in %)

Source	Before policy	After policy
Hydro	6.03	41.45
Wind	47.02	29.30
Bio-power	12.28	7.65
Solar	34.68	21.61

SOURCE: CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY, GOVERNMENT OF INDIA

स्रोत: केंद्रीय विफ़त प्राधिकरण, भारत सरकार

- यह पुनवर्गीकरण वर्ष 2022 तक भारत की 175 गीगावॉट के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में त्वरित रूप से मदद करेगा।
- इस नीति से होने वाला एक और लाभ यह हो सकता है कि सतलज जल विकास निगम (एस.जे.वी.एन.) जैसी राज्य द्वारा संचालित पनबिजली कंपनियों के शेयर की कीमतों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- ऊर्जा क्षेत्र

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>अंडमान में मछली पकड़ने और प्रवाल भित्ति में कमी आने से पैरटफिश के प्रति खतरा पैदा हो गया है।</u>**

- अध्ययन में यह पाया गया है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मौजूदा संरक्षित समुद्री क्षेत्रों के किनारे प्रवाल क्षेत्र संरक्षण, बंपहेड पैरटफिश के संरक्षण हेतु आवश्यक है।

संबंधित जानकारी

बंपहेड (कूबड़ सिर) पैरटफिश

- बंपहेड पैरटफिश, प्रवाल भित्ति पारिस्थिकी तंत्र का महत्वपूर्ण घटक है लेकिन यह वैश्विक स्तर पर अत्यधिक लुप्तप्राय है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ की रेड लिस्ट में ल्रप्तप्राय के रूप में वर्गीकृत किया गया है।
- यह मछली एक अत्यधिक बेशकीमती संसाधन है लेकिन भारतीय जल में इसके वितरण और प्रचुरता के बारे में सीमित ज्ञान के कारण इस पर खतरा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>प्रदूषण: 6 राज्यों को एक कार्य योजना प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।</u>**

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) ने छह राज्यों को निर्धारित मानदंडों के अंतर्गत वायु गुणवत्ता मानकों के लिए कार्य योजनाओं को 30 अप्रैल तक जमा करने का निर्देश दिया है।
- एन.जी.टी. अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल ने असम, झारखंड, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तराखंड और नागालैंड सरकारों के मुख्य सचिवों को निर्धारित समयसीमा के भीतर अपनी कार्य योजना प्रस्तुत करने का आदेश दिया है।
- अधिकरण ने चेतावनी दी है कि यदि निर्दिष्ट समयसीमा के भीतर कार्ययोजनाओं को क्रियान्वित नहीं किया जाता है तो चूककर्ता राज्य, पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी होंगे और केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सी.पी.सी.बी.) से प्राप्त सिफारिशों के अनुसार विस्तारित समयसीमा में योजनाओं के निष्पादन के लिए उन्हें प्रदर्शन की गारंटी भी देनी पड़ सकती है।
- सी.पी.सी.बी. ने हरित पैनल को यह सूचित किया कि 102 शहरों में से 83 शहरों से एक कार्य योजना प्राप्त हुई है, जबकि 19 शीरों ने कार्य योजना प्रस्तुत नहीं की है, उसके बाद यह निर्णय लिया गया है।

संबंधित जानकारी

- उनके अधिक उपयोग के कारण सीमित प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उत्पन्न खतरे से चिंतित

अधिकरण ने दिल्ली सहित 102 शहरों की क्षमता के आकलन का निर्देश दिया है, जहां वायु गुणवत्ता, राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करती है।

- "वहन करने की क्षमता" की अवधारणा इस सवाल को संबोधित करती है कि कितने लोगों को किसी भी क्षेत्र में पर्यावरण को ख़राब करने के जोखिम के बिना अनुमति दी जा सकती है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

20.03.2019

1. **<u>मित्र शक्ति- VI: भारत-श्रीलंका संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास</u>**

- मित्र शक्ति युद्धाभ्यास प्रत्येक वर्ष भारत और श्रीलंका की सेनाओं के मध्य सैन्य कूटनीति और बातचीत के हिस्से के रूप में आयोजित किया जाता है।
- इस युद्धाभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों की सेनाओं के मध्य घनिष्ठ संबंध बनाना और उन्हें बढ़ावा देना है और दोनों देशों की सैन्य टुकड़ियों को कमान के अंतर्गत लेने के लिए संयुक्त युद्धाभ्यास की क्षमता को बढ़ाना है।
- इस युद्धाभ्यास में संयुक्त राष्ट्र शासनादेश के अंतर्गत एक अंतर्राष्ट्रीय विद्रोह विरोधी और आतंकवाद विरोधी वातावरण में सामरिक स्तर के ऑपरेशन शामिल होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>एबेल पुरस्कार</u>**

- गणित के क्षेत्र के एबेल पुरस्कार से अमेरिका की करेन उहलेनबेक को सम्मानित किया गया है, वह पहली महिला हैं जिन्हें ज्यामितीय विश्लेषण और गॉज सिद्धांत में आधारभूत कार्य हेतु इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

संबंधित जानकारी

एबेल पुरस्कार

- एबेल पुरस्कार को वार्षिक रूप से नार्वे विज्ञान एवं वर्ण अकादमी द्वारा एक या एक से अधिक उत्कृष्ट गणितज्ञों को प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार का नाम 19 वीं शताब्दी के नार्वे के गणितज्ञ नील्स हेनरिक अबेल के नाम पर रखा गया है।
- यह गणित के क्षेत्र में विश्व के शीर्ष पुरस्कारों में से एक है और इसे गणित के नोबेल पुरस्कार के रूप में माना जाता है, गणित के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार नहीं प्रदान किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– महत्वपूर्ण पुरस्कार

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>भारत-इंडोनेशिया कॉरपैट के 33वें संस्करण की शुरूआत पोर्ट ब्लेयर में की गई है।</u>**

- भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्त के 33वें संस्करण का आयोजन पोर्ट ब्लेयर में किया गया है।
- इसके अंतर्गत दोनों देशों के जहाज और विमानों ने 236 समुद्री मील लंबी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के सापेक्षिक तरफ गश्त में भाग लिया है।

संबंधित जानकारी

- रणनीतिक साझेदारी के अंतर्गत, दोनों देशों की नौसेनाएं हिंद महासागर क्षेत्र को वाणिज्यिक नौवहन और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु सुरक्षित और संरक्षित बनाए रखने के प्रयास में वर्ष 2002 से अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के निकट प्रत्येक वर्ष में दो बार समन्वित गश्त का आयोजन कर रही हैं।
- यह केंद्र सरकार के सागर (क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और विकास) के दृष्टिकोण का एक हिस्सा है और हिंद महासागर की समुद्री चिंताओं को संबोधित करने हेतु भारतीय नौसेना बहुत तेजी से `एक्ट ईस्ट नीति' लागू कर रही है।

नोट- भारत-इंडोनेशिया कारपैट, भारत-इंडोनेशिया कूटनीतिक संबंधों के 70 वर्षों के साथ मेल खाता है, जो अंतर-संचालन को मजबूत करने और समुद्र पर मित्रता को सुदृढ़ करने के भारतीय नौसेना के प्रयासों में योगदान देगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>परिसीमन</u>**

- परिसीमन का उपयोग सामान्यत: हाल की जनगणना के आधार पर विधानसभा और लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के निर्धारण के संदर्भ में किया जाता है।
- संविधान के अनुच्छेद 82 के अनुसार, कानून के द्वारा संसद प्रत्येक जनगणना के बाद एक परिसीमन अधिनियम लागू करती है।
- आयोग, अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का सीमांकन करता है।
- निर्वाचन क्षेत्रों का वर्तमान परिसीमन 2001 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर किया गया है और यह 2009 के संसदीय चुनावों के बाद से उपयोग किया गया है।
- 2002 के एक संवैधानिक संशोधन के अनुसार, 2026 के बाद पहली जनगणना तक निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन नहीं किया जाएगा।
- लोकसभा में राज्यों के लिए सीटों का मौजूदा आवंटन, 1971 की जनगणना के आधार पर किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>सौर सुनामी, सूर्य के सनस्पॉट चक्र को बढ़ा सकती है।</u>**

- हाल ही में सौर भौतिकविदों के एक समूह ने सुझाव दिया है कि एक "सौर सुनामी" सक्रिय है जो पुराने सनस्पॉट चक्र के समाप्त होने के बाद नए सनस्पॉट चक्र को शुरू करेगी।
- ऐसा माना जाता है कि "सौर डायनमो" प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाला जनरेटर है जो सूर्य में विद्युत और चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न करता है, वह सनस्पॉट के उत्पादन से संबंधित है।

संबंधित जानकारी

सौर सुनामी के संदर्भ में जानकारी:

- सौर सुनामी की खोज वर्ष 1997 में सौर एवं हेलिओस्फेरिक वेधशाला द्वारा की गई थी।
- सौर सुनामी, पृथ्वी के प्रति कोई प्रत्यक्ष खतरा पैदा नहीं करती हैं लेकिन ये सूर्य पर स्थितियों का निदान करने के लिए अध्ययन करने हेतु महत्वपूर्ण हैं।
- सूर्य में एक चक्रवाती चुंबकीय क्षेत्र होता है, जिससे सनस्पॉट उत्पन्न होते हैं।
- इन क्षेत्रों को अपने स्थान पर रखने हेतु प्लाज्मा के एक बड़े द्रव्यमान को संगहित करने हेतु उच्च अक्षांशों से अतिरिक्त द्रव्यमान (प्लाज्मा द्रव्यमान) की आवश्यकता होती है, जिससे एक चुबकीय बांध बनता है।
- एक सौर चक्र के अंत में यह चुंबकीय बांध टूट सकता है, जिससे ध्रुवों की ओर सुनामी की तरह व्यापक रूप से अत्यधिक मात्रा में प्लाज्मा बहना शुरू होता है।
- ये सुनामी लहरें लगभग 1000 कि.मी. प्रति घंटे की उच्च गति से यात्रा करती हैं, जो अतिरिक्त प्लाज्मा को मध्य अक्षांशों तक ले जाती हैं।
- वहाँ वे चुंबकीय प्रवाह विस्फोटों को जन्म देती हैं और इन्हें चमकीले धब्बों के रूप में देखा जाता है जो सूर्य के अगले चक्र के शुरू होने का संकेत देते हैं।

सनस्पॉट

- सनस्पॉट, सूर्य के प्रभामंडल पर घटित होने वाली अस्थायी परिघटनाएं हैं जो चारों ओर के क्षेत्र से गहरे धब्बों के रूप में दिखाई देते हैं।
- वे चुंबकीय क्षेत्र प्रवाह की सांद्रता के कारण निम्न सतह तापमान के क्षेत्र हैं जो संवहन को रोकते हैं।
- वैज्ञानिकों द्वारा विकसित मॉडल के अनुसार, अगले सनस्पॉट चक्र के वर्ष 2020 में शुरू होने की आशा है।
- सूर्य के अतिरिक्त अन्य सितारों पर अप्रत्यक्ष रूप से समान परिघटना को देखा जा सकता है जिसे स्टार स्पॉट के नाम से जाना जाता है।

सूर्य का वायुमंडल

सूर्य की सतह के ऊपर इसका वायुमंडल स्थित है, जिसमें तीन भाग शामिल हैं-

- **फोटोस्फेयर**- सूर्य के वायुमंडल का सबसे भीतरी हिस्सा और यह एकमात्र भाग है जिसे हम देख सकते हैं।

- **क्रोमोस्फीयर (वर्णमंडल)-** फोटोस्फेयर और कोरोना के मध्य का क्षेत्र होता है। यह फोटोफेयर की तुलना में गर्म होता है।
- **कोरोना-** सबसे गर्म सबसे बाहरी परत होती है, जो क्रोमोस्फेयर से कई मिलियन मील की दूरी तक बाहर की ओर फैली हुई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **सैरी-अर्का-एंटीटेरर 2019: एस.सी.ओ. का संयुक्त आतंकवाद विरोधी युद्धाभ्यास**

- भारत, पाकिस्तान और शंघाई सहयोग संगठन के अन्य सदस्य देश 2019 में आतंकवाद विरोधी युद्धाभ्यास सैर-अर्का-एंटीटेरर में संयुक्त रूप से भाग लेंगे।
- ताशकंद में आयोजित एस.सी.ओ. की क्षेत्रीय आतंकवाद-विरोधी संरचना (आर.ए.टी.एस.) परिषद की 34वीं बैठक के दौरान संयुक्त युद्धाभ्यास सैरी-अर्का-एंटीटेरर 2019 की घोषणा की गई थी।

संबंधित जानकारी

शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.)

- यह यूरेशियाई राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा संगठन है।
- शंघाई, चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस और ताजिकिस्तान में सीमा क्षेत्रों में सैन्य विश्वास को गहन करने पर संधि पर हस्ताक्षर के साथ 26 अप्रैल, 1996 को शंघाई पांच सदस्यों का समूह बनाया गया था।
- 2001 में, शंघाई में वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था। वहां पांच सदस्यीय राष्ट्रों ने शंघाई पांच समूह तंत्र में उज्बेकिस्तान को स्वीकार (इस तरह इसे शंघाई छह में बदल दिया गया) किया था।
- भारत और पाकिस्तान 9 जून, 2017 को कजाकिस्तान के अस्ताना में पूर्ण सदस्य के रूप में एस.सी.ओ. में शामिल हो गए थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **मिजोरम ने "अवैध प्रवासियों" का पता लगाने के लिए विधेयक पारित किया है।**

- मिजोरम विधानसभा ने मिजोरम रखरखाव घरेलू रजिस्टर बिल, 2019 को पारित किया है।
- विधेयक में उत्तर-पूर्वी राज्य में अवैध रूप से रहने वाले विदेशियों का पता लगाना है क्यों कि यह कई दशकों से एक गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

बिल की विशेषताएं

- यह "नागरिकों" को एक ऐसे पंजीकृत व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है जो नागरिकता अधिनियम, 1955 के अंतर्गत निर्धारित योग्यता या अपेक्षित योग्यता रखता है।
- घरेलू रजिस्टर को नामित अधिकारियों के साथ-साथ ग्राम परिषदों, नगर निकायों और नगर समुदायों द्वारा प्रबंधित किया जाएगा।
- जिस रजिस्टर को प्रत्येक तीन महीने में अपडेट करना है, उनकी दो श्रेणियां होंगी,

1. नागरिक निवासियों के लिए और
2. गाँव के गैर-नागरिक निवासियों के लिए

- यह मिजोरम के सभी निवासियों के संबंध में एक व्यापक डेटाबेस विकसित करेगा- चाहे वे गांवों में हो या कस्बों में और चाहे स्थायी हो या अस्थायी हो और इसके उन्नयन और रखरखाव को सुनिश्चित करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **मनरेगा योजना कई मामलों में विफल रही है: रिपोर्ट**

- नीति अनुसंधान केंद्र (सी.पी.आर.) द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि, पिछले पांच वर्षों में, मनरेगा योजना के अंतर्गत प्रति परिवार में उत्पन्न कार्य के औसत व्यक्ति दिन 50 से कम हैं।
- इस रिपोर्ट में इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला गया है कि पिछले पांच वर्षों में उत्पन्न होने वाले कार्य के औसत व्यक्ति दिनों में कमी आती गई है।

- यह कमी 2013-14 से शुरू हो गई थी और लगातार बनी रही थी क्यों कि कार्यक्रम के लिए कोई पैसा ही नहीं था।
- इसी समय, सामग्री की लागत और दैनिक मजदूरी भी बढ़ रही थी। यह मनरेगा के अंतर्गत प्रति परिवार उत्पन्न कार्य के व्यक्ति दिनों में कमी होने का कारण है।

सम्बंधित जानकारी

मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम)

- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम 2005 (नरेगा), जिसे बाद में "मनरेगा" नाम दिया गया था।
- यह एक भारतीय श्रम कानून और सामाजिक सुरक्षा उपाय है।
- इसे 2 फरवरी, 2006 को शुरू किया गया था।
- इसने 'काम के अधिकार' की गारंटी प्रदान करता है।
- एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों का वेतन रोजगार प्रदान करता है।
- प्रत्येक परिवार में जिसके वयस्क सदस्य अकुशल मैनुअल काम करते हैं, उन्हें रोजगार प्रदान किया जाएगा।
- यह ग्रामीण विकास मंत्रालय (एम.ओ.आर.डी.) द्वारा संचालित सबसे बड़ी योजना है।
- इसे मुख्य रूप से ग्राम पंचायतों (जी.पी.) द्वारा लागू किया जाना था।

22.03.2019

1. **<u>विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2019</u>**

- संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क ने विश्व खुशहाली रिपोर्ट 2019 जारी की है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- भारत ने पिछले वर्ष की तुलना में 7 स्थान फिसलकर 140वां स्थान प्राप्त किया है।
- पूरे विश्व में फिनलैंड को सबसे खुशहाल देश के रूप में घोषित किया है, इसके बाद डेनमार्क और नॉर्वे का स्थान है।
- पाकिस्तान 67वें, भूटान 95वें, चीन 93वें, बांग्लादेश 125वें और श्रीलंका 130वें स्थान पर रहा है जब कि विश्व खुशहाली रिपोर्ट में दक्षिण सूडान को अंतिम स्थान प्रदान किया गया है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि यहां पर नकारात्मक भावनाओं में वृद्धि हुई है, जिसमें पूरे विश्व की चिंता, उदासी और गुस्सा भी शामिल है और पिछले कुछ वर्षों में समग्र रूप से वैश्विक खुशहाली में कमी आयी है।
- विश्व खुशहाली रिपोर्ट, खुशी और जनकल्याण को बढ़ाने के लिए विश्व की सरकारों और व्यक्तियों को सार्वजनिक नीतियों और व्यक्तिगत जीवन विकल्पों पर पुनर्विचार करने का अवसर प्रदान करती है।
- यह रिपोर्ट जनकल्याण का समर्थन करने वाले छह प्रमुख चरों के आधार पर देशों को स्थान प्रदान करती है:
  (i) आय
  (ii) स्वतंत्रता
  (iii) विश्वास
  (iv) स्वस्थ जीवन प्रत्याशा
  (v) सामाजिक समर्थन
  (vi) उदारता

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>स्पाइसजेट, वैश्विक विमान सेवा समूह आई.ए.टी.ए. में शामिल हुआ है।</u>**

- स्पाइसजेट, आई.ए.टी.ए. में शामिल होने वाली पहली भारतीय बजट जहाज कंपनी बन गई है, आई.ए.टी.ए. में सदस्यों के रूप में 290 विमान सेवाएं शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आई.ए.टी.ए.)

- यह विश्व की विमान सेवाओं का व्यापारिक संघ है, जो कुल हवाई यातायात के लगभग 82% का योगदान देता है।
- इसका मुख्यालय मॉन्ट्रियल, कनाडा में स्थित है।
- इसका उद्देश्य निर्णय निर्माताओं के मध्य वायु परिवहन उद्योग की समझ में सुधार करना और विमानन सेवाओं द्वारा राष्ट्रीय एवं वैश्विक

अर्थव्यवस्थाओं में होने वाले लाभों के बारे में जागरूकता को बढ़ाना है।

- यह स्पष्ट रूप से परिभाषित नियमों के अंतर्गत विमानों को सुरक्षित, संरक्षित, कुशलतापूर्वक एवं आर्थिक रूप से संचालित करने में मदद करता है।
- यह उत्पादों की व्यापक श्रृंखलाओं और विशेषज्ञ सेवाओं के साथ सभी उद्योग हितधारकों को व्यवसायिक समर्थन भी प्रदान करता है।
- यह पर्यावरण के अनुकूल विमानन सेवाएं प्रदान करने में मदद करता है जिसमें आई.ए.टी.ए. के सभी सदस्यों ने केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में "विमानन कार्बन-उदासीन प्रगति (सी.एन.जी. 2020) के कार्यान्वन" पर 69वीं वार्षिक आम बैठक के संकल्प के आधार पर अपनी विमानन सेवाओं को अधिक ईंधन कुशल बनाने के लिए सहमति जतायी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>आर.बी.आई. गवर्नर, वित्त आयोग के स्थायी दर्जे हेतु प्रयास कर रहे हैं।</u>**

- आर.बी.आई. गवर्नर शक्तिकांत दास ने वित्त आयोग को स्थायी दर्जा देने हेतु आह्वान किया है।
- वह 15वें वित्त आयोग के सदस्य भी हैं।

स्थायी दर्जे की आवश्यकता क्यों है?

- वित्त आयोगों के मध्य सामंजस्य को सुनिश्चित करने की आवश्यकता है जिससे कि राज्यों को धन के प्रवाह में कुछ निश्चितताएं हो सके।
- अगले वित्त आयोग के पूर्ण-धारित तरीके से स्थापित होने तक हस्तक्षेप अवधि में एक शिक्षार्थी इकाई के रूप में कार्य करने के लिए भी वित्त आयोग को स्थायी दर्जा प्रदान किया जाएगा।
- यह स्थायी दर्जा, हस्तक्षेप अवधि के दौरान वित्त आयोग की सिफारिशों के कार्यान्वयन से उत्पन्न मुद्दों को संबोधित करने में भी इसे सक्षम करेगा।

संबंधित जानकारी

वित्त आयोग

- यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत वर्ष 1951 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा स्थापित किया गया था।
- यह भारत की केंद्र सरकार और व्यक्तिगत राज्य सरकारों के मध्य वित्तीय संबंधों को परिभाषित करता है।
- आयोग को प्रत्येक पांच वर्ष में नियुक्त किया जाता है।
- इसमें एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्य शामिल होते हैं।
- 15वें वित्त आयोग के अध्यक्ष, योजना आयोग के पूर्व सदस्य एन. के. सिंह हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>आई.बी.बी.आई. और सेबी ने आई.बी.सी. के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु एक संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।</u>**

- भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड (आई.बी.बी.आई.) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

समझौता ज्ञापन प्रदान करता है:

- दोनों पक्षों के बीच जानकारी साझा करना।
- पारस्परिक हितों के मामलों पर चर्चा करने हेतु आवधिक बैठकें, जिनमें विनियामक आवश्यकताएं शामिल हैं जो प्रत्येक पार्टी की जिम्मेदारियों, प्रवर्तन मामलों, अनुसंधान और डेटा विश्लेषण, सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा साझा करने को प्रभावित करती हों अथवा अन्य किसी मामले को प्रभावित करती हों जिसमें पार्टी अपने सापेक्षिक संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में एक-दूसरे के हितों के होने का विश्वास करती हो।
- दिवालिया व्यावसायियों और वित्तीय ऋणदाताओं की क्षमता निर्माण

- संहिता के प्रावधानों के अंतर्गत संकट में विभिन्न प्रकार के उधारकर्ताओं की शीघ्र शोधन अक्षमता संकल्प प्रक्रिया की आवश्यक्ता और महत्ता के बारे में वित्तीय ऋणदाताओं के मध्य जागरूकता के स्तर को बढ़ाने की ओर एक संयुक्त प्रयास है।

संबंधित जानकारी

दिवालियापन

- दिवालियापन, एक व्यक्ति अथवा अन्य इकाई का कानूनी दर्जा है जो लेनदारों को दिए गए ऋण को चुका नहीं सकता है।

दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता 2016

- 2016 संहिता, कंपनियों और व्यक्तियों पर लागू होती है।
- यह दिवालियापन को हल करने के लिए एक समयबद्ध प्रक्रिया प्रदान करती है।
- जब पुनर्भगतान में डिफॉल्ट होता है तो लेनदार, देनदार की संपत्ति पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं और 180 दिन की अवधि के भीतर दिवालिया होने की स्थिति को हल करने के लिए निर्णय लेना चाहिए।
- एक निर्बाध संकल्प प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए संहिता इस अवधि के दौरान लेनदारों के संकल्प दावों से देनदारों को प्रतिरक्षा भी प्रदान करती है।
- संहिता, दिवालियापन के समाधान के लिए सभी वर्गों के देनदारों और लेनदारों के लिए एक सामान्य मंच बनाने के लिए वर्तमान विधायी ढांचे के प्रावधानों को भी समेकित करती है।

आई.बी.बी.आई. (भारतीय दिवाला एवं शोधन अक्षमता बोर्ड)

- आई.बी.बी.आई., भारत में दिवालियापन व्यवसायिक संस्था (आई.पी.ए.), दिवालियापन व्यवसायियों (आई.पी.) और यूचना उपयोगिता (आई.यू.) जैसी दिवालियापन कार्यवाही और संस्थाओं की देखरेख हेतु विनियामक है।
- इसमें व्यक्तियों, कंपनियों, सीमित देयता, भागीदारी और साझेदारी फर्म शामिल हैं।
- यह एन.सी.एल.टी. (राष्ट्रीय कंपनी कानून अधिकरण) और ऋण वसूली अधिकरण जैसे दो अधिकरणों का उपयोग करके मामलों को नियमन करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– अर्थशास्त्र

स्रोत-द हिंदू

5. **<u>2019 के आम चुनाव के लिए स्वैच्छिक आचार संहिता</u>**

- सोशल मीडिया मंचों और भारतीय इंटरनेट एवं मोबाइल संघ ने आम चुनाव 2019 के लिए "स्वैच्छिक आचार संहिता" प्रस्तुत की है।
- 2019 के आम चुनाव के लिए चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने के लिए सोशल मीडिया मंचों के स्वतंत्र, निष्पक्ष और नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु "आचार संहिता" विकसित की गई है।
- यह चुनाव के दौरान लागू रहेगी।
- सिन्हा समिति की सिफारिशों के अनुसार आर.पी. अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अंतर्गत उल्लिखित किसी भी उल्लंघन को तीन घंटे के भीतर संसाधित करने हेतु मंच प्रतिबद्ध है।
- यह मंच ई.सी.आई. के लिए एक उच्च प्राथमिकता समर्पित रिपोर्टिंग तंत्र का निर्माण करने और आम चुनाव की अवधि के दौरान किसी भी उल्लिखित उल्लंघन पर त्वरित कार्रवाई करने के लिए समर्पित टीमों को नियुक्त करने पर भी सहमत है।
- आचार संहिता, भुगतान किए गए राजनीतिक विज्ञापनों में पारदर्शिता की सुविधा प्रदान करने का वादा करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>पूर्व राष्ट्रपति के बाद कजाखस्तान ने राजधानी 'नूरसुल्तान' का नाम बदल दिया है।</u>**

- कजाखस्तान ने निवर्तमान नेता नूरसुल्तान नज़रबायेव को सम्मानित करने के लिए अपनी राजधानी अस्ताना का नाम बदलकर नूरसुल्तान कर दिया है।

कजाखस्तान

- कजाखस्तान दुनिया का सबसे बड़ा घिरा हुआ देश है और दुनिया का नौवां सबसे बड़ा देश है।
- यह एक अंतरमहाद्वीपीय देश है जो काफी हद तक एशिया में स्थित है, इसके अधिकांश पश्चिमी भाग यूरोप में स्थित हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

7. **भारतीय डाक जारी की गई है: हिम स्तूप पर विशेष मुहर**

- भारतीय डाक विभाग ने हिम स्तूप पर एक 'विशेष मुहर' जारी की है।
- विशेष मोहरों का उद्देश्य हिमनदों के पिघलने और हिमालय के आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित करने के संदर्भ में जागरूकता फैलाना है।

संबंधित जानकारी

- हिम स्तूप परियोजना का विचार, वसंत में लद्दाख के किसानों की समस्याओं को कम करने के लिए एच.आई.ए.एल. के मुख्य संस्थापक सोनम वांगचुक द्वारा संकल्पित किया गया था।
- हिम स्तूप, 30 से 50 मीटर की ऊँची विशाल बर्फ की मीनारों या शंकु के रूप में खड़ी जल धारा है जो स्तूप या चोर्टेन नामक स्थानीय पवित्र मिट्टी संरचनाओं के समान दिखती है।
- ये बर्फ के पहाड़ गाँव के ठीक बगल में बनाए जा सकते हैं जहाँ पानी की ज़रूरत होती है।
- यह जल स्तर को बनाए रखने में मदद करेगा।
- लद्दाख की ठंडी सर्द रातों में बाहर के -30 से -50 ° C तापमान में (विंड चिल फैक्टर के साथ) पानी को अधिक ऊँचाई से गिराना होता है।
- यह पानी जमीन तक पहुंचने में जम जाता है और धीरे-धीरे 30 से 50 मीटर ऊंचा एक विशाल शंकु या बर्फ स्तूप बन जाता है।
- चूंकि ये बर्फ शंकु सूर्य की ओर लंबवत ऊपर की ओर बढ़ते हैं, इसलिए उन्हें संग्रहीत पानी की मात्रा के अनुसार सूर्य की किरणें कम मिलती हैं।
- अत: समतल सतह पर क्षैतिज रूप से बनाए गए समान आयतन के कृत्रिम ग्लेशियर की तुलना में उन्हें पिघलने में अधिक समय लगेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **बेन्नू क्षुद्रग्रह पर पानी, पंखों के कणों के साक्ष्य पाए गए हैं: नासा**

- नासा के ओसिरिस-रेक्स मिशन अंतरिक्ष यान ने कई अन्य खोजों के मध्य ब्रह्मांडीय निकाय की सतह से निकलने वाले पंखों की खोज की है जिसमें पानी वाले खनिजों के साक्ष्य भी शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

- बेन्नू, अपोलो समूह में एक कार्बनयुक्त क्षुद्रग्रह है और एक संभावित रूप से खतरनाक वस्तु है।
- क्षुद्रग्रह बेन्नू में हमारे सौर मंडल की शुरुआत से ही स्थिर सामग्री शामिल होने की उम्मीद है।
- बेन्नू में उम्मीद से अधिक खुरदुरी सतह है।
- बेन्नू से निकले कणों में से कुछ ने क्षुद्रग्रह की सतह पर लौटने से पहले इसे उपग्रह के रूप में परिक्रमा की थी।

ओसिरिस-रेक्स मिशन

- इस मिशन का उद्देश्य बेन्नू क्षुद्रग्रह का अध्ययन करना है और ओसिरिस-रेक्स मिशन ने पिछले वर्ष क्षुद्रग्रह की परिक्रमा करना शुरू की थी।
- ओसिरिस-रेक्स मिशन के वर्ष 2023 में पृथ्वी को नमूने लौटाने की उम्मीद है और क्षुद्रग्रह से एक नमूना प्राप्त करने का प्रयास करने से पहले यह विस्तार से बेन्नू की सतह को बनाएगा और इसके द्रव्यमान की गणना करने के लिए क्षुद्रग्रह की परिक्रमा करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

25.03.2019

1. **विश्व जल विकास रिपोर्ट 2019**

- संयुक्त राष्ट्र ने विश्व जल विकास रिपोर्ट (डब्ल्यू.डब्ल्यू.डी.आर.) 2019 प्रकाशित की है।
- यह एक व्यापक समीक्षा है जो विश्व के ताजे पानी के संसाधनों की स्थिति, उपयोग और प्रबंधन की एक समग्र तस्वीर प्रदान करती है और इसका उद्देश्य सतत जल नीतियों का निर्माण करने और उन्हें लागू करने हेतु उपकरणों के साथ निर्णय निर्माता प्रदान करना है।

- प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है।
- इस वर्ष की थीम "लीविंग नो वन बिहाइंड (कोई पीछे न रह जाए)" है।
- वर्ष 2019 की थीम, सतत विकास (एस.डी.जी.-6) के लिए 2030 एजेंडा को अपनाने और सुरक्षित पेयजल एवं स्वच्छता के मानवाधिकारों को मान्यता देने में संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं को स्पष्ट करती है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- लगभग 2.1 बिलियन लोगों को स्वच्छ और आसानी से उपलब्ध पेयजल तक पहुंच नहीं प्राप्त है।
- सुरक्षित पेयजल तक अपर्याप्त पहुँच के साथ विश्व की आधी जनसंख्या अफ्रीका में निवास करती है और उप-सहारा अफ्रीका में निवास करने वाली केवल 24 प्रतिशत आबादी को सुरक्षित पेयजल तक पहुँच प्राप्त है।
- वर्ष 2050 तक, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 45 प्रतिशत और वैश्विक अनाज उत्पादन के 40 प्रतिशत हिस्से पर पर्यावरणीय क्षति और जल संसाधनों की कमी के कारण संकट उत्पन्न होगा।

भारत में भूजल संकट

- 24 प्रतिशत के साथ भारत, विश्व स्तर पर सबसे अधिक भूजल का उपयोग करने वाला देश है, जो चीन और अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से प्रयोग किए जाने वाले भूजल की मात्रा से अधिक है।
- वर्ष 2000 से वर्ष 2010 के मध्य भूजल की कमी की दर में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- इसके अतिरिक्त भारत, वास्तविक जल (भूजल जिसका उपयोग निर्यात-उन्मुख, जल-गहन फसलों को उगाने के लिए किया जाता है) का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक है, जो कि कुल वैश्विक का 12 प्रतिशत है।
- जल गुणवत्ता सूचकांक में 122 देशों की सूची में वर्तमान में भारत का 120वां स्थान है, जिसमें 75 प्रतिशत ऐसे परिवार शामिल हैं जो अपने परिवेश में पेयजल आपूर्ति से वंचित हैं।
- जैसा कि भारत सरकार, संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 6 के लिए प्रतिबद्ध है, जो वादा करता है कि वर्ष 2030 तक प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ जल, उचित स्वच्छता और अच्छी स्वास्थ्य रक्षा तक पहुंच प्राप्त होगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

2. ई-मूल्य: एक बुद्धिमान ब्लॉकचैन

- इनटेन फिनटेक, एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं ब्लॉकचैन आधारित सॉफ्टवेयर उत्पाद फर्म है, जो ई-मूल्य लांच करेगी।
- ई-मूल्य, एक बुद्धिमान ब्लॉकचैन है जो वर्ष 2019 के अंत तक भारत में गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए कुशल, सुरक्षित और विश्वसनीय परिसंपत्ति प्रतिभूतिकरण हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेगा।
- ई-मूल्य, पूर्ण विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता में प्रतिभूतिकरण जीवन चक्र के प्रबंधन हेतु मंच पर प्रमाणीकृत ऋण और परिसंपत्ति डेटा को तैयार करने और निवेशक प्रवर्तक जारीकर्ता रेटिंग संस्थाओं और सेवाओं को अनुमति प्रदान करने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करेगा।

संबंधित जानकारी

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी

- यह भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत पंजीकृत एक कंपनी है।
- एन.बी.एफ.सी. के कार्यों और संचालनों को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 के ढांचे के अंतर्गत विनियमित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - विज्ञान और तकनीकी

स्रोत- द हिंदू

3. **माइक्रोसॉफ्ट ने डिजिटल सूचनाओं का डी.एन.ए. में सफलतापूर्वक अनुवाद किया है।**

- माइक्रोसॉफ्ट और वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने डिजिटल जानकारी का डी.एन.ए. में अनुवाद किया है।
- इस मूल युक्ति ने 'हैलो' शब्द को डी.एन.ए. में बदला है।
- इस युक्ति ने सबसे पहले बिट्स (1 और 0) को डी.एन.ए. अनुक्रम (A's, C's, T's और G's) में बदला है।
- फिर इसने डी.एन.ए. को संश्लेषित किया और इसे तरल के रूप में संग्रहित किया है।
- यह एक डी.एन.ए. अनुक्रमक द्वारा पढ़ा जा सकता है और यह सॉफ्टवेयर इस अनुक्रम को पुन: बिट में अनुवादित कर देता है।

संबंधित जानकारी

डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (डी.एन.ए.)

- यह एक अणु है जो एक जीव के आनुवंशिक ब्लूप्रिंट को कूटबद्ध करता है।
- डी.एन.ए. की खोज वर्ष 1868 में स्विस चिकित्सक फ्रेड्रिक मिसेचर ने की थी।
- डी.एन.ए. एक रैखिक अणु है, जो चार प्रकार के छोटे रासायनिक अणुओं से मिलकर बना है जिन्हें न्यूक्लियोटाइड आधार कहा जाता है, वे एडेनिन (A), साइटोसिन (C), गुआनिन (G) और थाइमिन (T) हैं।
- आनुवांशिक जानकारी रखने वाले डी.एन.ए. के खंडो को जीन कहा जाता है और यह प्रजनन के दौरान नवजात को अपने माता-पिता से विरासत में मिलते हैं।
- वर्ष 1953 में फ्रांसिस क्रिक और जेम्स वाटसन ने डी.एन.ए. के आणविक आकार को "दोहरी कुंडलिनी" के रूप में वर्णित किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - विज्ञान और तकनीकी

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **संयुक्त राज्य अमेरिका ने गोलान हाइट्स के आधार पर इजराइल की संप्रभुता को मान्यता प्रदान की है।**

- अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गोलान हाइट्स के आधार पर इजरायल की संप्रभुता को मान्यता प्रदान करने की घोषणा की है।

संबंधित जानकारी

गोलान हाइट्स से संबंधित मुद्दा

- गोलान हाइट्स वर्ष 1967 तक सीरिया का हिस्सा था।
- इजराइल ने वर्ष 1967 में लड़े गए छह दिवसीय युद्ध (तीसरे अरब इजरायल युद्ध) के दौरान गोलान हाइट्स पर कब्जा कर लिया था।
- इज़राइल ने वर्ष 1981 में इस क्षेत्र पर एकतरफा रूप से कब्जा कर लिया था।
- इस एकपक्षीय राज्य-हरण को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा मान्यता नहीं प्रदान की गई थी और गोलान हाइट्स को अधिकृत सीरिया क्षेत्र के रूप में माना जाता था।

गोलान हाइट्स

- गोलान हाइट्स, दक्षिण-पश्चिमी सीरिया में इज़राइल और सीरिया की सीमा पर 1,800 कि.मी.^{2} के क्षेत्रफल के साथ एक चट्टानी पठार है।
- सीरिया ने 1973 के मध्य पूर्व युद्ध के दौरान गोलान हाइट्स पर पुन: कब्जा करने का प्रयास किया था लेकिन सीरिया अपने इस प्रयास में विफल रहा था।
- दोनों देशों ने वर्ष 1974 में युद्धविराम पर हस्ताक्षर किए थे और संयुक्त राष्ट्र की एक पर्यवेक्षक बल वर्ष 1974 से युद्धविराम सीमा पर लागू है।
- भारत ने भी गोलान हाइट्स को इज़राइल क्षेत्र के रूप में मान्यता प्रदान नहीं की है और सीरिया को गोलान हाइट्स लौटाने की मांग भी की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 - अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **भारत की पहली वन-प्रमाणन योजना को वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई है।**

- जिनेवा आधारित एक गैर-लाभकारी संगठन ने एक भारतीय गैर-लाभकारी संगठन वन संरक्षण एवं प्रमाणन नेटवर्क (एन.सी.सी.एफ.) द्वारा विकसित सतत वन प्रबंधन (एस.एफ.एम.) हेतु

प्रमाणन मानकों को अनुमोदन प्रदान करने का निर्णय लिया है।

- अब भारत के पास एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त वन-प्रमाणन योजना है जो विशेष रूप से भारतीय वनों के लिए विकसित की गई है।

संबंधित जानकारी

वन प्रमाणन

- वन प्रमाणन, 1990 के दशक में रियो पृथ्वी सम्मेलन के बाद शुरू किया गया एक वैश्विक आंदोलन है।
- यह एक बाजार आधारित गैर-विनियामक संरक्षण उपकरण है जो एक स्वतंत्र तीसरे पक्ष द्वारा वनों एवं वनों के बाहर पेड़ों के सतत प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- वन प्रमाणन को पूरे विश्व में वन प्रबंधन के प्रभावी उपकरण के रूप में स्वीकार किया गया है।
- इस योजना का उद्देश्य भारत की वन प्रबंधन व्यवस्था को बेहतर बनाना है, जिसकी प्राय: वन अधिकार, वन क्षरण, जैव विविधता, अतिक्रमण, जनशक्ति की कमी आदि जैसे विभिन्न मुद्दों के लिए आलोचना की जाती है।

वन संरक्षण एवं प्रमाणन नेटवर्क (एन.सी.सी.एफ.)

- इसे 2015 में वन-आधारित उद्योगों, गैर-लाभकारी, वन लेखा परीक्षकों और सरकारी वन विभागों के प्रतिनिधियों द्वारा भारत के वनों, उनके उत्पादों के प्रमाणन और उनके सतत प्रबंधन हेतु मानकों को स्थापित करने के उद्देश्य के साथ स्थापित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 - पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967</u>**

- गृह मंत्रालय ने अलगाववादी यासीन मलिक के जम्मू और कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जे.के.एल.एफ.) को आतंकवाद विरोधी कानून, गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (यू.ए.पी.ए.) के अंतर्गत प्रतिबंधित कर दिया है।

संबंधित जानकारी

गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम

- गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, एक भारतीय कानून है जिसका उद्देश्य भारत में गैरकानूनी गतिविधि संघों की प्रभावी रोकथाम करना है।
- इसका मुख्य उद्देश्य निम्न के माध्यम से भारत की अखंडता और संप्रभुता के खिलाफ निर्देशित गतिविधियों से निपटने हेतु शक्तियों को उपलब्ध कराना था,
- भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता;
- बिना हथियार के और शांतिपूर्ण ढंग से इकट्ठा होने का अधिकार
- संघ अथवा यूनियन बनाने का अधिकार
- यह अधिनियम किसी भी अलगाववादी आंदोलन का समर्थन करने या भारत के क्षेत्र के रूप में किसी विदेशी शक्ति द्वारा किए गए दावों का समर्थन करने को अपराध की श्रेणी में रखता है।
- वर्श 1967 में बनाए गए यू.ए.पी.ए. को दो बार संशोधित किया जा चुका है, इसे पहले 2008 में और फिर 2012 में संशोधित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>इटली, "एक बेल्ट एवं एक सड़क पहल" में शामिल होने वाला पहला जी7 देश बनने के लिए तैयार</u>**

- इटली, चीन की "बेल्ट एवं सड़क" ढांचा परियोजना (बी.आर.आई.) में शामिल होने वाला सात प्रमुख औद्योगिक राष्ट्रों के समूह (जी7) का पहला सदस्य बन गया है। यह परियोजना ऐतिहासिक और सदियों पुराने व्यापारिक मार्गों से प्रेरित है।

संबंधित जानकारी

आगे देखिए

ओ.बी.ओ.आर. (एक बेल्ट एवं एक सड़क पहल)

- यह चीन के सर्वोपरि नेता शी जिनपिंग द्वारा प्रस्तावित एक विकास रणनीति है।
- यह यूरेशियाई देशों, मुख्य रूप से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पी.आर.सी.), भूमि-आधारित सिल्क सड़क आर्थिक बेल्ट

(एस.आर.ई.बी.) और समुद्रवर्ती समुद्री सिल्क सड़क (एम.एस.आर.) के मध्य कनेक्टिविटी और सहयोग पर ध्यान केंद्रित करती है।

सी.पी.ई.सी. (चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा)

- यह ओ.बी.ओ.आर. (एक बेल्ट एवं एक सड़क पहल) के गलियारों में से एक है।
- चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सी.पी.ई.सी.) ढांचा परियोजनाओं का एक संग्रह है जो वर्तमान में पूरे पाकिस्तान में निर्माणाधीन है।
- यह परियोजना मूल रूप से $ 46 बिलियन की है लेकिन वर्तमान में सी.पी.ई.सी. परियोजना का मूल्य $ 62 बिलियन है।
- 13 नवंबर, 2016 को सी.पी.ई.सी. आंशिक रूप से चालू हो गया था, जब अफ्रीका और पश्चिम एशिया में प्रगतिशील समुद्री नौवहन हेतु चीनी माल को ग्वादार बंदरगाह पहुँचाया गया था।

जी7

- सात का समूह (जी7) कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका से मिलकर बना एक समूह है।
- जी7 के भीतर यूरोपीय संघ का भी प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- ये देश अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा घोषित की गई सात प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाएं हैं।

टॉपिक- जी.एस.-3- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>यूरोपीय वेगा रॉकेट ने सफलतापूर्वक इटली का पृथ्वी अवलोकन उपग्रह "प्रिज्म" लांच किया है।</u>**

- एक यूरोपीय वेगा रॉकेट ने इतालवी अंतरिक्ष संस्था हेतु एक नए पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह "प्रिज्म" को कक्षा में प्रवेश कराया है।
- प्रिज्म पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को फ्रेंच गुयाना के कोरोउ में स्थित दक्षिण अमेरिका के गुयाना अंतरिक्ष केंद्र से लिया गया है।
- यह उपग्रह सूर्य-समकालिक कक्षा में संचालित होगा, जिसका अर्थ है कि यह इस प्रकार पृथ्वी की परिक्रमा करेगा कि सूर्य हमेंशा समान स्थिति में है, क्यों कि उपग्रह नीचे स्थित ग्रह की तस्वीरें खींचता है।

उपग्रह के संदर्भ में जानकारी:

- प्रिज्म (हाइपरस्पेक्ट्रल प्रीकर्सर ऑफ एप्लीकेशन मिशन हेतु एक इतालवी संक्षिप्त रूप है) को पर्यावरण निगरानी, संसाधन प्रबंधन, प्रदूषण और फसल स्वास्थ्य के संदर्भ में जानकारी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इस उपग्रह में एक मध्यम रिज़ॉल्यूशन वाला कैमरा होता है जो सभी दृश्य तरंग दैर्ध्यों में देख सकता है, इसके साथ ही एक हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजर जो 400 और 2500 नैनोमीटर के बीच की तरंगदैर्ध्य की एक विस्तृत श्रृंखला में भी तस्वीरें ले सकता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- स्पेस.कॉम

26.03.2019

1. **<u>न्यूनतम आय योजना (न्यूनतम आय योजना)</u>**

- कांग्रेस अध्यक्ष ने घोषणा की है कि देश के 20% सबसे गरीब परिवारों को न्यूनतम आय योजना (एन.वाई.ए.वाई.) अथवा न्यूनतम आय गारंटी योजना के अतर्गत प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 72000 रूपए प्रदान दिए किए जाएंगे।
- इस योजना को सार्वभौमिक बुनियादी आय के कमजोर मॉडल के रूप में देखा जा रहा है, यह एक सिद्धांत है जो पूरे विश्व में बढ़ती हुई रूचि को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।
- यह योजना 12000 रूपए प्रति माह से कम कमाने वाले व्यक्तियों को लाभान्वित करेगी जो न्यूनतम आय रेखा है।

संबंधित जानकारी

रायथु बंधु योजना

- तेलंगाना की रायथु बंधु योजना के अंतर्गत सभी किसानों (जो सभी किसानों के लिए एक यू.बी.आई. है चाहे वे गरीब हों या अमीर हों) को 4000 रूपए प्रति एकड़ का नकद अनुमोदन प्रदान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

- इस कार्यक्रम के अंतर्गत, कमजोर भूमिधारक किसान परिवारों को, 2 हेक्टेयर तक की खेती योग्य भूमि रखने वाले किसान परिवारों को 6000 रूपए प्रति वर्ष की दर से प्रत्यक्ष आय समर्थन प्रदान किया जाएगा।
- यह आय समर्थन, लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में 2000 रूपए प्रत्येक की तीन समान किश्तों में प्रत्यक्ष रूप से हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सार्वभौमिक बुनियादी आय (यू.बी.आई.)

- सार्वभौमिक बुनियादी आय, किसी भी व्यक्ति के सामाजिक अथवा आर्थिक संदर्भ में विचार किए बिना देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक आवधिक, अशर्त नकद हस्तांतरण है।
- यह सामाजिक सुरक्षा का एक रूप है, यू.बी.आई. असमानता को कम करने और गरीबी को खत्म करने में मदद करेगा। इस प्रकार यह सभी व्यक्तियों की सुरक्षा और सम्मान को सुनिश्चित करता है।
- कम विकसित देशों में इसकी एक सामान्य गरीबी-विरोधी उपाय के रूप में कल्पना की जा रही है।
- लेकिन उन्नत औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में बेरोजगारों की देखभाल के लिए एक संभावित पहल के रूप में इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है क्यों कि तेजी से तकनीकी प्रगति के कारण नौकरी में असुरक्षा बढ़ रही है।

विषय- जी.एस. पेपर 2-महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>पी.एस.एल.वी.-सी.45 / एमीसैट मिशन</u>**

- इसरो 1 अप्रैल, 2019 को प्राथमिक पेलोड एमीसैट सहित 29 उपग्रहों का प्रक्षेपण करेगा।
- ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान, पी.एस.एल.वी.-सी.45 श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रयोगात्मक रूप से उपग्रहों को लेकर उड़ान भरेगा।
- इस मिशन में इसरो पहली बार तीन अलग-अलग कक्षाओं में पेलोड ले जाने का प्रयास कर रहा है।
- एमीसैट, रडार नेटवर्क की निगरानी करने हेतु भारत द्वारा विकसित किया गया है।
- 436 किलोग्राम वजनी एमीसैट का उद्देश्य विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम की माप करना है। इसे लगभग 753 कि.मी. की ऊंचाई पर स्थित कक्षा में स्थापित किया जाएगा।
- ग्राहक पेलोड लिथुआनिया, स्पेन, स्विट्जरलैंड और अमेरिका के हैं। उन्हें लगभग 505 कि.मी. की ऊँचाई पर अंतरिक्ष में पहुँचाया जाएगा।
- इस परियोजना में आई.आई.एस.टी. पेलोड भी ले जाया जाएगा, जो आयनमंडल के लिए उन्नत मंदक क्षमता विश्लेषक (ए.आर.आई.एस.) है।
- ए.आर.आई.एस., आयनमंडल की संरचना और घटकों का अध्ययन करेगा।
- सभी उपग्रहों को कक्षाओं में स्थापित किए जाने के बाद रॉकेट के चौथे चरण को एक विभिन्न ऊंचाई पर संचालित किया जाएगा और इसरो सहित भारतीय संस्थानों द्वारा विभिन्न प्रयोगों हेतु एक मंच के रूप में प्रयोग किया जाएगा।
- भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान संस्थान (आई.आई.एस.सी.) और रेडियो अव्यवसायी उपग्रह निगम, अन्य दो संस्थान हैं, प्रायोगिक मंच पर जिनके स्वयं के उपकरण होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान और तकनीकी

स्रोत- इसरो + ए.आई.आर.

3. **<u>उत्पादन वक्र, मंदी का संकेत नहीं देता है।</u>**

- पूर्व अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेनेट येलेन ने कहा है कि अमेरिकी निधि उत्पादन (यील्ड) वक्र कुछ बिंदुओं पर ब्याज दरों में कटौती करने की आवश्यकता का संकेत देता है, लेकिन यह मंदी का संकेत नहीं देता है।
- वर्ष 2007 के मध्यकाल के बाद से पहली बार हाल ही में उत्पादन वक्र घट गया था, यह एक बदलाव है जिसने भूतकाल में मंदी के खतरे का संकेत दिया था।

संबंधित जानकारी

उत्पादन वक्र क्या है?

- उत्पादन वक्र, ब्याज दर (या ऋण की लागत) और परिपक्वता के समय के मध्य संबंध (स्तर) को दर्शाता है।
- शुद्ध वित्तीय साहित्य अर्थ में उत्पादन, प्रतिफल की वह दर है जो हमें सुरक्षा से मिल रही है।
- उत्पादन शेयरों, बांडों, बिलों और बीमा उत्पादों सहित विभिन्न प्रकार की प्रतिभूतियों से रिटर्न पर लागू होता है।
- लेकिन इसका अधिकतर और अधिक विशेष रूप से बांड और डिबेंचर पर रिटर्न का वर्णन करने हेतु उपयोग किया जाता है।
- उत्पादन विभिन्न प्रकार के होते हैं, जैसे: कूपन उत्पादन, परिपक्वता हेतु उत्पादन आदि होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>मानसून के दौरान अल नीनो की 60% संभावना है: अमेरिका</u>**

- अमेरिकी मौसम एजेंसियों ने गर्मियों के दौरान भी अल नीनो के सक्रिय रहने की 60 प्रतिशत संभावना जतायी है। यदि यह अनुमान सही होता है तो भारत के बारिश के मौसम पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- कई मौसम संस्थाओं द्वारा फरवरी में प्रशांत महासागर पर अंतत: एक कमजोर अल नीनो की घोषणा कर दी गई थी।

संबंधित जानकारी

- अल नीनो, अल नीनो- दक्षिणी दोलन (ई.एन.एस.ओ.) का गर्म चरण है।
- यह गर्म समुद्री पानी के एक बैंड से संबंधित है जो दक्षिण अमेरिका के प्रशांत तट से दूर के क्षेत्र सहित मध्य और पूर्व-मध्य भूमध्यवर्ती प्रशांत क्षेत्र में विकसित होता है।
- प्रशांत महासागर के गर्म पानी के कारण विभिन्न क्षेत्रों में हवाएं उल्टी चलती हैं, जैसे कि व्यापारिक पवनें जो कि भारत की ओर चलती हैं।
- हवा की दिशा के इस बदलाव से सर्दियों और गर्मियों का तापमान बढ़ता है और मानसून के दौरान वर्षा में कमी होती है। अधिकांश यह सूखे की स्थिति पैदा करता है।

अल नीनो का प्रभाव

- पेरू और इक्वाडोर के तटों से दूर मौजूदा समुद्री जीवन पर गर्म पानी का विनाशकारी प्रभाव पड़ता है।
- दक्षिण अमेरिका के सुदूर तटों से मछली पकड़ना सामान्य वर्ष की तुलना में कम था (क्यों कि वहाँ उमाड़ नहीं है)।
- ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, भारत और दक्षिणी अफ्रीका में गंभीर सूखा पड़ता है।
- कैलिफोर्निया, इक्वाडोर और मैक्सिको की खाड़ी में भारी बारिश होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>फॉल आर्मीवार्म हमला: मक्के की कम पैदावार मवेशियों का चारा कम कर रही है।</u>**

- आंध्र प्रदेश में मक्के की फसल पर फॉल आर्मीवॉर्म के हमले ने न केवल किसानों को बल्कि मवेशियों को भी प्रभावित किया है।
- देश में सबसे अधिक मक्का का उत्पादन करने वाला राज्य, इस कीट के हमले के बाद पर्याप्त चारा उत्पन्न करने में भी असमर्थ है।

संबंधित जानकारी

फॉल आर्मीवार्म

- फॉल आर्मीवॉर्म, एक कीट है जो अमेरिका के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों का मूल निवासी है।
- प्राकृतिक नियंत्रण अथवा बेहतर प्रबंधन के अभाव में यह कीट फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।
- यह प्राथमिक रूप से मक्का को प्रभावित करता है लेकिन यह फसलों की 80 से अधिक अतिरिक्त प्रजातियों पर निर्भर रह सकता है जिनमें चावल, चारा, बाजरा, गन्ना, सब्जी की फसलें और कपास शामिल है।

- एफ.ए.डब्ल्यू. को पहली बार वर्ष 2016 की शुरूआत में मध्य और पश्चिमी अफ्रीका में पाया गया था और यह शीघ्र ही लगभग संपूर्ण उप-सहारा अफ्रीका में फैल गया है।
- जुलाई, 2018 में एशिया में कीटों की पहली रिपोर्ट, कर्नाटक के परिणाम हैं।
- इस कीड़े का जीवन काल 30 से 45 दिनों तक हो सकता है। सर्दियों में, इसका जीवनकाल 90 दिनों तक भी बढ़ सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3–विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>ऑसइंडेक्स युद्धाभ्यास</u>**

- यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य एक द्विपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास है।
- यह युद्धाभ्यास पनडुब्बी रोधी युद्ध पर ध्यान केंद्रित करेगा क्यों कि दोनों देश विशेष रूप से हिंद महासागर में रक्षा सहयोग को मजबूत बनाना चाहते हैं।
- यह मानवीय सहायता एवं आपदा राहत जैसे क्षेत्रीय संयुक्त और/ अथवा संयुक्त अभियानों को करने की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3–रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>आलू की शेल्फ आयु को बढ़ाने हेतु विकिरण संयत्र योजनाबद्ध किए गए हैं।</u>**

- परमाणु ऊर्जा आयोग (ए.ई.सी.) गुजरात में कम खुराक वाले सूक्ष्म विकिरण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा है, जहां वे अपने आलू को विकिरणित कर सकते हैं।
- इससे आलू की शेल्फ आयु में सुधार होगा और किसानों को अच्छे रिटर्न प्राप्त करने में मदद मिलेगी, क्यों कि यह वर्तमान में कोल्ड स्टोरेज के उपलब्ध विकल्प का प्रयोग करने की लागत को कम करता है।

आलू के संबंधित समस्याएं

- किसान, आलू की शेल्फ आयु को बढ़ाने हेतु कोल्ड स्टोरेज का उपयोग करता हैं, जहां पर क्लोरप्रोफाम रसायन का प्रयोग किया जाता है।
- क्लोरप्रोफाम रसायन के मानव शरीर पर दुष्प्रभाव पाए गए हैं।
- यूरोपीय संघ इनके हानिकारक अवशेषों के कारण इन रसायनों पर प्रतिबंध लगाने जा रहा है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।
- विकिरणित भोजन में कोई अवशेष नहीं छूटता है, पोषण के पदों में प्रत्येक चीज का परीक्षण किया गया है और विश्व स्वास्थ्य संगठन, अंतर्राष्ट्रीय कृषि संस्थान और खाद्य एवं कृषि संगठन जैसी संयुक्त राष्ट्र की सर्वश्रेष्ठ विनियामक संस्थाओं ने इसे मंजूरी प्रदान की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3–विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

8. **<u>आई.ए.एफ. ने चिनूक हेलीकॉप्टरों को शामिल किया है।</u>**

- भारतीय वायु सेना ने अमेरिका के चार सी.एच.47 चिनूक हैवी लिफ्ट हेलिकॉप्टरों को शामिल किया है।
- इन हेलीकॉप्टरों को भारत के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

हेलिकॉप्टर की मुख्य विशेषताएं

- यह एक बहु-मिशन हैवी-लिफ्ट परिवहन हेलीकॉप्टर है जो युद्ध के मैदान में सैनिकों, तोपखानों, गोला-बारूद, बाधा सामग्री, आपूर्ति और उपकरणों को स्थानांतरित करने के लिए उपयोग किया जाता है।
- इसका उपयोग चिकित्सा निष्क्रमण, आपदा राहत, खोज और बहाली, अग्निशमन और नागरिक विकास के लिए भी किया जा सकता है।
- चिनूक एक उन्नत बहु-मिशन हेलीकॉप्टर है जो भारतीय वायु सेना को लड़ाकू और मानवीय मिशन के पूरे स्पेक्ट्रम में अद्वितीय रणनीतिक विमान सेवा क्षमता प्रदान करेगा।
- इसमें पूर्णतया समाकलित डिजिटल कॉकपिट प्रबंधन प्रणाली है।

- एक बार शामिल होने के बाद यह हेलिकॉप्टर भारतीय सशस्त्र बलों के एम.-777 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर को उठाने में भी मदद करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3–रक्षा

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>ऊँटी की मुऑन अनुसंधान सुविधा, वज्रपात की क्षमता को मापती है।</u>**

- विश्व में पहली बार ऊँटी में ग्रैप्स-3 मुऑन दूरदर्शी सुविधा के शोधकर्ताओं ने एक वज्रपात की विद्युत क्षमता, आकार और ऊंचाई को मापा है।
- बादलों के निचले हिस्से पर ऋणात्मक आवेश और ऊपरी हिस्से पर धनात्मक आवेश होता है और यह कई किलोमीटर तक मोटे हो सकते हैं।
- जब ब्रह्मांडीय किरणें पृथ्वी के आसपास के वायु कणों पर बमबारी करती हैं तब मुऑन और अन्य कण उत्पन्न होते हैं। उत्पादित म्यूऑन पर धनात्मक या ऋणात्मक आवेश हो सकता है। जब एक धनात्मक आवेशित मुऑन एक बादल के माध्यम से गिरता है, तो उससे ऊर्जा निकलती है, यदि निकलने वाली ऊर्जा 1 गीगा इलेक्ट्रॉन वोल्ट (GeV) से कम है, जो ग्रैप्स-3 मुऑन दूरदर्शी का देहली अनुसंधान है, तो इसे ज्ञात नहीं किया जा सकता है।
- इसके विपरीत, एक ऋणात्मक आवेशित मुऑन, बादल के माध्यम से गिरते समय ऊर्जा ग्रहण करता है और उसे ज्ञात किया जा सकता है।
- चूंकि प्रकृति में ऋणात्मक आवेश की तुलना में धनात्मक आवेशित मुऑन अधिक हैं, दोनो प्रभाव एक दूसरे को समाप्त नहीं कर सकते हैं और तीव्रता में एक परिणामी परिवर्तन देखने को मिलता है।

वज्रपात की क्षमता ज्ञात करने हेतु हम गुब्बारा विधि का उपयोग क्यों नहीं करते हैं?

- यदि ऊपरी और निचले हिस्से के विभवांतर को मापने हेतु गुब्बारे का उपयोग करेंगे तो इस दूरी को तय करने में गुब्बारा घंटों का समय लेगा।
- दुर्भाग्य से आंधी-तूफान केवल 15-20 मिनट के लिए रहते हैं और यह विधि विफल हो जाती है।

टॉपिक- जी.एस.-3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

27.03.2019

1. **<u>मिशन शक्ति: भारत ने एक एंटी-सैटेलाइट मिसाइल का सफल परीक्षण किया है।</u>**

- भारत, एक एंटी-सैटेलाइट मिसाइल का सफल परीक्षण करने के बाद विश्व की चौथी अंतरिक्ष महाशक्ति बन गया है।
- भारत ने ए-सैट नामक एक एंटी-सैटेलाइट हथियार द्वारा एक निम्न पृथ्वी कक्षा (एल.ई.ओ.) उपग्रह को मार गिराया है, जो मिशन शक्ति के अंतर्गत पूर्व निर्धारित लक्ष्य था।
- यह कार्रवाई किसी भी देश के खिलाफ निर्देशित नहीं की गई थी और उपग्रह, एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य था जो कि 300 कि.मी. की ऊँचाई पर परिक्रमा कर रहा था।

संबंधित जानकारी

एंटी-सैटेलाइट हथियार

- एंटी-सैटेलाइट हथियार (ए-सैट) अंतरिक्ष हथियार हैं जो रणनीतिक सैन्य उद्देश्यों के लिए उपग्रहों को निष्क्रिय करने अथवा नष्ट करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस (एम.एस.बी. विशेषज्ञता का उपयोग करके), चीन और भारत ने इस क्षमता का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया है।

अंतरिक्ष में विभिन्न प्रकार की कक्षाएं

भू-स्थिर कक्षा

- इसे प्राय: जी.ई.ओ. कक्षा के रूप में संदर्भित किया जाता है, जो भूमध्य रेखा के ऊपर 36000 कि.मी. की ऊँचाई पर पश्चिम से पूर्व की ओर पृथ्वी के चारों ओर स्थित है।
- चूंकि यह पृथ्वी के घूर्णन का अनुसरण करती है जिसमें 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकंड का समय लगता है, जी.ई.ओ. कक्षा में उपग्रह एक निश्चित स्थिति में 'स्थिर' प्रतीत होता है।
- जो इसे दूरसंचार अथवा व्यापक महाद्वीप मौसम प्रारूपों और पर्यावरणीय स्थितियों की निगरानी करने हेतु आदर्श बनाता है।

- यह लागत में भी कमी लाता है क्यों कि ग्राउंड स्टेशनों को उपग्रह की निगरानी करने की आवश्यकता नहीं होती है।

निम्न पृथ्वी कक्षा (एल.ई.ओ.)

- यह सामान्यत: 1000 कि.मी. से कम की ऊंचाई पर स्थित होती है और पृथ्वी के ऊपर 160 कि.मी. तक की ऊँचाई तक आ सकती है।
- सामान्यत: इन कक्षाओं का उपयोग रिमोट सेंसिंग, सैन्य उद्देश्यों और मानव अंतरिक्ष उड़ानों के लिए किया जाता है क्यों कि ये इमेजिंग के लिए पृथ्वी की सतह से अधिक निकटता प्रदान करता है और लघु कक्षीय आवर्तकाल शीघ्र पुनर्मिलन को स्वीकृति प्रदान करता है।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन, निम्न पृथ्वी कक्षा में है।

मध्यम पृथ्वी कक्षा (एम.ई.ओ.)

- यह कक्षा लगभग 1000 कि.मी. की ऊंचाई पर स्थित है और यह विशेष रूप से दूरसंचार के लिए उपयोग किए जाने वाले उपग्रहों के नक्षत्र-मंडलों हेतु विशेष रूप से उपयुक्त है।

ध्रुवीय कक्षाएँ

- ध्रुवीय कक्षाएं, उत्तर से दक्षिण तक पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्रों से गुज़रती हैं।
- उपग्रह के कक्षीय मार्ग को ध्रुवीय कही जाने वाले कक्षाओं के लिए ध्रुवों को पार करने की आवश्यक्ता नहीं है, एक कक्षा जो ध्रुवों के 20 से 30 डिग्री के मध्य से गुजरती है उसे ध्रुवीय कक्षा के नाम से जाना जाता है।
- ये कक्षाएं मुख्यत: 200 से 1000 कि.मी. के मध्य की निम्न ऊंचाईयों पर स्थित होती हैं।
- ध्रुवीय कक्षाओं का उपयोग जासूसी और पृथ्वी अवलोकन के लिए किया जाता है।

सूर्य समकालिक कक्षा

- ये ध्रुवीय कक्षाएं होती हैं जो सूर्य के समकालिक होती हैं।
- सूर्य-समकालिक कक्षा में एक उपग्रह सामान्यत: 600 से 800 कि.मी. की ऊंचाई पर स्थित होगा।
- सामान्यत: इन कक्षाओं का उपयोग पृथ्वी अवलोकन, सौर अध्ययन, मौसम पूर्वानुमान और जासूसी के लिए किया जाता है, उपग्रह से देखते समय सतह अवलोकन बेहतर हो जाएगा यदि सतह पर हमेंशा समान कोण से सूर्य का प्रकाश पड़ता रहे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– विज्ञान और तकनीकी

स्रोत- टी.ओ.आई. + ई.एस.ए.

2. **<u>संदिग्ध गौहत्या के मामलों में मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम गलत था।</u>**

- मध्य प्रदेश सरकार का कहना है कि संदिग्ध गौहत्या के मामलों में मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एन.एस.ए.) का प्रयोग करना गलत था और इसे दोहराया नहीं जाएगा।

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम

- यह एक सख्त कानून है जो महीनों तक प्रतिबंधक हिरासत की अनुमति प्रदान करता है, यदि अधिकारी इस बात से संतुष्ट होते हैं कि एक व्यक्ति, राष्ट्रीय सुरक्षा अथवा कानून और व्यवस्था के लिए खतरा है।
- हिरासत में रखने की अवधि के दौरान व्यक्ति पर आरोप लगाने की आवश्यकता नहीं है।
- इसका उद्देश्य किसी व्यक्ति को अपराध करने से रोकना है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत, किसी व्यक्ति को बिना किसी आरोप के 12 महीने तक हिरासत में रखा जा सकता है, राज्य सरकार को यह सूचित करने की आवश्यकता होती है कि एन.एस.ए. के अंतर्गत एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।
- राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत हिरासत में लिए गए व्यक्ति को उसके खिलाफ आरोपों को बताए बिना 10 दिनों के लिए हिरासत में रखा जा सकता है।
- हिरासत में लिया गया व्यक्ति उच्च न्यायालय के सलाहकार बोर्ड के समक्ष अपील कर सकता

है लेकिन उसे मुकदमे के दौरान वकील करने की अनुमति नहीं होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>भारत के कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 5% की वृद्धि हुई है: आई.ई.ए. रिपोर्ट 2019</u>**

- अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा संस्था द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार भारत ने वर्ष 2018 में 2299 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड का उत्सर्जन किया है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 8% अधिक है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- कोयले की खपत में वृद्धि के कारण भारत की उत्सर्जन प्रगति संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन (विश्व के दो सबसे बड़े उत्सर्जक) की तुलना में अधिक थी।
- चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत एक साथ मिलकर ऊर्जा मांग में वृद्धि के लगभग 70 प्रतिशत हेतु जिम्मदार हैं।
- भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन, वैश्विक औसत का लगभग 40% था और यह वैश्विक कार्बन डाइऑक्साइड में 7% का योगदान था।
- ऊर्जा आवश्यक्ताओं में वृद्धि के आधे से अधिक भाग हेतु अधिक बिजली की मांग जिम्मेदार थी।
- सबसे बड़ा उत्सर्जक अमेरिका 14% उत्सर्जन हेतु जिम्मेदार था।

भारत की प्रतिबद्धता

- संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन ढांचा सम्मेलन के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं के अनुसार, भारत ने वर्ष 2005 के स्तर की तुलना में वर्ष 2030 तक अपनी अर्थव्यवस्था की उत्सर्जन तीव्रता को कम करने का वादा किया है।
- इसके अतिरिक्त भारत ने वर्ष 2030 तक नवीकरणीय स्रोतों से अपनी ऊर्जा के 40% हिस्से का उत्पादन करने की प्रतिबद्धता जतायी है, इसके भाग के रूप में वर्ष 2022 में 100 गीगावॉट सौर ऊर्जा स्थापित की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा संस्था (आई.ई.ए.)

- यह एक पेरिस आधारित स्वायत्त अंतर-सरकारी संगठन है।
- इसकी स्थापना वर्ष 1973 के तेल संकट के परिणामस्वरूप वर्ष 1974 में आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओ.ई.सी.डी.) के ढांचे में की गई थी।
- आई.ई.ए. प्रारंभ में तेल की आपूर्ति में आने वाले भौतिक व्यवधानों के प्रति प्रतिक्रिया हेतु समर्पित होने के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार और अन्य ऊर्जा क्षेत्रों के संदर्भ में आंकड़ों पर एक जानकारी के स्रोत के रूप में काम करता था।
- आई.ई.ए., अपने सदस्य राज्यों के लिए नीति सलाहकार के रूप में कार्य करता है लेकिन गैर-सदस्य देशों से विशेष रूप से चीन, भारत और रूस के साथ भी काम करता है।
- प्रभावी ऊर्जा नीति के "3E" पर ध्यान केंद्रित करने हेतु संस्था के शासनादेश को व्यापकता प्रदान की गई है:

1. ऊर्जा सुरक्षा
2. आर्थिक विकास
3. पर्यावरणीय संरक्षण

- वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों (नवीकरणीय ऊर्जा सहित), तर्कसंगत ऊर्जा नीतियों और बहुराष्ट्रीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देने में आई.ई.ए. की व्यापक भूमिका है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>सरकार दवाओं, नैदानिक परीक्षणों के नए नियमों को अधिसूचित कर रही है।</u>**

- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने औषधि एवं नैदानिक परीक्षण नियम, 2019 को अधिसूचित किया है जिसका उद्देश्य देश में नैदानिक अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

विशेषताएं

- ये नियम सभी नई दवाओं, मानव उपयोग के लिए अनुसंधानात्मक नई दवाओं, नैदानिक परीक्षणों, जैव-समतुल्य अध्ययनों और नैतिक समितियों पर लागू होंगे।

- यह अधिसूचना, आवेदनों को स्वीकृति प्रदान करने के समय को कम कर देती है, जिसे अब घटाकर भारत में निर्मित दवाओं के लिए 30 दिन और देश के बाहर विकसित दवाओं के लिए 90 दिन कर दिया गया है।
- भारतीय औषधि महानियंत्रक से कोई संपर्क न हो पाने की स्थिति में आवेदन को स्वीकृत माना जाएगा।
- नए नियम के अनुसार, यदि सरकार के अनुमोदन के साथ औषधि महानियंत्रक द्वारा निर्दिष्ट किसी भी देश (यूरोप, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका) में अनुमोदित और विपणन किए जाने पर एक नई दवा के अनुमोदन हेतु एक स्थानीय नैदानिक परीक्षण की आवश्यकता को अस्वीकार किया जा सकता है।

भारतीय औषधि महानियंत्रक

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के विस्तार के अंतर्गत भारतीय औषधि महानियंत्रक भारत में रक्त और रक्त उत्पाद, आई.वी. तरल पदार्थ, टीके और सीरा जैसी औषधियों की निर्दिष्ट श्रेणियों के लाइसेंस की मंजूरी हेतु जिम्मेदार है।
- यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>लीमा-19</u>**

- भारतीय नौसेना के अग्रिम ए.एस.डब्ल्यू. जंगी जहाज, आई.एन.एस. कदमत्त ने लंगकावी अंतर्राष्ट्रीय समुद्री एवं एयरोस्पेस प्रदर्शनी (लीमा)-19 में भाग लिया है जो मलेशिया के लंगकावी में आयोजित की गई थी।

संबंधित जानकारी

आई.एन.एस. कदमत्त

- आई.एन.एस. कदमत्त, भारतीय नौसेना का अग्रिम पनडुब्बी रोधी युद्धक (ए.एस.डब्ल्यू) जंगी जहाज है।
- इसे जनवरी, 2016 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था, यह एक स्वदेशी गुप्त पनडुब्बी रोधी युद्धक है, यह जंगी जहाज अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और मशीनरी से सुसज्जित है।
- आई.एन.एस. कलवरी और आई.एन.एस. कांधेरी भारतीय नौसेना के दो अन्य पनडुब्बी रोधी युद्धक जंगी जहाज हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3-रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>व्यापार प्राप्य ई-छूट प्रणाली (टी.आरई.डीएस.)</u>**

- हाल ही में संपन्न हुए फिनटेक सम्मेलन-2019 में आर.बी.आई. गवर्नर ने बीजक (इनवॉइस) व्यापार को भारत में फिनटेक एप्लिकेशन के अन्य नवजात क्षेत्र के रूप में करार दिया है।
- आर.बी.आई. ने टी.आरई.डी.एस. की स्थापना की है, जो एक वित्तपोषण व्यवस्थापन है जहां पर बिलों और इनवॉइस में छूट देने के लिए तकनीकी का लाभ लिया जाता है, जो देरी से होने वाले भुगतानों के कारण कार्यरत पूंजी और नकद प्रवाह समस्याओं से निपटने हेतु एम.एस.एम.ई. की सहायता करता है।

व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली (टी.आरई.डीएस.)

- व्यापार प्राप्तियों के वित्तपोषण हेतु टी.आरई.डीएस. एक इलेक्ट्रॉनिक मंच है।
- यह चालान के बिलों के साथ ही इनवॉइस की छूट की सुविधा प्रदान करती है। इस प्रणाली में भाग लेने वाले तीन प्रत्यक्ष भागीदार एस.एम.ई. (विक्रेता), कॉर्पोरेट इकाईयां (खरीदार) और फाइनेंसर हैं।
- टी.आरई.डीएस. एक समान स्तर प्रदान करता है, जहां सभी भागीदार इनवॉइस की सुविधा, स्वीकृति, छूट और निपटान के लिए एक साथ काम करते हैं।
- आर.बी.आई. के दिशानिर्देशों के अनुसार केवल सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एम.एस.एम.ई.) ही विक्रेता के रूप में भाग ले सकते हैं जब कि एन.बी.एफ.सी., बैंक और दलाली कंपनियां फाइनेंसर हैं।

- यह भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम 2007 के अंतर्गत आर.बी.आई. द्वारा स्थापित विनियामक ढांचे के अंतर्गत स्थापित किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

7. **<u>वैश्विक ऊर्जा संक्रमण सूचकांक 2019</u>**

- वैश्विक ऊर्जा संक्रमण सूचकांक, जिनेवा आधारित विश्व आर्थिक मंच द्वारा जारी किया गया है।

सूचकांक की विशेषताएं

- वैश्विक ऊर्जा संक्रमण सूचकांक में भारत 2 स्थान ऊपर खिसककर 76 वें स्थान पर पहुँच गया है (पहले 78वें स्थान पर था)।
- इस वार्षिक सूची में स्वीडन शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, स्विट्जरलैंड और नॉर्वे दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।
- भारत उच्च प्रदूषण स्तर वाले देशों में से है और इसकी ऊर्जा प्रणाली में अपेक्षाकृत उच्च कार्बन डाईऑक्साइड तीव्रता है।
- डब्ल्यू.ई.एफ. ने कहा है कि इनका सूचकांक भविष्य की ऊर्जा आवश्यक्ताओं के अनुकूलन हेतु देशों की ऊर्जा प्रणाली की वर्तमान स्थिति और संरचनात्मक तत्परता दोनो पर विचार करता है।

संबंधित जानकारी

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यू.ई.एफ.) द्वारा जारी अन्य रिपोर्टें

- समावेशी प्रगति एवं विकास रिपोर्ट
- पर्यावरणीय प्रदर्शन सूचकांक
- वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक
- वैश्विक ऊर्जा वास्तुकला प्रदर्शन सूचकांक रिपोर्ट
- वैश्विक लिंग अंतर रिपोर्ट
- वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी रिपोर्ट
- मानव पूंजी रिपोर्ट
- वैश्विक एजेंडा पर आउटलुक
- वैश्विक जोखिम रिपोर्ट

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– महत्वपूर्ण पर्यावरण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>पाकिस्तान ने शारदा मंदिर गलियारा खोलने की योजना को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- पाकिस्तान सरकार ने एक गलियारे की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है, यह गलियारा भारत के हिंदू तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक प्राचीन हिंदू मंदिर और सांस्कृतिक स्थल शारदा पीठ की यात्रा करने की अनुमति प्रदान करेगा।
- शारदा पीठ गलियारा शुरू होने के बाद यह पाकिस्तान-नियंत्रित क्षेत्र में करतारपुर गलियारे के बाद दूसरा धार्मिक मार्ग होगा जो दोनों पड़ोसी राष्ट्रों को जोड़ेगा।

संबंधित जानकारी

शारदा मंदिर

- यह मंदिर 237 ई.पू. में सम्राट अशोक के शासनकाल के दौरान स्थापित किया गया था, 5000 वर्ष पुराना शारदा पीठ, हिंदू धर्म की शिक्षा की देवी को समर्पित एक परित्यक्त मंदिर और शिक्षण का प्राचीन केंद्र है।
- 6वीं और 12वीं शताब्दी के मध्य शारदा पीठ, भारतीय उपमहाद्वीप के अग्रणी मंदिर विश्वविद्यालयों में से एक था।
- यह कश्मीरी पंडितों के तीन प्रसिद्ध पवित्र स्थलों में से एक है, कश्मीरी पंडितों के अन्य दो प्रसिद्ध पवित्र तीर्थस्थल अनंतनाग में स्थित मारतंड सूर्य मंदिर और अमरनाथ मंदिर हैं।

टॉपिक- जी.एस.-1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- न्यूज 18

28.03.2019

1. **<u>शार्क संकटग्रस्त की तुलना में विलुप्त होने की कगार पर है: रेड लिस्ट</u>**

- अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) के शार्क विशेषज्ञ समूह ने लुप्तप्राय पशुओं और पौधों की रेड लिस्ट के अद्दतन संस्करण में कहा है कि 58 शार्क प्रजातियों में से 17 प्रजातियां अब विलुप्त होने की कगार पर हैं।
- रेड लिस्ट में शॉर्टफिन माको को भी शामिल किया गया है, जिसकी 40 कि.मी./घं. की तैराकी चाल इसे सभी शार्क मछलियों में सबसे तेज बनाती है।

- माकोस को उसके सबसे मंहगे मांस और पंखों के लिए जाना जाता है, जिन्हें चीनी और अन्य एशियाई पाक परंपराओं में मृदुता का प्रतीक माना जाता है।
- मैक्सिको ने अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति व्यापारिक सम्मेलन, सी.आई.टी.ई.एस. के परिशिष्ट ।। में शॉर्टफिन माको को सूचीबद्ध करने हेतु एक प्रस्ताव तैयार किया है।
- परिशिष्ट II का दर्जा, मछली पकड़ने या व्यापार पर प्रतिबंध नहीं लगाएगा बल्कि इसे विनियमित करेगा।

संबंधित जानकारी

सी.आई.टी.ई.एस.

- सी.आई.टी.ई.एस. (वन्य जीवों और वनस्पतियों का अंतर्राष्ट्रीय लुप्तप्राय प्रजाति व्यापारिक सम्मेलन) सरकारों के मध्य एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जंगली जानवरों और पौधों के नमूनों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार उनके अस्तित्व के लिए खतरा नहीं है।
- सम्मेलन द्वारा शामिल किए गए प्रजातियों के समुद्र से सभी आयात, निर्यात, पुनर्निर्यात और शुरू करने की प्रक्रिया को एक लाइसेंसिंग प्रणाली के माध्यम से प्राधिकृत किया जाता है।
- उन्हें आवश्यक सुरक्षा की कोटि के अनुसार, सी.आई.टी.ई.एस. द्वारा शामिल की गई प्रजातियों को परिशिष्ट ।।। में सूचीबद्ध किया गया है।

परिशिष्ट I:

- इसमें विलुप्त होने के खतरे वाली प्रजातियां शामिल हैं।
- इन प्रजातियों के नमूनों में व्यापार को केवल असाधारण परिस्थितियों में अनुमति दी जाती है।

परिशिष्ट II:

- इसमें ऐसी प्रजातियाँ शामिल हैं जिन्हें आवश्यक रूप से विलुप्त होने का खतरा नहीं है, लेकिन इसमें उनके अस्तित्व के साथ असंगत उपयोग से बचने हेतु व्यापार को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

परिशिष्ट III:

- इसमें ऐसी प्रजातियां शामिल हैं जो कम से कम एक देश में संरक्षित हैं, जिन्होंने अन्य सी.आई.टी.ई.एस. पार्टियों से व्यापार को नियंत्रित करने में सहायता करने हेतु कहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- जैव विविधता

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>नोटा (उपर्युक्त में से कोई नहीं)</u>**

- नोटा एक विकल्प है जो मतदाताओं को स्थानीय, विधानसभा अथवा आम चुनाव में लड़ने वाले किसी भी प्रत्याशी को न चुनकर नकारात्मक वोट देने के लिए प्रदान किया जाता है।
- यह वर्ष 2013 में लागू हुआ था।
- मतपत्र पर नोटा का प्रतीक काले रंग के क्रास के निशान का होता है। जब कि सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक प्रणाली को स्वच्छ करने के तरीके के रूप में इसकी परिकल्पना की थी, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर नोटा की व्यापकता सीमित है।
- यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में पड़ने वाले मतों की संख्या में सबसे अधिक नोटा के मत हैं तो नोटा के बाद सबसे अधिक संख्या में मत पाने वाला प्रत्याशी को विजयी घोषित किया जाता है।
- स्थानीय स्तर पर इसके दायरे का विस्तार करने के प्रयास किए गए हैं, पिछले वर्ष महाराष्ट्र और हरियाणा राज्य चुनाव आयोगों ने घोषणा की थी कि यदि पड़ने वाले मतों की संख्या में सबसे अधिक मत नोटा के होंगे तो किसी भी प्रत्याशी को विजयी घोषित नहीं किया जाएगा और इसके स्थान पर पुन: चुनाव कराया जाएगा।
- वर्ष 2014 के आम चुनाव में 1.08% मतदाताओं ने नोटा का विकल्प चुना था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>बाह्य अंतरिक्ष संधि</u>**

- भारत ने हाल ही में मिशन शक्ति नामक एंटी-सैटेलाइट मिसाइल हथियार (ए-सैट) का प्रयोग करके अपना पहला परीक्षण किया है।

- बाह्य अंतरिक्ष संधि, औपचारिक रूप से बाहरी अंतरिक्ष के उपयोग और अन्वेषण में राज्यों की गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले सिद्धांतों पर एक संधि है, यह ए-सैट के उपयोग को संबोधित नहीं करती है।

संबंधित जानकारी

- बाह्य अंतरिक्ष संधि, एक कानूनी इकाई है और यह वर्ष 1966 में महासभा की ओर से एक कानूनी दस्तावेज के रूप में पेश की गई थी।
- यह संधि जनवरी, 1967 में तीन डिपॉजिटरी सरकारों (रूसी संघ, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका) द्वारा हस्ताक्षर के लिए खोली गई थी और इसे अक्टूबर, 1967 में लागू किया गया था।
- बाह्य अंतरिक्ष संधि राज्यों को पृथ्वी की कक्षा में बड़े पैमाने पर विनाश करने वाले हथियार रखने, उन्हें चंद्रमा या किसी अन्य खगोलीय पिंड पर स्थापित करने या अन्यथा उन्हें बाहरी अंतरिक्ष में तैनात करने से रोकती है।
- इस संधि के अनुच्छेद IV में यह उल्लिखित किया गया है कि चंद्रमा और अन्य खगोलीय पिंडों का शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए उपयोग करना वैध है और किसी भी प्रकार के हथियारों के परीक्षण, सैन्य युद्धाभ्यासों का संचालन या सैन्य ठिकानों की स्थापना करना, अधिष्ठापन और किलाबंदी करना स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित है।
- यह संधि कक्षा में पारंपरिक हथियारों की तैनाती पर रोक नहीं लगाती है।

नोट: भारत, बाह्य अंतरिक्ष संधि की पार्टी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>भारत, अमेरिकी कंपनियों के अनुपालन को आसान बनाने हेतु एक समझौता कर रहा है।</u>**

- भारत और अमेरिका ने देश-दर-देश (सी.बी.सी.) रिपोर्टों के स्वत: हस्तांतरण हेतु एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- यह अमेरिकी मूल कंपनियों की भारतीय सहायक कंपनियों के लिए अनुपालन बोझ को कम करेगा।
- यह भारत को आधार क्षरण एवं लाभ स्थानांतरण (बी.ई.पी.एस.) परियोजना के अनुरूप बनाने हेतु यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें यह एक सक्रिय भागीदार है।

संबंधित जानकारी

सी.बी.सी. रिपोर्ट क्या है?

- सी.बी.सी. रिपोर्ट आय के वैश्विक आवंटन, कर भुगतान और एम.एन.ई. समूह के अन्य निश्चित संकेतकों से संबंधित देश-दर-देश जानकारी एकत्र करती है।
- यह जानकारी दोनों कर प्रशासनों द्वारा कर जोखिम के मूल्यांकन के वर्धित स्तर को सक्षम बनाएगी।

लाभ

- यह समझौता, दो सक्षम प्राधिकरणों के मध्य द्विपक्षीय सक्षम प्राधिकरण व्यवस्थापन के साथ ही सी.बी.सी. रिपोर्ट के विनिमय हेतु है।
- यह 1 जनवरी, 2016 को या उसके बाद शुरू होने वाले वर्षों से संबंधित मामलों में अपने सापेक्षिक न्यायालयों में बहुराष्ट्रीय उद्यमों ("एम.एन.ई.") की अंतिम मूल संस्थाओं द्वारा दायर की गई सी.बी.सी. रिपोर्ट का स्वचालित रूप से विनिमय करने में दोनो देशो को सक्षम बनाएगा।
- यह सी.बी.सी. रिपोर्ट को क्षेत्रीय स्तर पर दायर करने हेतु भारतीय सहायक कंपनियों की अमेरिकी एम.एन.ई. आवश्यक्ता को समाप्त कर देगा, जिससे अनुपालन बोझ को कम किया जा सकेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्ट

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>पानी से हाइड्रोजन ईंधन का निर्माण</u>**

- वैज्ञानिकों ने पानी को विभाजित करके हाइड्रोजन ईंधन का उत्पादन करने के अधिक लागत प्रभावी और कुशल तरीकों की पहचान की है।

- अमेरिका में शोधकर्ताओं ने दर्शाया है कि उत्प्रेरक के रूप में उपयोग करने पर निकेल और लोहे से मिलकर बने नैनो कण, अधिक महंगी सामग्रियों की तुलना में बेहतर विकल्प हैं।
- टीम ने यह प्रदर्शित किया है कि निकेल और लोहे से मिलकर बने नैनो उतप्रेरकों ने जलीय विद्युत अपघटन की क्षमता को बढ़ा दिया है, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का उत्पादन करने हेतु पानी के अणुओं को विभाजित करना और हाइड्रोजन गैस बनाने हेतु उन्हें इलेक्ट्रानों के साथ संयोजित करने की प्रक्रिया है।
- जलीय विद्युत अपघटन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का उत्पादन करने हेतु पानी के अणुओं को विभाजित करना और हाइड्रोजन गैस बनाने हेतु उन्हें इलेक्ट्रानों के साथ संयोजित करने की प्रक्रिया है।
- यह हाइड्रोजन ईंधन के उत्पादन के लिए जलीय विद्युत अपघटन को अधिक व्यावहारिक और किफायती विधि बनाने की दिशा में एक कदम है।
- जलीय विद्युत अपघटन की वर्तमान विधियां प्रभावी होने के प्रति बहुत अधिक ऊर्जा-गहन हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- एन.डी.टी.वी.

6. **<u>मंत्रिमंडल ने एन.सी.एल.ए.टी. में अतिरिक्त पदों के सृजन को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.ए.टी.) में न्यायिक और तकनीकी सदस्यों के छह अतिरिक्त पदों का सृजिन किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

एन.सी.एल.ए.टी.

- इसे 1 जून, 2016 से प्रभावी राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.टी) के आदेशों के खिलाफ अपीलों की सुनवाई हेतु कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 410 के अंतर्गत गठित किया गया था।
- यह दिवालिया एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 की धारा 61 के अंतर्गत एन.सी.एल.टी. (एस.) द्वारा पारित आदेशों के खिलाफ अपीलों की सुनवाई के लिए अपीलीय न्यायाधिकरण भी है।
- यह भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा जारी किए गए किसी भी निर्देश अथवा लिए गए निर्णय अथवा पारित किए गए आदेश के खिलाफ अपीलों की सुनवाई और निपटान हेतु एक अपीलीय न्यायाधिकरण भी है।

संरचना:

- भारत के मुख्य न्यायाधीश के साथ परामर्श के बाद ही न्यायाधिकरण के अध्यक्ष और अपीलीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष और न्यायिक सदस्यों की नियुक्ति की जाएगी।

राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एन.सी.एल.टी.)

- यह भारत में एक अर्द्धन्यायिक निकाय है जो भारतीय कंपनियों से संबंधित मुद्दों के संदर्भ में निर्णय लेता है।
- एन.सी.एल.टी. को कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत स्थापित किया गया था और 1 जून, 2016 को भारत सरकार द्वारा गठित किया गया था और यह कंपनियों के दिवालिया होने और उनके बंद होने से संबंधित कानून पर एरादी समिति की सिफारिश पर आधारित था।

टॉपिक- जी.एस.-2- भारतीय संविधान

स्रोत- लिवमिंट

7. **<u>माउंट मकालू पर पहला भारतीय सेना पर्वतारोहण अभियान</u>**

- माउंट मकालू पर पहला भारतीय सेना पर्वतारोहण अभियान आयोजित किया जाएगा, जो मार्च-मई 2019 में शुरू होगा।

संबंधित जानकारी

माउंट मकालू

- यह 8,485 मीटर की ऊँचाई पर स्थित पर विश्व का पांचवा सबसे ऊँचा पर्वत है।
- यह नेपाल और तिब्बत, चीन की सीमा के मध्य महालंगुर हिमालय पर स्थित है जो माउंट एवरेस्ट के 19 कि.मी. दक्षिण-पूर्व में स्थित है।
- इसका आकार चतुर्भज पिरामिड का है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- लिवमिंट

29.03.2019

1. **ब्लॉकचैन आधारित कॉफी ई-बाजार**

- वाणिज्य मंत्रालय ने एक ब्लॉकचेन-आधारित कॉफी ई-बाजार लॉन्च किया है।
- यह किसानों को बाजारों के साथ एकीकृत करने में मदद करता है जिससे कि वे उपभोग की वस्तुओं के उचित मूल्य जान सकें।
- यह पहल अपने उत्पादन के लिए उचित मूल्य हेतु खरीददारों तक सीधी पहुँच प्रदान करने के द्वारा मध्यस्थ पर उत्पादक की निर्भरता को कम करने के माध्यम से भारतीय कॉफी के लिए ब्रांड कीमत का निर्माण करने मदद करेगी।
- यह निर्यातकों के लिए उचित कॉफी आपूर्तिकर्ताओं को खोजने में और निर्धारित समय सीमा के भीतर बढ़ती माँगों को पूरा करने में मदद करेगी।
- इसके अतिरिक्त यह कॉफी उत्पादकों और खरीदारों के मध्य परतों की संख्या को भी कम करेगी और वर्ष 2022 के अंत तक किसानों को उनकी आय को दोगुना करने में मदद करेगी।

संबंधित जानकारी

- भारत में अधिकांशत: कॉफी उत्पादन दक्षिण भारतीय राज्यों के पहाड़ी इलाकों में होता है, जिसमें कर्नाटक में कुल कॉफी उत्पादन का 71%, केरल में 21% और तमिलनाडु में 5% हिस्सा है।
- भारत में कॉफी की दो प्रसिद्ध प्रजातियां उगाई जाती हैं ये प्रजातियां कॉफी अराबिका और रोबस्ता हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकी

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध शासन प्रणाली**

- अमेरिका ने जैश-ए-मोहम्मद (जे.ई.एम.) प्रमुख मसूद अजहर के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र में सुरक्षा परिषद के सदस्यों के मध्य एक मसौदा प्रस्ताव पारित करके प्रतिबंध लगाने का नेतृत्व किया है।

संबंधित जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र विशेषाधिकार के अध्याय VII के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने या बहाल करने हेतु सुरक्षा परिषद कार्रवाई कर सकती है।
- अनुच्छेद 41 के अंतर्गत प्रतिबंध उपायों में प्रवर्तन विकल्पों की व्यापक श्रृंखला शामिल है, जिसमें सशस्त्र बलों का प्रयोग शामिल नहीं किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र की 1267 प्रतिबंध समिति सूची

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्ताव 1267 को 15 अक्टूबर, 1999 को सर्वसम्मति से अपनाया गया था।
- यह उन लोगों और इकाईयों की एक समेकित सूची है जो अल कायदा या तालिबान से संबंधित होने हेतु निर्धारित किए गए हैं और इस सूची में प्रतिबंधों को लागू करने हेतु प्रत्येक सदस्य राष्ट्र में अवश्य ही पारित किए जाने वाले कानून भी शामिल हैं।
- मसूद अजहर को ओसामा बिन लादेन से जोड़ा गया है और इसलिए उसे 1267 प्रतिबंध समिति के अंतर्गत प्रतिबंधित किया जा सकता है।

1267 प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता

- इसमें मौजूदा 14 प्रतिबंध शासन प्रणालियां हैं, जो संघर्षों, परमाणु अप्रसार और आतंकवाद विरोध के राजनीतिक समाधान का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- प्रत्येक शासन प्रणाली का प्रशासन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक अस्थायी सदस्य की अध्यक्षता वाली एक प्रतिबंध समिति द्वारा किया जाता है।
- 1267 प्रतिबंध समिति की वर्तमान अध्यक्षता इंडोनेशिया कर रहा है और यह अध्यक्षता 2019 के अंत तक जारी रहेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

3. **वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2018**

- भारत की गरीबी दर में 2018 के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एम.पी.आई.) के अनुसार 10 वर्षों में 55% से 28% तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है।

- सूचकांक से ज्ञात होता है कि वर्ष 2005-06 से वर्ष 2015-16 के मध्य भारत में 271 मिलियन लोग गरीबी रेखा से बाहर चले गए हैं।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- बेहतरीन प्रगति के बावजूद आज भी भारत में एम.पी.आई. गरीबों की अधिकतम संख्या निवास करती है, भारत में वर्ष 2015-2016 में गरीबों की संख्या 364 मिलियन थी।
- रिपोर्ट के अनुसार 2015-16 में बिहार सबसे गरीब राज्य था, जिसकी आधी से अधिक आबादी गरीब थी।
- इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के चार सबसे गरीब राज्य बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश हैं।
- भारत में 640 जिलों में से सबसे गरीब जिला मध्य प्रदेश में अलीराजपुर है, जहां निवास करने वाले 76.5 प्रतिशत लोग एम.पी.आई. गरीब हैं।
- राज्यों के मध्य झारखंड में सबसे अधिक सुधार हुआ है।

बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2018

- यह सूचकांक, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) और ऑक्सफोर्ड गरीबी एवं मानव विकास पहल द्वारा तैयार किया जाता है।
- एम.पी.आई. तीन आयामों और दस संकेतकों का उपयोग करता है जो हैं:

1. शिक्षा: स्कूली शिक्षा के वर्ष और बच्चे का नामांकन (1/6 वेटेज प्रत्येक, कुल 2/6)
2. स्वास्थ्य: बाल मृत्यु दर एवं पोषण (1/6 वेटेज प्रत्येक, कुल 2/6)
3. जीवन स्तर: बिजली, फर्श, पीने का पानी, स्वच्छता, खाना पकाने का ईंधन और संपत्ति (1/18 वेटेज प्रत्येक, कुल योग 2/6)

- कोई व्यक्ति बहुआयामी रूप से गरीब तब होगा यदि वह यदि वह एक-तिहाई अथवा अधिक (अर्थात 33 प्रतिशत अथवा अधिक) वेटेज संकेतकों (दस संकेतकों में से) से वंचित रह जाता है।
- जो लोग वेटेज संकेतको के आधे अथवा उससे अधिक में वंचित रह जाता है, उन्हें अत्यधिक बहुआयामी गरीबी जीवनशैली में रहने वाला माना जाता है।
- वैश्विक एम.पी.आई. में 105 देश शामिल हैं।

नोट: एस.डी.जी.-1 (सभी जगह से गरीबी अपने सभी रूपों में समाप्त हो जाए)

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

4. **<u>चुनाव जमा</u>**

- चुनाव जमा एक ऐसी धनराशि है जिसे चयनित कार्यालय के प्रत्याशी को जैसे विधानसभा में एक सीट के प्रत्याशी को चुनाव में खड़े होने की अनुमति प्राप्त करने से पहले निर्वाचन प्राधिकरण को भुगतान करना अनिवार्य होता है।
- यदि प्रत्याशी निर्वाचित नहीं होता है और उसके द्वारा मतदान किए गए वैध वोट, सभी प्रत्याशियों द्वारा मतदान किए गए वैध वोटों की कुल संख्या के 1/6वें से अधिक नहीं होते हैं तो जमा धनराशि को जब्त कर लिया जाता है।
- भारत में संसदीय चुनावों के लिए खड़े होने वाले प्रत्याशी को 25,000 रूपए की धनराशि का भुगतान करना पड़ता है।
- यदि प्रत्याशी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य है तो उसे मात्र 12500 रूपए की धनराशि का भुगतान करना पड़ता है।
- विधानसभा चुनावों के लिए यह धनराशि 10,000 रूपए है और एस.सी. और एस.टी. प्रत्याशियों के लिए यह धनराशि 5000 रूपए है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>ट्यूरिंग पुरस्कार 2018: कंप्यूटिंग का नोबेल पुरस्कार</u>**

- तीन शोधकर्ताओं बेंगियो, हिंटन और लेकुन ने 2018 ट्यूरिंग पुरस्कार जीता है, जिसे 'कंप्यूटिंग के नोबेल पुरस्कार' के रूप में जाना जाता है।
- उन्हें यह पुरस्कार कृत्रिम बुद्धिमत्ता में सैद्धांतिक और इंजीनियरिंग सफलताओं के लिए प्रदान किया गया है, जिसने गहन तंत्रिका नेटवर्क के व्यावहारिक लाभों की व्याख्या की है।
- तंत्रिका नेटवर्क, इलेक्ट्रॉनिक इंजन हैं जो चेहरे और आवाज पहचान जैसे क्षेत्रों में काम करते हैं,

जिन क्षेत्रों में कंप्यूटर ने पिछले एक दशक में काफी प्रगति की है।

- ऐसे तंत्रिका नेटवर्क भी रोबोट प्रणालियों का एक महत्वपूर्ण घटक होते हैं जो ड्राइविंग सहित अन्य मानव गतिविधि की एक विस्तृत श्रृंखला को स्वचालित कर रहे हैं।
- इस गहन शिक्षण तकनीक का उपयोग मानव भाषण का अनुलेखन करने और विभिन्न तस्वीरों में मनुष्यों के चेहरे को पहचानने के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

ट्यूरिंग पुरस्कार

- कंप्यूटर के क्षेत्र के लिए एक स्थायी और प्रमुख तकनीकी महत्व का योगदान देने वाले व्यक्तियों के लिए कंप्यूटिंग मशीनरी संघ द्वारा दिया जाने वाला एक वार्षिक पुरस्कार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- पुरस्कार

स्रोत- टी.ओ.आई.

6. **<u>तेलंगाना राज्य वैश्विक संयोजक: एम.एस.एम.ई. हेतु एक डिजिटल पोर्टल</u>**

- तेलंगाना सरकार ने एम.एस.एम.ई. के लिए एक डिजिटल व्यापार नेटवर्किंग पोर्टल- तेलंगाना राज्य वैश्विक संयोजक (ts-msme.globallinker.com) लांच किया है।
- यह नेटवर्किंग पोर्टल राज्य के लाखों एम.एस.एम.ई. का डिजिटलीकरण करेगा जो उन्हें वैश्विक अर्थव्यवस्था से जोड़ेगा।
- इस पोर्टल का मुख्य उद्देश्य एम.एस.एम.ई. के व्यवसाय के विकास को सरल, अधिक लाभदायक और सुखद बनाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>द्वीप संरक्षण क्षेत्र (आई.पी.जेड.) 2019</u>**

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने अंडमान एवं निकोबार के लिए द्वीप संरक्षण क्षेत्र (आई.पी.जेड.) 2019 अधिसूचित किया है।
- ये परिवर्तन द्वीपों में समग्र विकास के लिए नीति आयोग के प्रस्ताव के साथ संरेखित होंगे जो समुद्री संसाधनों के स्थायी दोहन में मदद करते हैं।

द्वीप संरक्षण क्षेत्र में परिवर्तन

- यह बाराटांग, हैवलॉक और कार निकोबार जैसे छोटे द्वीपों में उच्च ज्वार रेखा (एच.टी.एल.) से 20 मीटर की दूरी पर और बड़े द्वीपों में 50 मीटर की दूरी पर पारिस्थिक-पर्यटन परियोजनाओं को अनुमति प्रदान करेगा।
- इससे पहले आई.पी.जेड. 2011 ने सभी द्वीपों के लिए एच.टी.एल. से 200 मीटर की दूरी पर नो-डेवलपमेंट ज़ोन निर्धारित किया था।
- यह मुख्य भूमि और बांध पानी द्वीपों के करीब स्थित अन्य द्वीपों के लिए तटीय विनियमन क्षेत्र (सी.आर.जेड.) मानदंडों के अनुरूप अंडमान एवं निकोबार के लिए मानदंड लाता है, जहां एच.टी.एल. से केवल 20 मीटर की दूरी पर एन.डी.जेड. निर्धारित किया जाता है।
- पारिस्थिक संवेदनशील क्षेत्रों में पाइपलाइन, ट्रांसमिशन लाइन, ट्रांस-हार्बर लिंक को बिछाने की ही अनुमति दी गई थी। अब सड़क निर्माण की अनुमति भी प्रदान कर दी गई है।

संबंधित जानकारी

उच्च ज्वार रेखा (एच.टी.एल.)

- उच्च ज्वार रेखा को उस रेखा के रूप में परिभाषित किया जाता है जिस तक उच्चतम उच्च ज्वार, वसंत ज्वार में पहुंचता है।
- इसे इस पर चलकर अथवा रिमोट सेंसिंग डेटा पर अथवा हेलीकॉप्टर सर्वेक्षण के द्वारा निरूपित किया जाता है।

निम्न ज्वार रेखा (एल.टी.एल.)

- निम्न ज्वार रेखा वह सीमा है जिस पर वसंत ज्वार के दौरान सबसे न्यूनतम निम्न ज्वार आता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>द ग्रांड आर्डर ऑफ द किंग ऑफ टोमिसलाव: क्रोएशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान</u>**

- राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद को क्रोएशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान- द ग्रैंड ऑर्डर ऑफ टॉमिस्लाव से सम्मानित किया गया है।
- राष्ट्रपति को यह सम्मान क्रोएशिया और उसके संबंधित देशों के मध्य राज्य संबंधों के विकास की ओर उनके महत्वपूर्ण योगदान हेतु प्रदान किया गया है।

संबंधित जानकारी

- द ग्रैंड ऑर्डर ऑफ द किंग टोमिस्लाव, क्रोएशिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।
- इसका नाम क्रोएशिया के राजा टॉमिस्लाव के नाम पर रखा गया है।

टॉपिक- महत्वपूर्ण तथ्य

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>पूरे विश्व में भारत में महिलाओं की श्रम शक्ति भागीदारी न्यूनतम है: ऑक्सफैम</u>**

- भारत में लिंग भुगतान का अंतर 34 प्रतिशत था अर्थात समान योग्यता वाली समान नौकरी करने के लिए पुरुषों की तुलना में महिलाओं को 34 प्रतिशत कम अवसर मिलता है।
- रिपोर्ट, जो रोजगार बेरोजगार सर्वेक्षण (ई.यू.एस.) 2011-12 पर आधारित अपने अनुमान बताती है, यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एन.एस.एस.ओ.), अंतर्राष्ट्रीय मजदूर संघ (आई.एल.ओ.) के अध्ययनों द्वारा पूरा किया गया है और इसके अतिरिक्त यह ऑक्सफैम द्वारा जारी की गई पहली असमानता रिपोर्ट के आधार पर निर्मित है।
- अधिक कुशल श्रमिकों के लिए वेतन अंतर कम है और अर्ध-कुशल या अकुशल श्रमिकों के लिए वेतन अंतर अधिक है।
- रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि जहां नौकरियों में असमानता बढ़ी है, वहीं लड़कों और लड़कियों के मध्य शिक्षा के क्षेत्र में असमानता घटी है।

टॉपिक-जी.एस.-2- सामाजिक मुद्दे

स्रोत- डाउन टू अर्थ

10. **<u>मेडागास्कर के मिनी मेंढक: नई प्रजाति की खोज की गई है।</u>**

- मेडागास्कर, हिंद महासागर में स्थित एक द्वीप है जो मुख्य भूमि फ्रांस की तुलना में बड़ा है।
- यहां पर मेंढक की 350 से अधिक प्रजातियां हैं, जो इसे संभवतः दुनिया के किसी भी देश के प्रति वर्ग किलोमीटर में सबसे अधिक मेंढकों की विविधता प्रदान करती है।
- वैज्ञानिकों ने तीन नई मेंढक प्रजातियों की खोज की है, जो हैं:

1. मिनी समूह: मिनी मम, मिनी स्क्यूल और मिनी एच्यूर
2. अन्य दो नई प्रजातियां, रोम्बोफ्रीनेप्रपोरशनैलिस और एनोडोनथिलेक्सिमिया हैं, जो मात्र 11-12 मिमी. की हैं और अपने नजदीकी रिश्तेदारों की तुलना में बहुत छोटी हैं।

- मिनी मम, पूर्वी मेडागास्कर में मनोमबो से है। यह विश्व के सबसे छोटे मेंढकों में से एक है।
- मिनी स्क्यूल, दक्षिणपूर्वी मेडागास्कर के सेंट लूस से थोड़ा बड़ा है और इसके ऊपरी जबड़े में दांत हैं।
- मिनी एच्युर, दक्षिण-पूर्वी मेडागास्कर के एंडोहहेला, इसके रिश्तेदारों से बड़ा है लेकिन बनावट में एकसमान है।
- रोम्बोफ्रीनेप्रपोरशनैलिस, उत्तरी मेडागास्कर में सारातनाना से संबंधित है। यह छोटे मेंढकों में बहुत ही असामान्य है, जिसमें सामान्यत: बड़ी आँखें, बड़ा सिर और अन्य विशेषताएं होती हैं जो "बच्चे के समान" होते हैं, उन्हें "पैडोमॉर्फिस्म" कहा जाता है।
- एनोडोनथिलेक्सिमिया, पूर्वी मेडागास्कर में रानोमाफाना से किसी भी अन्य एनोडोंथीलिया प्रजाति की तुलना में छोटा है। शायद वास्तव में छोटे होने के कारण इसका पेड़ों में रहना मुश्किल हो जाता है।

टॉपिक- जी.एस.-3- पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

***

UPSC & State PCS Exams

IAS, UPPSC, RAS, MPPSC, MPPSC

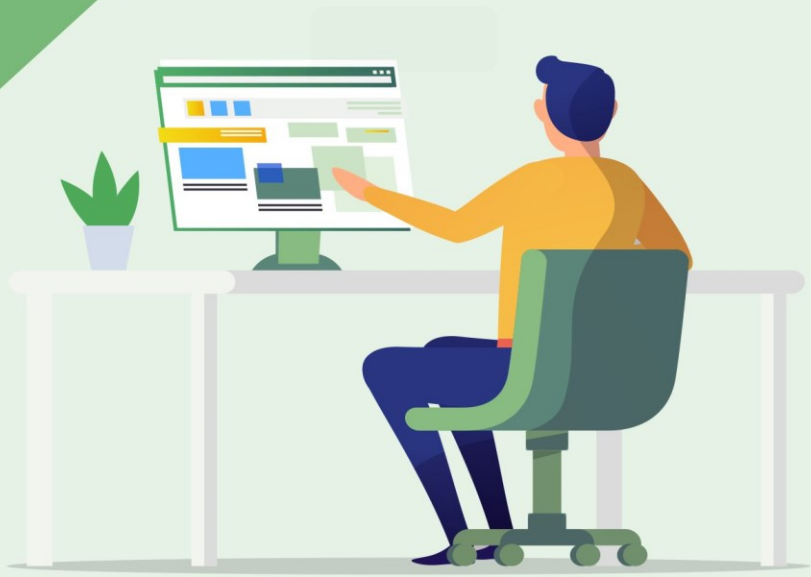

gradeup